सुविचार
प्रत्येक व्यक्ति सब बातों में निपुण नहीं हो सकता, प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्ट उत्कृष्टता होती है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

12
Sonakshi Sinha Reveals She...

Ranchi ● Sunday, 05 May 2024 ● Year : 02 ● Issue : 106 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	73,878.15
निफ्टी	:	22,475.85

SARAFA

सोना	:	6,745
चांदी	:	86.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

17 राज्यों में दो दिनों के बाद बदलेगा मौसम

NEW DELHI : देश में भीषण गर्मी और हीटवेव का सामना कर रहे शहरों को अगले 8 दिन राहत मिलने जा रही है। 4 मई से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है। इसके चलते पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी होगी, जबकि मैदानी इलाकों में मौसम बदलेगा और बारिश होगी। फिलहाल उत्तर भारत के अलावा दक्षिण भारत में आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक में हीटवेव (लू) से पारा 45 का आंकड़ा भी पार कर गया है। 3 मई को देश में सबसे ज्यादा तापमान आंध्रप्रदेश के नांदयाल का रहा, जहां 46.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसके बाद तेलंगाना के खम्मम, बंगाल के कलाईकुंडा, ओडिशा के बौद्ध और तमिलनाडु के इरोड में पारा 42 डिग्री से 45 डिग्री के बीच रिकॉर्ड हुआ।

मसूरी में कार हादसा, पांच की मौत, एक घायल

DEHRADHUN : मसूरी-देहरादून मार्ग पर शनिवार सुबह झड़ीपानी रोड पानी वाले बैंड के पास कार दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई और एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। कार में कुल छह लोग सवार थे। घायल को दून अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, सुबह लगभग साढ़े पांच बजे कार (यूके 07 बीडी 8600) झड़ीपानी के निकट मसूरी में अनियंत्रित होकर दुर्घटना ग्रस्त हो गई। देहरादून एसपी सिटी प्रमोद कुमार ने घटनास्थल पर पहुंच कर जानकारी ली। मसूरी पुलिस फायर सर्विस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीमों मे खाई में गिरी दो युवतियों समेत तीन लोगों को 108 एंबुलेंस के माध्यम से देहरादून हायर सेंटर भेजा गया। तीन की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें से दो और लोगों की और मौत हो गई है। जान गंवाने वालों में चार युवक और एक युवती शामिल हैं।

मुंबई एयरपोर्ट से 12 किलो सोना जब्त

MUMBAI : सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर 8.17 करोड़ रुपये कीमत का 12.74 किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया है। इसके साथ ही 20 मामलों में 10 लाख करोड़ रुपये मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक्स सामान जब्त किया गया और पांच यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। कस्टम सूत्रों ने शनिवार को मीडिया को बताया कि कस्टम की टीम मुंबई एयरपोर्ट पर नियमित छानबीन करती है। इसके तहत ही पिछले एक सप्ताह में कस्टम की टीम ने अलग अलग 20 मामलों में कार्रवाई करते हुए सोना और इलेक्ट्रानिक्स सामान के साथ पांच यात्रियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों ने प्रतिबंधित सोना विभिन्न रूपों में छिपाया गया था, जैसे मोम और सोने की परत वाले कपड़ों में, पानी की बोतल में और मुंबई में उतरने वाले यात्री के शरीर पर।

जनता के एक-एक वोट ने आतंकवाद पर किया लगाम लगाने का काम

लव लेटर भेजती थी कांग्रेस, पाकिस्तान के घर में घुसकर मारती है बीजेपी सरकार : मोदी

PHOTON NEWS PLAMU : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलामू में चुनावी जनसभा में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। कहा कि मोदी ने जनता के एक-एक वोट से आंतकवाद पर लगाम लगाने का काम किया। पहले कांग्रेस सरकार पाकिस्तान के डोजियर भेजती थी, लेकिन बीजेपी की सरकार पाकिस्तान के घर में घुस कर मारती है। पीएम ने कहा कि 2014 के बाद स्थिति में बदलाव आया है। अब पाकिस्तान दुनिया में जाकर रोता है कि भारत को रोका जाए। जनता के वोट का ही नतीजा है जम्मू-कश्मीर में धारा 370 की दीवार तोड़ दी गई। पीएम ने कहा कि 500 सालों के लंबे संघर्ष के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ है। आपके वोट की ताकत ही थी कि राम मंदिर बन पाया है। मोदी ने नक्सलवाद का जिक्र करते हुए कहा कि पहले झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश में नक्सलवाद फैला हुआ था। माताओं और बहनों के बेटों को शहादत देनी पड़ती थी, लेकिन जनता के वोट से माताओं की आस पूरी हो गई है। आपनी सरकार की उपलब्धि गिनवाते हुए कहा कि अब नक्सलवाद और आतंकवाद से मुक्ति मिली है।

प्रधानमंत्री ने ये भी कहा

- आपके वोट का ही नतीजा है कि जम्मू-कश्मीर में तोड़ दी गई धारा 370 की दीवार
- 500 सालों के लंबे संघर्ष के बाद अब जाकर संभव हो सका राम मंदिर का निर्माण
- नक्सलवाद पर कांग्रेस का रवैया हमेशा से ढुलमुल

पलामू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते भाजपा के वरिष्ठ नेता।

देश के हर कोने में मनाई जाएगी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलामू की धरती से आदिवासियों के लिए बड़ा एलान करते हुए कहा है कि बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती देश के हर कोने में मनाई जाएगी। मैंने कहा, मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं जिन्होंने भगवान बिरसा के गांव का दौरा किया। वहां की मिट्टी को मुझे अपने माथे पर लगाने का सौभाग्य मिला। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि मैंने भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली से पीएम जन योजना का लाभ दिया। इस योजना से वे लोग लाभान्वित हुए जो आदिवासी समाज में सबसे पिछड़े हैं। इस मौके पर उन्होंने 13 मई को बीजेपी प्रत्याशी बीडी राम के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि उस दिन जब वोट देने जाएं तो कमल फूल के निशान पर अपना बटन दबाएं। पीएम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस-झामुमो अपने बच्चे के लिए काली कमाई कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सब कुछ अपने बच्चों के लिए अर्जित कर रहे हैं। ये काली कमाई छोड़कर जाएंगे, लेकिन मोदी के आगे पीछे कोई नहीं है। मेरे असली वारिस तो आप हैं। आपके नाती-पोते मेरी वारिस हैं। मेरी इच्छा है कि मैं आपको विरासत में आपके बच्चों के लिए विकसित भारत देकर जाऊं। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पलामू का जिक्र करना नहीं भूले। उन्होंने कहा कि पहले इस जिले के लोगों को पिछड़ा जिला कहकर अपमानित किया जाता था। यहां पर कोई अफसर आना नहीं चाहता था, लेकिन मैंने इस पिछड़े जिले को आकांक्षी जिला बनाया। दिल्ली में कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों के नेताओं से पूछ लीजिए तो उन्हें पता नहीं होगा कि पलामू कहां है।

कांग्रेस का लक्ष्य- भ्रष्टाचारी बचाओ

शनिवार को ही पीएम नरेंद्र मोदी ने लोहरदगा लोस के सिसई में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड में कोई ऐसा पेपर नहीं जो लीक न हुआ हो। पीएम ने हेमंत सोरेन का नाम न लेते हुए कहा कि राज्य के पूर्व सीएम भ्रष्टाचार के केस में जेल में बंद हैं। पीएम ने कांग्रेस के 60 सालों का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश को सिर्फ परिवरवाद और भ्रष्टाचार दिया है। कांग्रेस पर वोटबैंक की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा तुष्टीकरण किया। पीएम ने कहा कि इन लोगों ने झारखंड को लूटा है। उन्होंने कहा कि आने वाले 5 सालों में भ्रष्टाचारियों पर कानून का डंडा चलेगा।

'शहंशाह' जैसा जीवन जीते हैं मोदी : प्रियंका

BANASKANTHA : शनिवार को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने गुजरात के बनासकांठा में सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी को 'शहजादा' कहने के लिए पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि वो खुद 'शहंशाह' जैसा जीवन जीते हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि वे मेरे भाई को शहजादा कहते हैं। मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि कैसे यह शहजादा आपकी समस्याओं को सुनने के लिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4000 किमी पैदल चला है। प्रियंका गांधी ने कहा कि दूसरी तरफ आपके शहंशाह नरेंद्र मोदी हैं, जो एक महल में रहते हैं। क्या आपने उन्हें टेलीविजन पर देखा है। उनके चेहरे पर धूल का एक भी कण दिखाई नहीं देता। वह आपकी समस्याओं को कैसे समझ सकते हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि उनकी अपनी पार्टी के नेता ही उनसे डरते हैं। उन्हें कोई कुछ नहीं कहता है। उनके खिलाफ उठने वाली आवाज को दबा दिया जाता है। प्रियंका गांधी ने सवाल पूछते हुए कहा कि क्या आपने पीएम मोदी को किसी किसान से मिलते देखा है।

- जनता से कहा, पीएम के चेहरे पर धूल का एक भी कण दिखाई नहीं देता
- आलीशान जीवन जीने वाला प्रधानमंत्री कैसे समझ सकता है आपकी समस्याएं

पांच आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी

लोहरदगा में नाबालिग को अगवा कर गैंग रेप

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र की नाबालिग को अगवा कर पांच युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया है। लोक-लाज के कारण पीड़िता ने मामले को दबाकर रखा, लेकिन उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजनों को इसकी जानकारी हुई। इसके बाद परिजन लड़की को लेकर कुडू थाना पहुंचे तथा पूरे मामले की लिखित शिकायत पुलिस से की। लिखित आवेदन के बाद पांच युवकों पर नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने लड़की का मेडिकल चेकअप कराया। इसके साथ ही बयान कलमबद्ध कराया गया है। केस दर्ज होने के बाद लड़की तथा परिजनों पर मामला उठाने का दबाव बनाया जा रहा है। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गयी थी। देर रात जब लड़की शादी समारोह से वापस अपने घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने लड़की को अगवा कर लिया और गांव से दूर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

- पीड़िता व परिजनों पर केस उठाने का दबाव
- जानकारी देने पर अंजाम भुगतने की धमकी

अरविंदर सिंह लवली सहित कई कांग्रेसी बीजेपी में शामिल

NEW DELHI : लोकसभा चुनाव के बीच दिल्ली में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस नेता और दिल्ली कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली बीजेपी में शामिल हो गये हैं। लवली के अलावा कांग्रेस के पूर्व विधायक राज कुमार चौहान, नसीब सिंह, नीरज बसोया और पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित मलिक दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में भाजपा में शामिल हुए। सभी कांग्रेसी नेताओं ने दिल्ली बीजेपी मुख्यालय में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। गौरतलब है कि दिल्ली में बीजेपी के कुनबा बढ़ गया है। वहीं, कांग्रेस को चुनाव से पहले एक बार फिर तगड़ा झटका लगा है। गौरतलब है कि दिल्ली में लोकसभा का चुनाव कांग्रेस आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के तहत लड़ रही है। कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है जबकि आम आदमी पार्टी चार सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रही है। ऐसे अरविंदर सिंह लवली समेत पूर्व विधायक राजकुमार चौहान, नसीब सिंह, नीरज बसोया और पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित मलिक के बीजेपी में चले जाने से कांग्रेस के लिए आगे की राह मुश्किलों भरी हो सकती है।

लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी को दर्शाने का मामला

नेपाल में नोट पर छपे मैप में भारत के 3 इलाके, दोनों देशों में 34 सालों से विवाद

AGENCY KATHMANDU : नेपाल में 100 रुपये के नए नोट छपने वाले हैं। इस पर देश का एक नक्शा भी होगा। एजेंसी के मुताबिक, इस मैप में वो इलाके भी दिखाए जाएंगे, जिन्हें भारत अपना बताता है। इनमें लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी शामिल हैं। इन इलाकों को लेकर भारत-नेपाल के बीच करीब 34 साल से विवाद है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की अगुआई में हुई एक बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया। सरकार की प्रवक्ता रेखा शर्मा ने कैबिनेट मीटिंग के बाद बताया कि 25 अप्रैल और 2 मई की बैठक में 100 रुपये के नोट को री-डिजाइन करने पर सहमति बनी है। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री प्रचंड ने मार्च में ही नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन तोड़कर सीपीएन-यूएमएल पार्टी के साथ सरकार बनाई। इस पार्टी के लीडर केपी शर्मा ओली हैं, जिन्हें चीन का समर्थक कहा जाता है।

दो नदियों से तय हुई भारत-नेपाल की सीमा

भारत, नेपाल और चीन सीमा से लगे इस इलाके में हिमालय की नदियों से मिलकर बनी एक घाटी है, जो नेपाल और भारत में बहने वाली काली या महाकाली नदी का उद्गम स्थल है। इस इलाके को कालापानी भी कहते हैं। यहीं पर लिपुलेख दर्रा भी है। यहां से उत्तर-पश्चिम की तरफ कुछ दूरी पर एक और दर्रा है, जिसे लिंपियाधुरा कहते हैं। अंग्रेजों और नेपाल के गोरखा राजा के बीच 1816 में हुए सुगौली समझौते में काली नदी के जरिए भारत और नेपाल के बीच सीमा तय की थी।

नेपाल को किया गुमराह

पिछले साल देश के थल सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे ने कहा था कि नेपाल ऐसा किसी और के बहकावे में कर रहा है। नरवणे का इशारा चीन की ओर था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी लिपुलेख में भारत द्वारा सड़क निर्माण पर नेपाल की आपत्ति के बाद कहा था कि नेपाल को इस मुद्दे पर गुमराह किया गया है। अंग्रेजों के साथ संधि के करीब 100 साल बाद तक इस इलाके को लेकर कोई विवाद नहीं हुआ। यहां तक कि भारत ने 1962 में चीनी आक्रमण को रोकने के लिए इस इलाके में अपनी सेना तक तैनात कर दी थी। अभी भी इस इलाके के कई हिस्सों में भारतीय सेना तैनात है।

सिक्योरिटी एक्सपर्ट का दावा- इजरायल ने खतरे की जताई थी संभावना

राजीव गांधी की हत्या से जुड़ी खुफिया जानकारी गायब

AGENCY NEW DELHI :

सिक्योरिटी एक्सपर्ट नमित वर्मा ने दावा किया है कि इजरायल ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर खतरे की संभावना को लेकर खुफिया जानकारी शेयर की थी। 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद इसकी कॉपी गायब हो गई। नमित वर्मा ने कहा कि पिछले तीन-चार दशक में इजरायल ने भारत के साथ कई अहम जानकारियों को साझा किया था। इनमें सबसे अहम राजीव गांधी के जीवन पर खतरे से जुड़ी संभावना थी। यह संभावना सच साबित भी हुई। उनकी हत्या के बाद देश की राजनीतिक व्यवस्थाएं बहुत अलग हो गईं। नमित के मुताबिक, इजरायल की खुफिया जानकारी में साफ कहा गया था कि पेमेंट हुआ है। दावा किया गया कि 'गॉडमैन' ने पेमेंट किया है। यह सारी जानकारी डॉक्यूमेंट की गई थी और हमारी खुफिया एजेंसियों को भी इसके बारे में पता था। उन्होंने सुरक्षा देने के लिए पूछा भी था, लेकिन तत्कालीन सरकार ने सुरक्षा नहीं दी।

सुरक्षा मामलों संग ग्लोबल जियोपॉलिटिक्स के विशेषज्ञ हैं नमित वर्मा

- राजीव की हत्या के बाद बहुत अलग हो गईं देश की राजनीतिक व्यवस्थाएं
- इजरायल ने नहीं दी खुफिया जानकारी की दूसरी कॉपी, भारत के साथ कई अहम जानकारियों को किया था साझा
- खुफिया जानकारी में यह साफ कहा गया था कि इस मामले में हुआ है पेमेंट

एजेंसी के मुताबिक, सिक्योरिटी एक्सपर्ट नमित ने ये बातें उसानास फाउंडेशन की तरफ से आयोजित एक चर्चा के दौरान कही। नमित दशकों से सुरक्षा मामलों में स्पेशलाइजेशन के साथ ग्लोबल जियोपॉलिटिक्स के विशेषज्ञ रहे हैं। उन्होंने सुरक्षा और विदेश नीति के कई अहम मामलों में सरकार के साथ मिलकर काम किया है। नमित के अलावा इस चर्चा में इजराइल के दो सिक्योरिटी एक्सपर्ट, जोसेफ रोजेन और कोबे माइकल भी शामिल थे। इन्होंने इजरायली रणनीतिक मामलों के मंत्रालय में डिप्टी डायरेक्टर जनरल और फिलिस्तीनी डिवीजन चीफ के रूप में काम किया है। नमित ने बताया कि राजीव गांधी की हत्या के बाद भारत ने इजरायल से उनसे जुड़ी खुफिया जानकारी की एक और कॉपी मांगी थी। हालांकि, इजरायल ने इसे कभी नहीं दिया। सिक्योरिटी एक्सपर्ट ने कहा कि दो देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने में कैसे राजनीति होती है, इसका इससे अधिक साफ उदाहरण नहीं हो सकता है। सिक्योरिटी एक्सपर्ट के मुताबिक, उस समय भारत की स्थिति गंभीर थी। सोवियत संघ का विघटन नहीं हुआ था।

1991 में आत्मघाती हमले में हुई थी राजीव की हत्या

गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई 1991 को आत्मघाती हमले में हत्या हुई थी। राजीव ने अपने कार्यकाल में श्रीलंका में शांति सेना भेजी थी, जिससे तमिल विद्रोही संगठन लिट्टे (लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम) उनसे नाराज चल रहा था। घटना के दिन राजीव लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार करने तमिलनाडु के श्रीपेरम्बदूर गए थे। वहां लिट्टे ने राजीव पर आत्मघाती हमला करवाया। राजीव को फूलों का हार पहनाने के बहाने लिट्टे की महिला आतंकी धनु (तेनमोजि राजरत्नम) आगे बढ़ी। उसने राजीव के पैर छुए और झुकते हुए कमर पर बंधे विस्फोटकों में ब्लास्ट कर दिया। धमाका इतना जबर्दस्त था कि कई लोगों के चीथड़े उड़ गए। राजीव और हमलावर धनु समेत 16 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 45 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

सरकार ने हटाई प्याज निर्यात से बैन, 40% लगेगी एक्सपोर्ट ड्यूटी

NEW DELHI : सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट से बैन हटा दी है। इसके लिए मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस (एमईपी) 550 डॉलर यानी करीब 45,800 रुपये प्रति मीट्रिक टन तय की गई है। यानी जो प्याज एक्सपोर्ट किया जाएगा, उसकी कीमत न्यूनतम कीमत 45,800 रुपए प्रति मीट्रिक टन होगी। यह आदेश 4 मई से ही लागू हो गया है और अगले आदेश तक मान्य रहेगा। इसके अलावा सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने का भी फैसला लिया है। बता दें कि पिछले साल दिसंबर में जब प्याज की कीमत 70 से 80 रुपये पहुंच गई थी, तब सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट पर बैन लगा दी थी। पिछले साल दिसंबर में सरकार ने 31 मार्च 2024 तक प्याज के निर्यात पर रोक लगा दी थी, लेकिन उसके बाद देशों के अनुरोध के आधार पर इसके शिपमेंट की अनुमति दी गई थी। इसके बाद पिछले महीने ही सरकार ने अगले आदेश तक प्याज के एक्सपोर्ट बैन को बढ़ा दी थी। एक्सपोर्ट बैन बढ़ने के बाद से व्यापारी और किसान, खास तौर पर महाराष्ट्र के किसान एक्सपोर्ट बैन हटाने का आग्रह कर रहे थे।

दुस्साहस : पुंछ में दो वाहनों पर चलाई गोलियां

कश्मीर में आतंकी हमला एयरफोर्स के 5 जवान घायल

AGENCY SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शनिवार 4 मई को आतंकी हमले में एयरफोर्स के 5 जवान घायल हो गए। पुंछ के सुरनकोट गांव में सुरक्षाबलों दो वाहनों पर आतंकियों ने भारी फायरिंग की। घटना की जानकारी मिलते ही आर्मी और पुलिस टीम भी मौके पर पहुंचीं। सेना के सूत्रों के मुताबिक, अभी तक किसी नुकसान और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बता दें कि सुरनकोट में 21 दिसंबर को सेना के काफिले पर आतंकियों ने हमला किया था। इसमें 5 जवान शहीद हो गए थे। वारदात को 4 आतंकियों ने अंजाम दिया था। आतंकियों ने अमेरिकी एम-4 कार्बाइन असॉल्ट राइफल से स्टील बुलेट फायर की थीं। ये स्टील बुलेट सेना के वाहनों की मोटी लोहे की चादर को पार करते हुए जवानों को लगीं। पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पैफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकियों ने सोशल मीडिया पर हमले वाली जगह की तस्वीरें भी जारी कीं, जिसमें एम-4 राइफल के इस्तेमाल का दावा किया गया।

- घटना के तुरंत बाद आर्मी और पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची
- सुरनकोट में दिसंबर में भी हुआ था अटैक, पांच जवान हुए थे शहीद

घुमक्कड़ की पाती

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

ब्रह्मा, विष्णु और महेश का घर मणिमहेश

हिमाचल हमेशा से ही मेरी सबसे पसंदीदा जगहों में रहा है। खासकर यहां की दूरदराज स्थित घाटियां और उसमें बसे गांव तो मुझे सदैव ही अच्छे लगे हैं। यही कारण है कि जब कभी भी घूमने का मन करता, अपना बैगपैक पीठ पर उठाता और बिना ज्यादा कुछ सोचे समझे ही हिमाचल के किसी गांव की तरफ निकल पड़ता। मेरी मणिमहेश झील यात्रा का प्लान भी कुछ ऐसे ही बना था। बस झील देखने का मन हुआ और निकल पड़ा।

आपको बता दूं कि मणिमहेश का अर्थ होता है शिव का आभूषण और किंवदंतियों में इस झील की उत्पत्ति से जुड़े कई लोककथायें प्रचलित हैं। ऐसी ही एक पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव ने देवी पार्वती से शादी करने के बाद झील का निर्माण किया था। यह भी माना जाता है कि यदि इस जगह पर हिमस्खलन या बफानीं तूफान होता है, तो यह भगवान शिव के क्रोध के कारण होता है।

इसी तरह एक और पौराणिक कथा के अनुसार ब्रह्मांड के तीनों देवता यानी कि ब्रह्मा, विष्णु और शिव का यहीं पर निवास स्थान है। मान्यता है, कि शिव का स्वर्ग मणिमहेश, विष्णु का स्वर्ग धन्चो के पास स्थित झरना और ब्रह्मा का स्वर्ग भरमौर के पास स्थित एक टीला है।

यह झील हिंदू आस्था में मानसरोवर झील के समतुल्य महत्व रखती है।

खैर, कुल मिलाकर इस जगह के बारे में जानकर मुझे अच्छा लगा और इसे और जानने की उत्सुकता का ही नतीजा था कि दिल्ली से बस पकड़कर शिमला पहुंचा और फिर चंबा। मेरे लिए यहां तक की यात्रा जितनी सहज थी इससे ऊपर की यात्रा उतनी ही दुर्गम और सच कहूं तो यही दुर्गमता ही है जो मणिमहेश झील को देश-दुनिया की बाकी जगहों से अलग और खूबसूरत बनाती है।

मणिमहेश झील समुद्र तल से लगभग 4000 मीटर की ऊंचाई पर चंबा जिले के भरमौर क्षेत्र में स्थित है। इस झील के पास जाने के लिए सैलानियों को 13 किलोमीटर की दूरी पैदल चलकर तय करनी पड़ती है। समुद्र तल से अत्यधिक ऊंचाई के कारण सर्दियों के मौसम में यहां पर भारी बर्फबारी होती है और मणिमहेश की यात्रा बंद रहती है।

गर्मियों का मौसम इस जगह पर जाने के लिए काफी अनुकूल होता है और ज्यादातर लोग इसी दौरान यात्रा करना पसंद करते हैं पर सर्द में भी इस जगह पर जाना लोग पसंद करते हैं। यह एक तीर्थ स्थल के रूप में काफी प्रसिद्ध है जिसकी वजह से इस जगह पर ज्यादातर लोग अपने मन में भक्ति का भाव लिये हुये आते हैं। यहां पर भादो के महीना में कृष्ण अष्टमी के दौरान एक भारी सा मेला लगता है और मणिमहेश के

यह झील सनातन आस्था में मानसरोवर झील के समतुल्य महत्व रखती है।

लिए यात्रा निकाली जाती है। मेला के दौरान काफी तीर्थयात्री आते हैं, क्योंकि इस मेला की वजह से यात्रा में विशेष सहूलियत मिल जाती है।

सहूलियत की बात से याद आया कि इस जगह की यात्रा में मौसम के साथ-साथ कई अन्य तरह की चुनौतियां भी आती हैं जिसका सामना आपको करना ही पड़ता है। मैं एक यात्री के तौर पर पहले से तैयार रहता और अपना बैगपैक लेकर चलता हूं इसलिए आपको भी मणिमहेश घूमने जाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

यात्रा पर निकलने से पहले अपने साथ गर्म कपड़े, भोजन एवं पानी अवश्य रख ले। क्योंकि यहां काफी ज्यादा ठंड पड़ती हैं और आसपास कोई खाने पीने की व्यवस्था देखने को नहीं मिलती। यह ट्रेक काफी कठिन और चुनौतियों से भरा हुआ है इसलिए ट्रेकिंग के समय आप कभी भी अकेले ना निकले, अपने साथी या ट्रैकिंग गार्ड के साथ ही निकले। मणिमहेश झील यात्रा के लिए तभी निकले जब आप पूर्ण रुप से फिजिकली एवं मेंटली फिट हो, वरना यहां की यात्रा ना करें क्योंकि आपको काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

यह जगह जन्माष्टमी और शिवरात्रि जैसे पर्वों से भी जुड़ी हुई है। मान्यता है कि जिस दिन भगवान विष्णु इस स्थान पर निवास करते है उस दिन जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है और जब भगवान शिव फिर से मणिमहेश लौटते हैं, तब उस दिन शिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। इसलिए मणिमहेश आने वाला हर सैलानी कम से कम एक बार इस पर्वत को देखने की चाह रखता ही रखता है।

मणिमहेश झील के मुख्य पर्यटन स्थल की बात की जाए तो लक्ष्मी नारायण मंदिर, चमेरा झील, अखंड चंडी महल, मणिमहेश यात्रा और मणिमहेश शिखर है।

हमने तय किया कि सबसे पहले हम लक्ष्मी नारायण मंदिर जाएंगे, क्योंकि यह मंदिर क्षेत्र के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। इस मंदिर के अंदर भगवान विष्णु और भगवान शिव की बहुत ही सुंदर और आकर्षक मूर्ति है। मैंने इस जगह पर थोड़ा सा समय यहां के प्राकृतिक वातावरण के बीच बिताया और फिर बोटिंग का आनंद लेने में समय लगाया और आगे निकल पड़े।

जिन लोगों ने मणिमहेश का नाम सुना होगा वह मणिमहेश यात्रा के बारे में पहले से ही जानते होंगे। यह यात्रा हर साल अक्टूबर और सितंबर के महीने में आयोजित की जाती है जिसमें हजारों लोग शामिल होते हैं। जिस तरह से यह पूरा क्षेत्र शिव को समर्पित है उसी तरह से यह भव्य और विशाल यात्रा भी भगवान शिव के लिए की जाती है। इस अवसर पर हजारों तीर्थ यात्री मणिमहेश झील की यात्रा करते हैं और पवित्र जल में डुबकी लगाते है।

मणिमहेश झील में डुबकी लगाने के बाद लोग मणिमहेश शिखर जाना पसंद करते हैं। यह जगह आध्यात्मिकता के अलावा, ट्रेकिंग के लिए भी जाना जाता है और जो लोग ट्रेकिंग पसंद करते हैं वे इस जगह पर जाते ही जाते हैं। मणिमहेश चोटी की ओर जाते समय पहाड़ चढ़ने की चुनौती जगह-जगह आती और कई बार मन में साहसिक अनुभव की अनुभूति होती है। यदि आपको ट्रेकिंग का पूर्व अनुभव नहीं है तो ट्रेक शुरू करने से पहले उचित मार्गदर्शन जरूर ले लें। यहां पहुंच कर आप एक अलग आकर्षण में बंध जाएंगे और लौटने के बाद भी आपके भीतर एक अलग ऊर्जा का एहसास रहेगा।

कविता

प्रेम पत्र

नरेश अग्रवाल

उस अलमारी के बारे में
बच्चों को इतना ही पता
इसमें केवल कागजात भरे हुए
धन दौलत तो बिल्कुल नहीं

लेकिन इस पर ताला बंद
और यह इतनी भारी
अनाज के बोरे की तरह
खिसकाना तक मुश्किल

जब सारी जमीन जायदाद
कर दी गयी हमारे नाम
फिर इनमें कौन से कागजात
एक भाई ने पूछा दूसरे से
जो दिमाग पर जोर डालकर भी
उत्तर न दे सका

पिता के मरते ही
यह ताला तोड़ा गया

सभी की उत्सुकता के बीच
इसमें से पहले
आसमान निकला
फिर चांद और बारी-बारी से
असंख्य तारे
फूल भी निकले
जिनकी खुशबू
चारों ओर फैल गई

अचानक दो हाथ बाहर आये
किसी युवती के
गोरे और मुलायम
हर अंगुली में अंगूठी पहने
जिन्होंने थाम लिया बच्चों को
प्रवेश कर गए उनके हृदय में

इसके बाद गिरते रहे
पत्र लगातार
पतझड़ के पत्तों की तरह
इनकी बारिश होती गई
कोई रोक न सका वेग

ये सारे दीवार पर टंगी
पिता की तस्वीर से
चिपक कर
इस तरह विलीन हुए
जैसे इनको होना था
उन्हीं के पास

बच्चे खुश थे
पिता के प्रेम को
आजादी दिला कर।

पेंटिंग

सोनाक्षी गुप्ता
क्लास :10वीं
स्थान : गोरखपुर
(उत्तर प्रदेश)

व्यंग्य-बर्बरीक

'कुविता में कविता'

दिलीप कुमार

'जुड़ती है सड़क एक सड़क से
बासी रोटी ने महका रखा है घर को
मैं कौन, निश्चित मैं मौन हूं
टूटी हैं बेड़ियां, लड़कर थकी नहीं,
सड़क का कूड़ा, समय से लड़ती कूची
दिमाग का दही बनाती है कविता'
जी नहीं अंतिम लाइन कोई स्टेटमेंट नहीं है, अलबत्ता कविता का ही हिस्सा है। आजकल कुछ कविताएं खुद कहती हैं कि मैं आपके दिमाग का दही कर दूंगी,
कविता पढ़कर आपको ये कहने की तकलीफ नही करनी पड़ेगी।
ऊपर जो कविता आपने पढ़ी, उस कविता को किसी अकादमी का पुरस्कार मिला है।
'क्या कहा आपने, वो कविता है क्या?'
'जी हां खालिस कविता ही है प्रभु, आईएसआई मार्का। अगर आईएसआई मार्का से आपको एतराज है तो इसको एगमार्क मार्का कर देते हैं। अरे आप शुद्ध शाकाहारी हैं और एगमार्क के मार्क में आपको एग होने से एतराज है तो फिर इसको आप किसी भी शुद्ध-स्वदेशी हर्बल टाइप के मार्क का समझ सकते हैं। क्योंकि हर्बल,ऑर्गेनिक के मार्के के नीचे आजकल बहुत कुछ -छुप जाता है। यकीन ना हो तो बताऊं, चिट्ठी लिखकर या चिट्ठी बम फोड़कर।'
'क्या कह रहे हैं कि इस कविता में कविता जैसा कुछ नहीं है?'
'अरे हुजुरेवाला, ये क्या सितम नाजिल कर रहे हैं आप। कविता में कविता होना किस संविधान में लिखा है। अरे जब सियासत से रहनुमाई, दीन से ईमान, इश्क से जुनून, प्रेम से निष्ठा,शेर से वजन, कहानी से किस्सागोई गायब हुई तब आपको कुछ अजीब ना लगा, अब अगर कविता से कविता गायब हो गयी तो कौन सी आफत आ गयी।'
'ऐसी कविता कोई बड़ा कवि नहीं लिखता ,ऐसा लिखकर कोई बड़ा कवि नहीं बन सकता, ऐसी कविताओं का ना तो कोई औचित्य है ना भविष्य।'
'प्रभु, आपके चरण कहां हैं?
लगता है चंकी पांडे पर लिखी कविता नहीं पढ़ी आपने,वरना इतनी भोली बातें ना करते।
ऐसी ही एक कविता को हिंदी के शीर्षस्थ आलोचक ने एक बड़े पुरस्कार के लिये चुना था। लोगों ने आपकी तरह ही कविता में कविता होने का मुद्दा उठाया तो उन्होंने अपने निर्णय का बचाव नहीं बल्कि बखान करते हुए कहा था कि उनके द्वारा पुरस्कार हेतु चुनी गयी कविता पाठकों और श्रोताओं पर मन्त्र सा प्रभाव पैदा करती है। आपकी तरह ही भोले,सरल काव्य प्रेमियों ने इस कविता को कई-कई बार सुना अपनी साहित्यिक क्षुधा को शांत करने के लिये। ये और बात है कि बाद में वो लोग अनिद्रा,सरदर्द और कब्ज की शिकायत से पीड़ित पाये गए, लेकिन यही सब तो आधुनिक कविता के रिटर्न गिफ्ट हैं।'
'रिटर्न गिफ्ट हैं या कोई गिफ्ट भी है ,ये भी तो पता चले।'
'हां ये आपका वाजिब सवाल है। इसके गिफ्ट ही गिफ्ट हैं। ऐसी कविताई से सबसे पहले आप 'युवा तुर्क' की संज्ञा पाते हैं। फेलोशिप की शुरूआत इन्ही कविताओं से होती है।आप दो-तीन सत्र की एडहॉक की नौकरी किसी डिग्री कालेज में पा सकते हैं बिना गाइड की सब्जी-भाजी खरीदने की तकलीफ उठाये हुए। मान लीजिये आप अस्थाई बेरोजगारी से पीड़ित हैं और किसी साहित्यिक संस्थान में लेटर डिस्पैच वगैरह का काम कर रहे हों तो ऐसी उत्तर आधुनिक कविताएं लिखने से आपके प्रूफ रीडर से सहायक सम्पादक बनने का हाइवे बन जाता है। जिस संस्थान में आप आगन्तुकों को माला पहनाते थे वहां खुद मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाये जाने लगेंगे। और भी बहुत से लाभ हैं जो आपको इस विशेष कविताई के समंदर में उतरने पर पता चलेंगे, जैसे कि काफी हाउस जैसी जगहों पर आप जाने से हिचकिचाते हों कि अव्वल तो काफी हाउस में काफी नहीं रही और काफी के नाम पर जो पेय पदार्थ आपको मिलते हैं उन पर आप अपनी जी तोड़ मेहनत की कमाई खर्च करना अफोर्ड नहीं कर सकते, तो फिक्र ना करें इस अति आधुनकि कविता के समंदर के यही तो मोती हैं कि आप बस ऐसी कविताएं कहने और सुनने की आदत डाल लें तो आपको अक्सर 'हॉट काफी विद ट्रेन्डिंग कविता'
जैसे किसी प्रोग्राम में काफी हाउस के बजाय किसी पब में बुलाया जाए और फिर आपको तरल और गरल दोनों प्राप्त हों।'
'हुंह, ऐसी कविता पर तरल और गरल दोनों मिलेंगे, अलबत्ता ऐसी कविता कही और सुनी तो साथ की गर्ल भी नाराज होकर कहीं चली जायेगी।'
'ना, ना आपकी निश्छलता बिल्कुल पप्पू टाइप की है। कोई गर्ल कहीं नहीं जाएगी और क्यों जाएगी?
वे भी तो ऐसी कविताएं कहती-सुनती हैं। उन्हें भी तो भोज और पेय पदार्थों की आवश्यकता होती है, अपनी-अपनी रुचियों के अनुसार।
अलबत्ता कई बार तो वो भी अपने घर से खाने का सामान लाती हैं, कुछ समय पूर्व एक कवियत्री ने अपने काव्य पाठ के सफलता से पूरे होने पर सौ कबाबों का वितरण किया था, मेरे भी हिस्से में दस कबाब आये थे। अभी तक लार टपक जाती है उन कबाबों के बारे में सोचकर। भगवान उस कवयित्री को शतायु करें, वो हजारों कविताएं लिखे और लाखों कबाब बांटे।'
'ऐसा कोई अपवाद रहा होगा ,वरना कौन खुद की कविता भी सुनाता है और कबाब भी खिलाता है। ऐसा होता है क्या भला?'
'आप की जिज्ञासा पर हंसी भी आती है और सिर पीटने का भी मन करता है। अरे हिंदी के बहुतेरे कवि किसी फाइव स्टार होटल में तभी जा पाए हैं जब किसी बड़े अफसर टाइप की पुस्तक का विमोचन या काव्य चर्चा वहां हुई हो।
नेपाल जाने की भी महंगाई ना अफोर्ड कर पाने वाले लोग चार- चार बार काव्य पाठ विदेशों में कर आये हैं। हाई स्कूल में ग्रेस मार्क से हिंदी में पास होने वाले लोग ऐसे ही (कुख्यात या विख्यात अपनी सुविधानुसार समझें) अपनी कुविता के बूते पर आलोचना में जाते हैं और तमाम मानद उपाधियों से विभूषित होते हैं और तमाम कमेटियों में मानदेय वाली मीटिंगों में अक्सर पाये जाते हैं।'
'लेकिन इस सबसे कुछ खास हासिल नहीं, फेसबुक पर ही तो पूरा साहित्यिक परिदृश्य थोड़े ही ना उपस्थित है, इसे लोग गंभीरता से नहीं लेते।'
'ये आपसे किसने कहा कि फेसबुक आदि की कविताओं को लोग गम्भीरता से नहीं लेते। ना जाने कितने कामरेडों ने फेसबुक पर कविता से क्रांति करके अपने बच्चों को तमाम हिंदी पोषित परियोजनाओं में सेट कर दिया। तमाम नेत्रियों और पुरुष लेखकाओं ने कविताई करके एक डेढ़ लाख से अधिक के फॉलोवर बना लिये। मुंबई में ये फैन फॉलोइंग बनाने के लिए इवेंट मैनेजमेंट कम्पनियां लाखों रुपये ले लेती हैं ।कविता विथ किटी पार्टी चलाने एक मोहतरमा ने तो अपने डूबते व्यापार को बचा लिया अब हथकरघा विभाग के कवि सम्मेलनों में मानदेय भी लेती हैं और कविता के बूते बने सम्पर्कों पर हथकरघा विभाग से अच्छा-खासा अनुदान भी लेती हैं, अक्सर फेसबुक पर उनकी फोटो आती है जिसमें वो गरीब बच्चियों के उन्नयन हेतु कविताएं लिखकर अब हथकरघा के जरिये जिंदगी बदलेंगी।'
'कविता का हथकरघा से क्या सम्बन्ध ,कविता का अनुभव हथकरघा में कैसे काम आ सकता है?'
'यही तो चमत्कार है आधुनिक कविता का,यहां एक अति प्रतिष्ठित कविता के अवार्ड का चयन ऐसा व्यक्ति कर सकता है जिसका कविता से दूर-दूर तक नाता नहीं रहा, जो सदैव पत्रकार रहा है, तो फिर कविता से हथकरघा में जाने पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिये, बिके तो कविता बेचो, नहीं तो हथकरघा के उत्पाद, मगर कुछ ना कुछ बेचो जरूर। देखा ना कविता के प्लेटफॉर्म पर क्या-क्या बिकता है।'
'वो सब तो ठीक है लेकिन उसके लाखों वाले कोई पुरस्कार ऐसी कविता पर नहीं मिलते होंगे, उसके लिये दिनकर जी या बच्चन जी जैसी कालजयी कविताएं लिखनी पड़ती होंगी।'
'अरे भाई जिस तरह भारत सपेरों के देश की छवि को तोड़कर आगे बढ़ चुका है, उसी तरह हिंदी की कविता जिसे तुम कुविता कहते हो, वो भी इससे बहुत आगे बढ़ चुकी है, अब की कालजयी कविताएं इस तरह होती हैं
'पटक, नोच, मार,
कीचड़ खूब उछाल
कीच को खींच
भर दिमाग में गलीज
कूड़ा पढ़कर कर सर्जन
उससे बड़े मानसिक कूड़े का कर उत्सर्जन'
'वाह क्या कविता है ,इसे कौन सा अवार्ड मिल सकता है?'
'बड़े से बड़ा, ये नौकरी भी दिलाएगा, वो भी परमानेंट वाली। एक बार इस कविता के जरिये नौकरी में घुस जाओ, फिर उम्र भर कुविता करते रहना, क्योंकि जब तक तुम जियोगे तब तक तुम्हे इस सवाल का सामना नहीं करना पड़ेगा कि कविता मानसिक उत्पादन है या मानसिक उत्सर्जन।'
'फिर भी इस कविता को कौन सा अवार्ड मिल सकता है?'
'...वगैरह, वगैरह टाइप के अवार्ड।
'स्कौन सा अवार्ड ,सुन नहीं पाया?'
मैंने फिर उस अवार्ड का नाम दुहराया लेकिन पाठक फिर नहीं सुन सका, क्योंकि इस बीच एक सिरफिरा आशिक बड़े ही जोर-जोर से गा रहा है -
'मैं कहीं कवि ना बन जाऊं तेरे प्यार में ए कविता।'
अब आप ही तय करें कि आप संगीतमयी कविता सुनेंगे या अवार्ड वाली कुविता?

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

13 को धनबाद में चुनावी सभा करेंगी प्रियंका गांधी

RANCHI : कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी वाड्रा 13 मई को झारखंड के धनबाद जिले के बाघमारा पहुंचेंगी। वह इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में माथाबांध में चुनावी सभा को संबोधित करेंगी। उनके साथ कांग्रेस, झामुमो, राजद व अन्य सहयोगी दलों के नेता मंच साझा करेंगे। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने दी। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने बताया कि धनबाद से कांग्रेस की अनुपमा सिंह और गिरिडीह से झामुमो के मथुरा प्रसाद महतो मैदान में हैं। प्रियंका के चुनावी दौरे के मद्देनजर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

झारखंड में 18577 आर्म्स लाइसेंस में 897 कैंसिल

RANCHI : लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लागू होने के बाद राज्य में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए आर्म्स लाइसेंस को जमा करवाया जाता है। इलेक्शन कमिशन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में 18577 आर्म्स लाइसेंस है। जिसमें 14204 लाइसेंस धारकों ने अपना लाइसेंस जमा कराया है। वहीं 897 हथियारों के मालिकों ने लाइसेंस का सत्यापन नहीं कराया, उनका लॉ एंड ऑर्डर के द्वारा लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई की गई है। साथ ही 35 लाइसेंस को जब्त भी किया गया है। वहीं 1491 लाइसेंसधारियों को विशेष परिस्थिति पर छूट दी गई है। आर्म्स लाइसेंस से जुड़ें 1950 मामले विभिन्न जिला में पेंडिंग है। गिरिडीह जिला में 921 में 270 हथियारों के मालिकों का लाइसेंस रद्द किया गया है। लोहरदगा में 675 में से 229 लाइसेंस को रद्द किया गया है। वहीं बोकारो से 1136 में से 159 लाइसेंस को रद्द किया गया है।

सीआईडी में पदस्थापित 105 पुलिसकर्मी गढ़वा जिला बल में प्रतिनियुक्त

RANCHI : लोकसभा चुनाव 2024 के चौथा चरण को लेकर सीआईडी में पदस्थापित 105 पुलिसकर्मियों को गढ़वा जिला बल में प्रतिनियुक्त किया गया है। इसको लेकर सीआईडी मुख्यालय ने आदेश जारी कर दी है। जारी आदेश में कहा गया है कि सीआईडी इकाई से सशस्त्र बल के रूप में 105 पुलिसकर्मियों की प्रतिनियुक्ति चुनाव ड्यूटी के लिए गढ़वा जिला बल में करने का आदेश प्राप्त हुआ है। 13 मई को होने वाले चौथे चरण के लोकसभा चुनाव ड्यूटी के लिए गढ़वा जिला बल में 105 पुलिसकर्मियों को प्रतिनियुक्त किया जाता है। सभी हवलदार और आरक्षियों को आदेश दिया जाता है कि आठ मई को गढ़वा जिला बल में योगदान देना सुनिश्चित करेंगे।

पूर्व विधायक बसंत कुमार लोंगा 6 वर्ष के लिए सस्पेंड

RANCHI : गठबंधन को दरकिनार कर चुनाव लड़ रहे बसंत कुमार लोंगा पर जेएमएम ने कार्रवाई की है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय के हस्ताक्षर से जारी पत्र में पूर्व विधायक बसंत लोंगा को सभी पदों से पदमुक्त करने के साथ ही प्राथमिक सदस्यता से छः वर्षों के लिए निष्कासित किया गया है। लोकसभा चुनाव में जेएमएम में बागियों की संख्या बढ़ी है। सीता सोरेन, चमरा लिंडा, लोबिन हेंब्रम की घोषणा के बाद चौथे बागी के रूप में पूर्व विधायक बसंत कुमार लोंगा सामने आये हैं। जो इंडी गठबंधन को ताक पर रख कर खूंटी लोकसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इंडी गठबंधन के तहत खूंटी लोकसभा कांग्रेस के हिस्से में हैं। कांग्रेस ने यहां से कालीचरण मुंडा को उम्मीदवार बनाया है।

30 जून 2004 को नाबालिग को उसके घर से बहला-फुसलाकर साथ ले गया था आरोपी

अभिभावक की सहमति के बिना नाबालिग को ले जाना अपहरण के समान : हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है कि एक नाबालिग लड़की को अलग-अलग स्थानों पर ले जाना प्रलोभन है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय दंड संहिता की धारा 363 के तहत अपहरण के लिए दोषी ठहराया जाएगा। नाबालिग को उसके अभिभावकों की सहमति के बिना ले जाना या फुसलाना अपहरण के समान होगा। यह फैसला एक आपराधिक अपील में आया है, जिसमें आईपीसी की धारा 366ए के तहत अपीलकर्ताओं को दोषी ठहराने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई थी। पीड़िता की मां द्वारा दर्ज की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के मुताबिक, उनकी 15 वर्षीय बेटी को उनके पड़ोसी सकिन्दर बैठा बहला-फुसलाकर 30 जून 2004 की सुबह 4 बजे अपने साथ ले गया। कई प्रयास के बावजूद उसका पता नहीं लगाया जा सका। सामाजिक दबाव के कारण उसे वापस लौटाया गया। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट में इस बात के साक्ष्य प्रस्तुत किये गये कि पीड़ित लड़की घटना के समय 18 वर्ष से कम थी और इसलिए उसकी सहमति महत्वहीन होगी। एक व्यक्ति जो 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी नाबालिग को उसके अभिभावक की सहमति के बिना ले जाता है या फुसलाकर ले जाता है तो अपहरण माना जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बेल याचिका पर ईडी कोर्ट 10 मई को सुनाएगा फैसला

PHOTON NEWS RANCHI : जमीन घोटाले मामले के आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान हेमंत सोरेन (बचाव पक्ष) और ईडी की ओर से कोर्ट में लिखित बहस जमा किया गया। शनिवार को सुनवाई के बाद अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया। अदालत ने सुरक्षित आदेश पर 10 मई को फैसला की तिथि निर्धारित की है।

इससे पूर्व गत 30 अप्रैल को हेमंत सोरेन की जमानत पर दोनों पक्षों की ओर से लगभग एक घंटे से ज्यादा समय तक बहस हुई

थी। बहस के दौरान एक तरफ बचाव पक्ष की ओर से हेमंत सोरेन को जमानत देने के लिए दलीलें पेश की गयी। वहीं दूसरी तरफ ईडी की ओर से उनकी दलीलों का पुरजोर विरोध किया गया।

जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिवक्ता के माध्यम से 15 अप्रैल को जमानत याचिका दाखिल की है। इस केस के प्रमुख आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं। हेमंत सोरेन को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 30 जनवरी की रात इस्तीफा देने के बाद गिरफ्तार कर लिया था। मामले में अफसर अली, अंतू तिर्की, प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह और इरशाद को भी ईडी ने गिरफ्तार किया है। मामले में ईडी की ओर से चार्जशीट भी दाखिल का चुका है।

जेपीएससी प्रथम नियुक्ति परीक्षा में गड़बड़ी मामले पर सीबीआई ने दाखिल की चार्जशीट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की प्रथम नियुक्ति परीक्षा में गड़बड़ी मामले में सीबीआई ने शनिवार को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में दायर चार्टशीट में कुल 37 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ दिलीप प्रसाद , वरीय सदस्य गोपाल प्रसाद सिंह, सदस्य शांति देवी, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी, राधा गोविंद नागेश सहित अन्य पदाधिकारी के नाम शामिल हैं, जो वर्तमान में कहीं ना कहीं राज्य के जिलों में पदस्थापित हैं। इस मामले की सीबीआई जांच 12 साल से अधिक समय से चल रही है लेकिन यह अभी तक पूरी नहीं

हुई। इसे लेकर झारखंड हाई कोर्ट में कई बार सुनवाई भी हुई है। अदालत ने जांच में हो रही देरी को लेकर सीबीआई से जवाब तलब भी किया था। हालांकि, जांच एजेंसी पहले मामले की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर चुकी है।

उल्लेखनीय है कि प्रथम और द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सामने आया था। इस मामले को लेकर झारखंड हाई कोर्ट ने 2012 को सीबीआई जांच का आदेश दिया था। इसके बाद परीक्षा में नियुक्त पदाधिकारियों के वेतनमान पर रोक लगा दिया गया था। बाद में हाई कोर्ट के इस फैसले को चुनौती दी गयी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए इस फैसले को पलट दिया। कुछ दिन पूर्व झारखंड हाई कोर्ट की खंडपीठ ने इस मामले को दूसरे सक्षम बेंच में भेजने का निर्देश दिया था। बुद्धदेव उरांव की ओर से दायर जनहित याचिका में अप्रैल में हुई सुनवाई के दौरान बताया गया कि 12 साल से अधिक बीत जाने के बाद भी सीबीआई ने जांच प्रक्रिया पूरी नहीं की और ना ही इस मामले में आरोप पत्र दायर किया है। इस पर सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि गड़बड़ी मामले की जांच अब तक जारी है।

आयकर रिटर्न नहीं भरने के मामले में राजेश कोड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 8 मई को

PHOTON NEWS RANCHI : अपर न्याययुक्त पीके शर्मा की अदालत में आयकर रिटर्न नहीं भरने के एक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के भाई राजेश कोड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर शनिवार को सुनवाई हुई। अदालत ने मामले में सुनवाई के लिए अगली तिथि आठ मई निर्धारित की है। इससे पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय की मांग की गयी थी। मामले में अदालत ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को जवाब दाखिल करने के लिए एक और मौका दिया था। राजेश कोड़ा की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र कुमार ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि राजेश कोड़ा पर आयकर रिटर्न नहीं भरने का आरोप लगा है।

दुमका से बीजेपी उम्मीदवार ने एक्स पर पोस्ट कर किया तीखा हमला

जेएमएम ने दिशोम गुरु को किया दरकिनार बगिया भी उजाड़ कर फेंकी : सीता सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : दुमका से बीजेपी उम्मीदवार सीता सोरेन ने झामुमो पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा है कि जेएमएम द्वारा झारखंड आंदोलन के एक मजबूत सिपाही, राजनीति के भीष्म पितामह, हमारे दुखहर्ता और पालनकर्ता आदरणीय बाबा जी का जो अपमान किया जा रहा है, उससे झारखंड का कोई भी गांव अछूता नहीं है। झामुमो सुप्रीमो की तबीयत खराब होने के बावजूद जेएमएम के मुखौटे में बैठे सत्ता की लालसा लिए शीर्ष नेताओं ने उलगुलान के नाम पर अपने स्वार्थ के लिए उनको कभी चिलचिलाती धूप में बैठाया तो कभी उन्हें संसद ले गये। यही नहीं परमपूज्य दिशोम गुरु जी को निर्णय लेने वाली समिति से भी दरकिनार किया गया। सीता सोरेन ने कहा कि जिन्होंने अपने खून पसीने से जेएमएम पार्टी रूपी वृक्ष को सींचा और खड़ा किया, आज उसी पार्टी ने बाबा जी (शिबू सोरेन) के संघर्षों को भुला दिया

- उलगुलान के नाम पर अपने स्वार्थ के लिए उनको चिलचिलाती धूप में बैठाया
- गंदी और तुच्छ राजनीति कर रहा झामुमो
- बाबा के कदमों की धूल को अपने माथे में लगाकर सेवा करने का लिया है संकल्प

मेरे लिए राजनीति के द्रोणाचार्य हैं बाबा

दुमका प्रत्याशी ने आगे लिखा है कि दुर्गा सोरेन जी के देहावसान के बाद मुझे और मेरी बेटियों को जब मेरे ही परिवार ने दरकिनार किया, तब मुझ जैसे अबोध का बाबा जी ही एकमात्र सहारा बने रहे, उनके संरक्षण में मैंने राजनीति का क, ख, ग, घङसीखा है, मेरी बेटियों ने अपने बाबा जी उंगली पकड़कर चलना और अपने पैरों पर खड़ा होना सीखा। पूज्यनीय ससुर होने के साथ-साथ बाबा जी मेरे लिए राजनीति के द्रोणाचार्य हैं, जिनका अपमान करना मेरे लिए खुद के अस्तित्व पर सवाल खड़ा करना है। लेकिन अब जब जेएमएम के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है तो वह गंदी और तुच्छ राजनीति को जनता के सामने परोसने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे गुरुजी, मेरे पितातुल्य बाबा जी के नाम पर राजनीति करने वालों, उनका अनादर करने वालों उनके बिगड़ते स्वास्थ्य का भी तनिक ख्याल कर लो, सिर्फ सत्ता की राजनीति करने से आपको सत्ता तो जरूर मिल सकती है। लेकिन ऐसी तुच्छ राजनीति से दिशोम गुरुजी जैसी कोमलता, मृदुलता, उपलब्धि और महारत कदापि नहीं मिलेगी।

बंजर बनाकर छोड़ दिया गया। ऐसे संस्कारहीन, नैतिकता की सारी हदें पार करने वाले जेएमएम के नेता आज खुद को बगिया का मालिक समझने की भूल कर बैठे हैं।

एटीएस ने की कार्रवाई, दो पिस्टल, 21 गोलियां, एक बाइक व दो मोबाइल बरामद

गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के 3 अपराधी गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में विकास कुमार, गुलशन कुमार और माहताब आलम शामिल है। इनके पास से दो देशी पिस्टल, 21 गोलियां, एक बाइक और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। एटीएस के एसपी ऋषभ कुमार झा ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि गैंगस्टर अमन साहू के गिरोह के तीन अपराधी पतरातू के सांकुल एवं जयनगर के आसपास छुपकर रह रहे हैं । एटीएस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम तैयार कर छापेमारी की और तीनों अभ्युक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधी विकास

गिरफ्तार अपराधी।

कुमार ने पूछताछ में बताया कि अपराध में इस्तेमाल पल्सर 220 वाहन उसके साथी इम्तियाज अंसारी के घर में है। पुलिस ने इम्तियाज अंसारी के घर से बाइक को बरामद कर लिया है। आपको बता दें कि इम्तियाज अंसारी भी अमन साहू गैंग का हिस्सा है और फरार है। पुलिस इन अपराधियों की लंबे अरसे से तलाश कर रही थी। इनके खिलाफ फायरिंग के तीन मामले दर्ज है। इन्होंने रांची के ओरमाझी में भारतमाला प्रजेक्ट स्थल में फायरिंग की थी। इन लोगों ने 6 फरवरी, 9 फरवरी और 6 मार्च को फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। 9 फरवरी को इन लोगों ने भरकुण्डा के रहने वाले स्वामी सिद्धांत बाउरी नाम के व्यक्ति के ऊपर भी फायरिंग की थी। इस मामले में भरकुण्डा थाने में मामला भी दर्ज किया गया था। फायरिंग की घटना को लेकर पूर्व में पुलिस ने अमन साहू गैंग के दो अन्य अपराधी राजा अंसारी और मनिन्दर कुमार को गिरफ्तार किया था। आपको बता दें पुलिस ने हाल के दिनों में अमन साहू गैंग के ऊपर लगातार कार्रवाई कर रही है।

नॉमिनेशन करने पहुंचे छात्र नेता देवेंद्रनाथ अरेस्ट

CRIME REPORTER RANCHI : रांची लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल करने पहुंचे झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) के उम्मीदवार देवेंद्रनाथ महतो को पुलिस ने शनिवार को रांची समाहरणालय से गिरफ्तार किया । देवेंद्र महतो गुपचुप तरीके से आदिवासी पारंपरिक पोशाक पहनकर समाहरणालय पहुंचे थे। इस दौरान पहले से ही इंतजार कर रही पुलिस की नजर देवेन्द्र पर पड़ी और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। देवेंद्र नाथ महतो नामांकन दाखिल करने पहुंचे थे लेकिन नामांकन दाखिल करने से पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

रांची समाहरणालय से देवेंद्रनाथ महतो को गिरफ्तार कर ले जाती पुलिस।

दरअसल, 2022 के विधानसभा घेराव केस में देवेंद्रनाथ महतो को गिरफ्तार किया गया है। विधानसभा घेराव मामले में नगड़ी थाने में केस संख्या 48\22 दर्ज हुआ था। इस मामले में देवेंद्रनाथ महतो के अलावा कई अन्य के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। इस केस में पुलिस ने जयराम महतो को भी आरोपी बनाया था। 2022 विधानसभा घेराव मामले में रांची पुलिस को जयराम महतो की भी तलाश थी।

भाजपा के लिए सुदेश महतो की भूमिका अहम, महागठबंधन के कई नामचीन चेहरे एक साथ झोंकेंगे चुनावी ताकत

रांची संसदीय क्षेत्र में कुर्मी वोटर बड़ा फैक्टर

PHOTON NEWS RANCHI : रांची संसदीय क्षेत्र में कुर्मी वोटर बड़ा फैक्टर माना जाता रहा है। इसलिए भाजपा के टिकट से पांच बार रामटहल चौधरी को टिकट मिलता रहा। इन्होंने कई बार रांची सीट से जीत भी हासिल की थी। अब रामटहल चौधरी भाजपा में नहीं हैं। ऐसे में भाजपा के साथी आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो अंदर से भाजपा का साथ दे रहे हैं ताकि कुर्मी वोटर इधर-उधर न हो सके और भाजपा को इसका सीधा लाभ मिल सकेगा। आंकड़ों के अनुसार रांची लोकसभा क्षेत्र में साढ़े तीन लाख आबादी सिर्फ कुर्मी वोटरों की है जबकि यहां मिशनरी और मुस्लिम वोट भी खासा मायने रखते हैं। उधर, लोकसभा

- रांची लोकसभा क्षेत्र में साढ़े तीन लाख आबादी सिर्फ कुर्मी वोटरों की
- कांग्रेस ने यशस्विनी सहाय को दिया है टिकट
- भाजपा ने संजय सेठ को बनाया है उम्मीदवार

संजय सेठ | सुदेश महतो | यशस्विनी सहाय

चुनाव-2024 में रामटहल चौधरी ने टिकट के लिए कांग्रेस का दामन थामा तो वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने उन्हें पाकर खुशी जताई थी लेकिन पलक झपकते राजनीति के माहिर खिलाड़ी सुबोधकांत सहाय ने चुनाव को दिलचस्प मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया। सहाय ने बेटी यशस्विनी सहाय को कांग्रेस से टिकट दिलाकर रांची लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनवा दिया। इस बीच भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ चुनावी मैदान में हैं। रांची सीट भाजपा बनाम इंडिया के बीच दिलचस्प मोड़ पर है लेकिन कुर्मी वोटरों के समर्थन में बड़े चेहरे का अभाव है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि हो न हो अंदर से आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ही रांची सीट की कमान संभाल रहे हैं। कुर्मी वोटरों का लाभ भाजपा को मिले इसके लिए सुदेश महतो चुनावी मैदान में अंदर से गठबंधन के साथी भाजपा का साथ दे रहे हैं। हालांकि, रांची सीट से महागठबंधन के कई नामचीन चेहरे एक साथ चुनावी ताकत झोकेंगे। एक तरफ जहां भाजपा के संजय सेठ रांची लोक सभा सीट से खड़े हैं तो वहीं दूसरी तरफ मुकाबला करने के लिये फिल्ड में यशस्विनी सहाय सहित अन्य नामचीन चेहरे मौजूद हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, आजसू सुप्रिमो सुदेश महतो, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो सहित अन्य बड़े नेता एनडीए को जीत के लिए एकजुट हैं जबकि झामुमो की कल्पना सोरेन, कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित आईएनडीआईए यशस्विनी सहाय को विजयी बनाने के लिए लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं।

झारखंड के 10 जिलों में पारा 40 डिग्री के पार

RANCHI : झारखंड इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। हालांकि, दो दिन पहले तापमान में हल्की गिरावट आई थी, लेकिन अब एक बार फिर तापमान बढ़ने लगा है। प्रदेश के 10 जिलों का तापमान 40 के पार पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने आज झारखंड के पांच जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। जिनमें सराइकेला- खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, पाकुड़ और गोड्डा शामिल है। इन जिलों में तापमान भी 40 डिग्री के आंकड़े को पार कर रहा है। पांच मई को भी राज्य में 11 जिलों में हीट वेव के आसार हैं, जिसे लेकर मौसम विभाग ने पहले ही सतर्क रहने की अपील की है। इनमें सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, साहिबगंज. पाकुड़ और गोड्डा जैसे शहर शामिल हैं। मौसम विभाग का कहना है कि 6 मई को राज्य के उत्तर पूर्वी भाग में बारिश की संभावना है।

फौजिया खान ने रामेश्वर उरांव को लिखा लेटर

पासवा की कार्यकारिणी समिति गठित करने का अनुरोध, सदस्यों की सौंपी सूची

PHOTON NEWS RANCHI : प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) के राष्ट्रीय कार्यालय सचिव फौजिया खान ने संगठन के मुख्य संरक्षक एवं झारखंड सरकार के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव को पत्र प्रेषित कर झारखंड में पासवा की तदर्थ (एडहॉक) कार्यकारिणी समिति का गठन करने का अनुरोध किया है। इस संबंध में फौजिया खान ने प्रस्तावित कमेटी के पदधारियों की सूची भी उन्हें प्रेषित की है। उन्होंने कहा कि है कि पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमाएल अहमद ने झारखंड के पूर्व अध्यक्ष आलोक दुबे की अनुशंसा पर 16 दिसंबर 2023 को राज्य स्तरीय कमेटी को भंग कर दिया था। अभी तक नई राज्य स्तरीय कमेटी का गठन नहीं हो पाया। इससे संगठन का कार्य प्रभावित हो रहा है।

तदर्थ कमेटी की लिस्ट

पासवा झारखंड की तदर्थ कमेटी की सूची, मोहम्मद उस्मान प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, अरविंद कुमार प्रदेश उपाध्यक्ष, मसूद कच्छी प्रदेश महासचिव, तौफीक हुसैन प्रदेश सचिव, कैलाश कुमार प्रदेश संयुक्त सचिव,आलोक विपिन टोप्पो प्रदेश कोषाध्यक्ष, मोजाहिदूल इस्लाम, अमीन अंसारी मीडिया प्रभारी। कार्यकारणी के सदस्य: कैलाश कुमार, डॉ. बीएनपी बर्णवाल, जय वर्मा, सैयद अंसारुल्लाह, सुबोजीत अधिकारी, मजीद आलम, रणधीर कौशिक, विद्या गौतम, प्रवीण प्रकाश सिंह, मुन्ना सिंह एवं गयासुद्दीन अंसारी।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम

कोयलानगरी का लौहनगरी से ऐसा संबंध जुड़ गया है कि अब यह रिश्ता शायद चुनाव परिणाम आने के बाद ही समाप्त हो। छह दिन पहले यूपी से बुलडोजर मंगाने का ऑर्डर देकर अपने चाचा इंतजार कर रहे हैं। उधर, जिन्हें कोयलानगरी वालों ने पहले रिजेक्ट कर दिया था, वह अब भी बने हुए हैं। मतदाता असमंजस में पड़ गए हैं कि वे किसे चुनें। कल तो सड़क पर ताली बजाते और नाचते हुए 'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है...' जैसा गाना और दृश्य मतदाताओं को आह्लादित कर गया।

गिव एंड टेक फार्मूला

अपनी लौहनगरी में ऐसा लग रहा है कि इस बार भी गिव एंड टेक फामूर्ला ही चल रहा है। 'आप मुझे एक दें, हम चार दिला देंगे' की तर्ज पर समझौता हो चुका है। राजनीति के जानकार बताते हैं कि पिछली बार भी यहां ऐसा ही समझौता हुआ था, जो कारगर

भी रहा। एक बड़े लड्डू के बदले चार छोटे लड्डू तोहफे में मिल जाएं तो क्या गलत है। यही कारण है कि लौहनगरी में बड़े नेताओं ने चुनावी डुगडुगी बजाने की जरुरत ही नहीं समझी। ऊपर ही ऊपर टाटा-टाटा... करके उड़ गए।

अखाड़े में दो-दो नारी

कोल्हान की एक लोकसभा सीट पर इस बार दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। कोयलानगरी में एक नारी ने सबकी बोलती बंद कर रही है, जबकि यहां तो दो-दो नारी आमने-सामने अखाड़े में उतर गई हैं। उनके सामने अब कोई पुरुष हाथ आजमाने की बात भी नहीं सोच रहा है। कोरम के लिए एक दर्जन उम्मीदवार बच गए हैं। उन्होंने भी अभी से सोच लिया है कि दोनों नारियों से बचा-खुचा कुछ मिल गया तो विधानसभा में किस्मत आजमाएंगे।

फिर चल रहा बड़ा हथौड़ा

अदालत की चेतावनी पर एक बार फिर शहर में बड़ा हथौड़ा चल रहा है। मजे की बात है कि जो हथौड़ा लेकर अतिक्रमण हटाने जा रहे हैं, सब उन्हीं का किया-धरा है। इन्हें भी अपनी बनाई इमारत पर हथौड़ा चलाने में संकोच हो रहा है। कागज पर न सही, दिल तो गवाही दे ही रहा है कि अपने बनाए घर को कैसे तोड़ें। इसीलिए अदालत को दिखाने लायक छज्जा-सीढ़ी, बालकनी आदि ढहाकर वीडियो शूट कर ले रहे हैं। एक-एक बिल्डिंग पर अब तक कितनी बार हथौड़ा चल चुका है, अब उन्हें भी याद नहीं है।

परसुडीह में असामाजिक तत्वों ने ऑटो में लगा दी आग, खाक

जलाया गया ऑटो • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR:

जमशेदपुर के परसुडीह स्थित कीताडीह में शुक्रवार देर रात असमाजिक तत्वों ने जहांगीर खान के घर के बाहर खड़ी ऑटो में आग लगा दी। जब तक जहांगीर खान को इसकी खबर मिली, तब तक ऑटो जलकर खाक हो चुकी थी। जहांगीर ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जहांगीर ने बताया कि वह भाड़े पर ऑटो चलाता है। ऑटो पड़ोस में ही रहने वाले एक व्यक्ति का है। हर दिन की तरह वह शुक्रवार को भी रात में ऑटो घर के बाहर खड़ी कर अपने घर में सोने के लिए चला गया था। देर रात 2 बजे पड़ोसियों ने सूचना दी कि ऑटो में आग लग गई है। जहांगीर ने बताया कि ऑटो में पेट्रोल छिड़ककर आग लगाई गई है। वहां आसपास और भी ऑटो खड़ी रहती है, जिसमें आग नहीं लगाई गई।

सिर्फ उसके ही ऑटो को आग के हवाले किया गया है। जहांगीर ने बताया कि उसे बस्ती के ही कुछ लोगों पर शक है जो यह काम कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

शहर के दो पूर्व पार्षद भाजपा में हुए शामिल

ROURKELA: शहर के होटल वृन्दावन में भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शहर के दो पूर्व पार्षद शैलेन्द्र मरोठिया और बाबला परीक्षक ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा प्रत्याशी दिलीप राय ने पूर्व पार्षदों बाबला व शैलेन्द्र का भव्य स्वागत किया और कहा कि इनके भाजपा में शामिल होने से पार्टी मजबूत हुई।

कांग्रेस प्रत्याशी ने बंडामुंडा में की बैठक

ROURKELA: राउरकेला विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी बीरेंद्र नाथ पटनायक ने बंडामुंडा आरसी और बंडामुंडा सेक्टर-ए क्षेत्र के निवासियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर बैठक की। इस अवसर पर उनके साथ कांग्रेस महासचिव प्रबोध दास, ब्लॉक अध्यक्ष सर्वेश सिंह, सुनील सिंह,सूदन तांती, बी रीना, सादाब अहमद, श्री नायर, छात्र अध्यक्ष सूर्यकांत बारिक, युवा अध्यक्ष मोतीलाल दीप, गांधी दास, शिबू दीप, सिलू बराल, एमडी इरफान, पप्पू साहू, जावेद अंसारी उपस्थित थे।

बीजू जनता दल में शामिल नेताओं का स्वागत

ROURKELA: बीजू जनता दल के कार्यालय में शनिवार को राउरकेला में चुनाव प्रबंधन संचालन समिति के अध्यक्ष आनंद चंद्र मोहंती की अध्यक्षता में स्वागत कार्यक्रम में राउरकेला मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष, हरियाणा नागरिक संघ के अध्यक्ष, सरस्वती विद्या मंदिर के अध्यक्ष, प्लांटसाइड शिव मंदिर के अध्यक्ष, वैष्णव देवी शनि मंदिर के अध्यक्ष युवा नेता नरेश अग्रवाल, राणाप्रताप अखाड़ा के अध्यक्ष जीतेंद्र अग्रवाल, युवा नेता बजरंग गोयल और नवनिर्वाचित बीजेडी राज्य सचिव प्रशांत शेट्टी का श्रम मंत्री शारदा प्रसाद नायक और पार्टी नेताओं ने स्वागत किया। युवा नेता नरेश अग्रवाल और प्रदेश सचिव प्रशांत शेट्टी ने मुख्यमंत्री के परोपकारी कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता गगन पांडा, सुरेंद्र राउत, कैलाश प्रधान, छबि मोहंती, जोच्छना नायक, सुदाम दाश, श्रीचरण मोहंती, संतोष नायक, जयंत कुमार मिश्रा, बिलाल अहमद, चंदन कवि, सुभाष, बैलोचन सामल, सुरेश माझी, मुना सामल उपस्थित थे।

राउरकेला मजदूर सभा ने मनाया मजदूर दिवस

ROURKELA: राउरकेला मजदूर सभा की ओर से अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सुबह 7 बजे मजदूर सभा के शहरी कार्यालय में अध्यक्ष शशधर नायक ने यूनियन का झंडा फहराया और उपस्थित कार्यकताओं व कर्मियों को संबोधित किया। साधारण संपादक अक्षय कुमार नायक ने विश्व के श्रमिकों द्वारा मई दिवस मनाने के तातपर्य एवं पृष्ठभूमि पर अपना संदेश दिया। वहीं सुबह 9 बजे बिश्रा रोड स्थित मजदूर सभा के प्रधान कार्यालय में राउरकेला मजदूर सभा एवं हिंद मजदूर सभा से जुड़े अन्य संगठनों का संयुक्त कार्यक्रम हुआ।

बंगभाषियों ने सुप्रियो का किया अभिनंदन

JAMSHEDPUR : झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य शुक्रवार को शहर में थे। इस अवसर पर शहर के बंगभाषियों ने उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर बिष्टुपुर स्थित होटल शौर्या इन में मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से भी बंगभाषी मिले। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी थे। इसमें तापस चटर्जी, पूरबी घोष, विकास भट्टाचार्य, विश्वनाथ घोष, राजीव आचार्जी, नीता सरकार, सुभाष सिंह रॉय, सुकुमार बोस, अमित चक्रवर्ती, दिलीप मंडल, भागवत मुखर्जी, नानटू सरकार, पंकज बोइद्या आदि उपस्थित थे।

शोक संतप्त परिवारों से मिले बिद्युत महतो

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर लोकसभा से भाजपा के प्रत्याशी व सांसद बिद्युत बरण महतो शनिवार को शोक संतप्त परिवारों से मिले और उन्हें ढाढस बंधाया। उलीडीह मंडल अंतर्गत भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री गंगा साहू की पत्नी का विगत दिनों स्वर्गवास हो गया था।

कैप्टन धनंजय मिश्रा को किया गया सम्मानित

JAMSHEDPUR : हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी (एचएसजे) द्वारा टाटा यूएसआईएल (पूर्व नाम जुस्को) के पूर्व सीनियर जीएम कैप्टन धनंजय मिश्रा का अभिनंदन किया। सोसाइटी की चेयरपर्सन रुचि नरेंद्रन ने सबसे पहले कैप्टन धनंजय मिश्रा का स्वागत किया। सोसाइटी की अध्यक्ष सुमिता नूपुर ने कैप्टन धनंजय मिश्रा के साथ अपने अनुभव साझा किया। सोसाइटी के उपाध्यक्ष बरेन मैती ने कैप्टन धनंजय मिश्रा के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में जानकारी दी।

लोकसभा चुनाव

जमशेदपुर सीट पर अब तक 20 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

जिला निर्वाचन पदाधिकारी को नामांकन पत्र सौंपतीं पार्वती किस्कू • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से अब तक 20 उम्मीदवार नामांकन कर चुके हैं। इनमें बिद्युत बरण महतो (भाजपा) व समीर कुमार मोहंती (झामुमो) के अलावा जिन्होंने नामांकन दाखिल कर दिया है, उनमें महेश कुमार (राइट टू रिकॉल पार्टी), सौरभ विष्णु (निर्दलीय), अरुण कुमार शर्मा (भारतीय आजाद सेना), धार्मू टुडू (अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया), जुझार सोरेन (निर्दलीय), बबलू प्रसाद दांगी (निर्दलीय), मनोज गुप्ता (लोकहित अधिकार पार्टी), अरुण महतो (निर्दलीय), जयराम दास (निर्दलीय), ज्ञानसागर प्रसाद (निर्दलीय), इंद्रदेव प्रसाद (निर्दलीय), शेख अखिरुद्दीन (बहुजन महा पार्टी), सनका महतो (एसयूसीआई), जितेंद्र सिंह (निर्दलीय), पार्वती किस्कू (निर्दलीय), साधुचरण पाल (निर्दलीय) व सुकुमार सोरेन (भारत आदिवासी पार्टी) शामिल हैं। अभी 6 मई तक नामांकन किया जा सकता है, जबकि 7 मई को स्क्रूटनी और 9 मई को नाम वापसी की तिथि है। जमशेदपुर लोकसभा चुनाव के लिए 25 मई को मतदान होना है। मतगणना 4 जून को होगी।

बालू के अवैध कारोबार का खुलासा, थाना कर्मी सरगना

बालू लदे दो डंपर जब्त, एक चालक हुआ गिरफ्तार, दूसरा भाग निकला

- बीती रात धालभूम एसडीओ ने गुप्त सूचना के आधार पर एनएच-33 और छोटा गोविंदपुर के चांदनी चौक में की छापेमारी

अवैध बालू लदे ट्रक के साथ एसडीओ पारुल सिंह • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR:

शहर में बालू का अवैध कारोबार लगभग छह वर्ष से खूब चल रहा है। प्रशासनिक सख्ती और धरपकड़ के बावजूद यह खेल रात में जोर-शोर से चलता है। इसी बीच बालू के अवैध कारोबार में बड़ा खुलासा हुआ है, उसमें थानों के कर्मी ही सरगना निकले। शुक्रवार की रात से शनिवार भोर तक चले अभियान में एसडीओ पारुल सिंह के नेतृत्व में एमजीएम थाना प्रभारी और सशस्त्र पुलिस बल ने गुप्त सूचना के आधार पर एनएच-33 और छोटा गोविंदपुर के चांदनी चौक इलाके में घंटों छापेमारी की, जिसमें बालू लदे दो डंपर जब्त किए गए। इनमें से एक डंपर के चालक बोलेन केराई ने अपने वाहन मालिक का नाम बताया, तो प्रशासनिक पदाधिकारी भी चौंक गए। इनमें से एक गोलमुरी पुलिस लाइन का होमगार्ड ड्राइवर गोपाल सिंह और दूसरा कदमा थाना का होमगार्ड ड्राइवर दीपक सिंह है। दोनों होमगार्ड के जवान सगे भाई हैं। यह जानकारी मिलते ही एमजीएम थाना में गोपाल सिंह और दीपक सिंह के विरुद्ध अवैध माइनिंग की धारा लगाकर बतौर सरगना नामजद प्राथमिकी की गई। इसके साथ ही एमजीएम थाना की पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी भी चल रही है।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि दोनों होमगार्ड भाइयों के कुल तीन डंपर चलते हैं। दोनों भाई वर्दी की आड़ और पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे 25 से 30 हजार रुपये प्रति डंपर की दर पर अवैध बालू का अवैध धंधा कर रहे थे।

कई अवैध और अनैतिक कार्यों में लिप्त हैं थानों के कर्मी

बताया जाता है कि बालू के अवैध धंधे में सिर्फ दो भाई नहीं हैं, अन्य कई वर्दीधारी हैं। हालांकि पिछले दिनों जानकारी मिलने के बाद एसपी ने ऐसी दागदार छवि वाले ड्राइवरों व होमगार्ड जवानों को थाना से हटा दिया था, लेकिन अभी भी कई होमगार्ड के जवान वर्दी की आड़ में विभिन्न थाना क्षेत्र में अवैध व आपराधिक कार्य में लिप्त बताए जाते हैं।

राउरकेला में ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

मुआवजे की मांग पर स्थानीय लोगों ने किया सड़क जाम

PHOTON NEWS ROURKELA:

राउरकेला के सेक्टर-2 मार्केट के पास शनिवार को सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। इससे स्थानीय लोग में काफी आक्रोशित हो गए। स्थानीय लोगों और परिवारों ने मुआवजे की मांग को लेकर सेक्टर-2 स्थित एनआईटी रोड को जाम कर दिया। पुलिस और मजिस्ट्रेट ने मौके पर पहुंच कर लोगों को समझाने की कोशिश की।

घटना में सेक्टर-1 का रहने वाला युवक लीपू प्रधान स्कूटी चलाकर जा रहा था। इसी दौरान सेक्टर-2 मार्केट के पास एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। लीपू की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। बाद में घटनास्थल पर तनाव की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। सेक्टर-3

के थाना प्रभारी और मजिस्ट्रेट ने मौके पर पहुंच कर लोगों से बातचीत कर समझा-बुझाकर लोगों को शांत कराया।

उलीडीह में नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गया जेल

JAMSHEDPUR : मानगो के उलीडीह थाना क्षेत्र निवासी 15 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर गर्भवती करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी पड़ोस का ही युवक है। मामले का खुलासा तब हुआ जब नाबालिग गर्भवती हो गई और उसके घर वाले गर्भपात कराने वाले थे। नाबालिग के परिजनों के बयान पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की और उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने नाबालिग का मेडिकल और कोर्ट में बयान दर्ज कराया है। पीड़िता पड़ोस के ही रहने वाले एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग में थी। आरोपी ने नाबालिग का कई बार यौन शोषण किया।

एलबीएसएम व को-ऑपरेटिव कॉलेज में बन रहा स्ट्रांग रूम, किया निरीक्षण

निरीक्षण करते जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल व अन्य • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : एलबीएसएम एवं को-ऑपरेटिव कॉलेज में बनाए जा रहे ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम का जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने शनिवार को निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान चुनाव आयोग की मार्गदर्शिका के अनुसार सभी प्रबंधों का बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एलबीएसएम कॉलेज से बहरागोड़ा, घाटशिला एवं पोटका तथा को-ऑपरेटिव कॉलेज से जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी एवं जुगसलाई के ईवीएम-वीवीपैट डिस्पैच किए जाएंगे, वहीं मतदान पश्चात रिसीविंग सेंटर के रूप में सिर्फ को-ऑपरेटिव कॉलेज चिन्हित है।

आर्किटेक्चर एप्टीट्यूड टेस्ट-2024 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नौ जून से होगा शुरू

जेईई एडवांस्ड का आवेदन शुल्क बढ़ा, 7 तक भर सकते फॉर्म

PHOTON NEWS JSR:

जेईई एडवांस्ड के लिए आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन इस बार पिछली बार की तुलना में आवेदन शुल्क बढ़ा दिया गया है। इस वर्ष आवेदन शुल्क में 300 रुपए की वृद्धि की गई है। जेईई एडवांस्ड 2024 का संचालन कर रहे आईआईटी मद्रास ने वेबसाइट पोर्टल पर इस परीक्षा से संबंधित फीस का पूरा डिटेल दिया है। इसके तहत सामान्य व ओबीसी वर्ग के छात्रों को 3200 रुपए व एससी, एसटी, दिव्यांग व महिलाओं को आवेदन शुल्क 1600 रुपए देना होगा। पिछले वर्ष 2023 में जेईई एडवांस्ड का आवेदन शुल्क सामान्य व ओबीसी के लिए 2900 व एसटी, एसटी, दिव्यांग व महिलाओं के लिए 1450 रुपए निर्धारित था। लेकिन इस बार एसटी, एसटी में 150 रुपए व सामान्य और ओबीसी में 300 रुपए बढ़ाया है। जेईई मेन के टॉप 2.50 लाख सफल अभ्यर्थी सात मई तक रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। जेईई एडवांस्ड फीस पेमेंट लास्ट डेट 10 मई शाम 5 बजे तक है।

26 मई को होगी परीक्षा

जेईई एडवांस्ड एडमिट कार्ड 17 मई सुबह 10 बजे से 26 मई दोपहर 2:30 बजे तक डाउनलोड कर सकते हैं। दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए स्क्राइब का चुनाव 25 मई तक कर सकते हैं। जेईई एडवांस्ड 26 मई (पेपर 1- सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक, पेपर 2- दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक) जेईई एडवांस्ड आंसर शीट, रिस्पॉन्स शीट वेबसाइट पर 31 मई शाम पांच बजे जारी की जाएगी। जेईई एडवांस्ड का आंसर-की दो जून सुबह 10 बजे जारी की जाएगी। प्रोविजनल आंसर-की पर फीडबैक और कमेंट्स दो जून सुबह 10 बजे से तीन जून शाम पांच बजे तक कर सकते हैं। फाइनल आंसर-की और रिजल्ट नौ जून सुबह 10 बजे जारी कर दी जाएगी।

नीट यूजी आज, जमशेदपुर के 6 केंद्रों पर 3877 परीक्षार्थी देंगे एग्जाम

नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट (नीट) यूजी रविवार को आयोजित होगी। इसके लिए जमशेदपुर में कुल 6 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जहां 3877 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसे कदाचारमुक्त व शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से कभी केंद्रों पर दंडाधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही बड़ी संख्या पुलिस बल की तैनाती केंद्र के बाहर की जाएगी। नीट यूजी 2024 प्रश्न पत्र में कुल मिलाकर 200 प्रश्न रहेंगे। इसमें से 180 प्रश्न करने होते है। प्रत्येक विषय में दो सेक्शन होते है। सेक्शन ए और सेक्शन बी। सही उत्तर पर 4 अंक मिलते है और निगेटिव मार्किंग होने के कारण प्रत्येक गलत उत्तर पर माइनस 1 अंक काट लिया जाता है। अनुत्तरित प्रश्नो के कोई भी अंक नहीं प्रदान किए जाते हैं। सेक्शन -बी मे यदि कोई विद्यार्थी इस सेक्शन में दस से ज्यादा प्रश्नों के उत्तर देता है तो प्रथम 10 प्रश्नों के रिस्पॉन्सेस को ही गणना योग्य माना जाता है। इस प्रकार से कुल 720 अंक होते हैं।

विषय वार प्रश्नों का वितरण इस प्रकार रहता है

फिजिक्स में सेक्शन ए -35 प्रश्न, सेक्शन-बी में 15 प्रश्न जिसमें से 10 अटेम्पट करने होते है -केमिस्ट्री में सेक्शन ए-35 प्रश्न , सेक्शन-बी में 15 प्रश्न जिसमें से 10 अटेम्पट करने होते है।

बॉटनी में सेक्शन ए-35 प्रश्न , सेक्शन -बी में 15 प्रश्न जिसमें से 10 अटेम्पट करने होते है।

जूलॉजी में सेक्शन ए -35 प्रश्न , सेक्शन -बी में 15 प्रश्न जिसमें से 10 अटेम्पट करने होते है।

यहां बनाया गया परीक्षा केंद्र

स्कूल का नाम	कुल परीक्षार्थी
एआईडब्ल्यूसी स्कूल ऑफ एक्सिलेंस:	528
बाल्डविन फॉर्म एरिया हाईस्कूल	: 360
डीएवी स्कूल बिष्टुपुर	: 805
जमशेदपुर पब्लिक स्कूल	: 744
एसडीएसएम स्कूल फॉर एक्सिलेंस	: 480
विद्या भारती चिन्मया विद्यालय	: 960

तरकेरा डैम में सेल्फी लेने के दौरान पैर फिसलने से दो युवक डूबे, मौत

मौके पर पहुंचे स्थानीय विधायक शारदा नायक व समर्थक • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA:

तरकेरा डैम में सेल्फी लेने गए दो युवक फिसल कर पानी में गिर गए, जिसमें डूबने से दोनों की मौत हो गई। मृतकों में पूर्व पार्षद ब्रजेश महतो के बेटे राज महतो तथा छेन्द निवासी जैरियाफ खान शामिल हैं। इनका तीसरा साथी भावेश प्रसाद इस हादसे में बच गया। जैसे ही दोनों युवक पानी में गिरे तो भावेश ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग जमा हो गए। तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। डिजास्टर मैनेजमेंट की टीम भी मौके पर पहुंची और युवकों की खोजबीन शुरू की। काफी खोजबीन के बाद पहले जैरियाफ का शव मिला। इसके एक घंटे बाद राज महतो का शव निकाला गया।

दोनों की मौत से पूरे इलाके में मातम पसर गया है। घटना की सूचना पाकर राउरकेला के विधायक तथा श्रम मंत्री शारदा प्रसाद नायक भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे।

भोजपुर में हादसे में बुजुर्ग की मौत के बाद हुआ था बवाल 50 से ज्यादा ट्रक को किया था क्षतिग्रस्त

भोजपुर। के पीरो थाना क्षेत्र अंतर्गत बिहिया-बिहटा मुख्य मार्ग पर भागलपुर मोड़ के समीप सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार सब्जी विक्रेता की मौत के बाद उपद्रव मचाने,पुलिस बल पर पथराव करने एवं वाहनों को क्षतिग्रस्त कर एक ट्रक को आग के हवाले किए जाने के मामले को लेकर पीरो सीओ के बयान पर एक प्राथमिकी की गई है। जिसमें सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 26 उपद्रवियों को नामजद किया गया है। पुलिस ने एक्शन मोड में आते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपितों में भागलपुर दुसाधी बधार निवासी मोनू कुमार,दीपक कुमार,सरोज पासवान एवं धीरेंद्र कुमार शामिल हैं। जबकि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। प्राथमिकी में आरोपितों पर सरकारी कर में बाधा पहुंचाने पुलिस टीम पर हमला करने एवं वाहनों को क्षतिग्रस्त कर एक ट्रक को आग के हवाले किए जाने का आरोप लगाया गया है। बता दें कि 1 मई की देर शाम पीरो थाना क्षेत्र के मसरहिया निवासी निवासी बालेश्वर राम सब्जी बिक्री कर साइकिल से वापस गांव लौट रहे थे। तभी बालू लदे बेलगाम टेलर ने उन्हें कुचल दिया था। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। हाथ से एक बात गुस्सा ही भीड़ ने करीब 50 से अधिक वाहनों को क्षतिग्रस्त कर एक ट्रक को आगे हवाले कर दिया गया था। इधर,प्राथमिक के बाद पीरो थानाध्यक्ष सुबोध कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पीरो डीएसपी राहुल कुमार ने बताया कि अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सभी की पहचान कर ली गई है। जल्द से जल्द सभी पुलिस के गिरफ्त में होंगे।

संक्षिप्त डायरी

सब्जी लेकर घर जाने के दौरान बेहोश होकर गिरे लू से मौत की जताई जा रही आशंका

भोजपुर। के संदेश थाना इलाके के संदेश गांव में शुक्रवार को संदेहास्पद स्थिति में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं लोगों ने आशंका जताई कि लू लगने से मौत हो गई है। मृतक बुजुर्ग पटना जिला के बिहटा थाना क्षेत्र के मौदही गांव निवासी स्व.छठु साह के 60 वर्षीय पुत्र किशोरी साह है। वह करीब 32 वर्षों से संदेश बाजार स्थित ए दुकान में काम करते थे। घटना के संबंध में बताया जाता है कि वह उक्त दुकान से सब्जी का बोझा लेकर संदेश बाजार पहुंचाने गए थे। उसी दौरान वह अचानक सड़क किनारे गिर पड़े और वहीं पर उनकी मौत हो गई। जिसके बाद वह मौजूद लोगों द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। जबकि पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक बुजुर्ग की मौत लू-लगने के कारण होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। बताया जाता है कि मृतक की शादी नहीं हुई थी। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घर से बरौली जा रहे थे व्यक्ति हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी चालक को पकड़ा

गोपालगंज। के महम्मदपुर थाना क्षेत्र के महम्मदपुर शंकर लाइन होटल के पास अनियंत्रित कंटेनर ने बाइक सवार रौंद दिया। हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। फिलहाल पुलिस ने कंटेनर चालक को हिरासत में ले लिया है। मृतक की पहचान बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के गोरौली गांव निवासी 60 वर्षीय बसंत बिहारी सिंह के रूप में की गई। मृतक बसंत बिहारी सिंह बाइक पर सवार होकर अपने अपने घर से बरौली किसी काम के लिए जा रहे थे। इसी बीच वह जैसे ही महमदपुर थाना क्षेत्र के शंकर लाइन होटल के पास एनएच-27 पर पहुंचे कंटेनर ने उन्हें धक्का मार दिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और कंटेनर चालक को पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कंटेनर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

5 मई को बारिश की मौसम विभाग ने जताई संभावना किसानों को दी खास सलाह

मुजफ्फरपुर। जिले में लगातार बढ़ती गर्मी से लोग परेशान हैं। सुबह 24 डिग्री और दोपहर ने 38 डिग्री तापमान से लोगों को घर से निकलना मुश्किल कर दिया। इस दौरान पूसा कृषि मौसम विभाग ने उत्तर बिहार के कई जिले में एक से दो दिन में मौसम में बदलाव की संभावना जताई है। पूसा कृषि मौसम विभाग के अनुसार पूर्वानुमानित के अवधि में पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों में अगले 1-2 दिनों के बाद आसमान में हल्के से मध्यम बादल आ सकते हैं। अनुकूल परिस्थितियां बनने के कारण 5 मई के बाद उत्तर बिहार के जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा भी होने की सम्भावना है। वर्षा के समय हवा की गति तेज रहने की सम्भावना है। इस अवधि में 6 मई से अधिकतम तापमान में गिरावट आ सकती है। यह 35-37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 22-25 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि 5 मई के बाद मौसम में परिवर्तन होने से हल्की बूंदा-बूंदी तथा कुछ स्थानों में मध्यम वर्षा की संभावना है। इस मौसम को देखते हुए कृषि कार्यों में सर्तकता बरतने की आवश्यकता है। गेहूं अरहर तथा रवी मक्का की कटनी तथा सुखाने का काम सावधानी पूर्वक करें। कटी हुई गेहूं की दौनी कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित कर लें। फिलहाल खड़ी फसलो में सिंचाई मौसम को देखते हुए स्थगित रखें या वर्षा न होने की स्थिति में करें। कीटनाशकों का छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद डाले। व फलियों से रस चूसते है। सफेद मक्खी पीला मोजैक रोग को फैलाने का काम करती है। थ्रीप्स कोमल कलियों व पुष्पों को बहुत क्षति पहुँचाती हैं जिससे अकान्त फूल खिलने से पहले झड़ जाती है, फलियां नहीं बन पाती हैं।

दिल्ली-महाराष्ट्र से इंडी वालों ने बिहारियों को भगाया

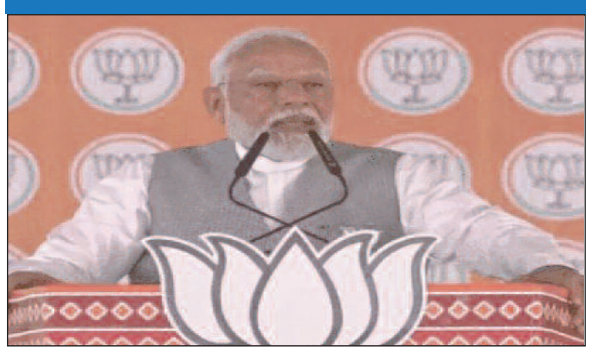

दरभंगा। में शनिवार को पीएम मोदी ने बीजेपी प्रत्याशी गोपालजी ठाकुर के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। 26 मिनट के भाषण में पीएम ने कांग्रेस और लालू परिवार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा राजा जनक, सीता मैया के पावन मिथिला भूमि के नमन करए छी। मोदी ने भारत माता की जय और जय श्री राम भी कहा। उन्होंने कहा कि 500 साल के इंतजार को परिपूर्ण कर अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बना है। पीएम ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान दिल्ली और महाराष्ट्र में इंडी गठबंधन की सरकार थी। इन लोगों ने बिहार के लोगों को वहां से भगा दिया। आज वही लोग आपसे वोट मांगने आ रहे है। क्या आप उन्हें माफ करेंगे? उन्होंने कहा, जैसे दिल्ली में एक शहजादे हैं। वैसे ही बिहार में भी एक शहजादे हैं। एक ने देश तो एक ने बिहार को जागीर समझा है। दोनों के रिपोर्ट कार्ड एक जैसे हैं। इनके रिपोर्ट कार्ड में भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं है। लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा, बिहार के शहजादे के पिता जी ने मुस्लिमों को आरक्षण में से कोटा निकालने की बात कही थी। मंच पर एनडीए नेताओं के साथ सीएम नीतीश कुमार भी मौजूद रहे। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के दौरान दरभंगा के साथ-साथ झंझारपुर, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, उजियारपुर की सीट को भी साधने की कोशिश की। इससे पहले लोकसभा चुनाव 2014 और 2019 में इसी मैदान में पीएम की सभा हुई थी। एक महीने के अंदर पीएम मोदी का 5वां बिहार दौरा है। इधर, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को पीएम मोदी के दरभंगा दौरे पर निशाना साधा है। तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा था कि AIIMS चालू हो चुका है। प्रधानमंत्री खुद आकर देख लें कि क्या स्थिति है। पीएम ने मंच से हाथ हिला कर दरभंगा के लोगों का अभिनंदन किया। फिर मैथिली में अपना संबोधन शुरू किया।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भोजपुरी एक्ट्रेस अमृता की हत्या एफएसएल में सुसाइड

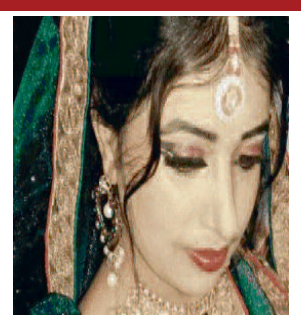

भोजपुरी। अभिनेत्री अमृता पांडे की मौत मामले में पुलिस की जांच पूरी तरह से उलझ गई है। एक तरफ जहां पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की बात कही गई है। वहीं,एफएसएल की जांच रिपोर्ट में आत्महत्या की बात कही गई है। ऐसे में पुलिस उलझन में है कि किस रिपोर्ट के आधार पर केस की जांच को आगे बढ़ाया जाए। अब पुलिस पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टरों की टीम से दोबारा उनके विचार जानने के लिए पत्र लिखेगी। डॉक्टर की तरफ से जो भी जवाब आएगा, उसके आधार पर आगे की जांच की जाएगी। एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि अभिनेत्री की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला दबा कर हत्या की बात कही गई है। जबकि एफएसएल कि रिपोर्ट में आत्महत्या की बात है। हत्या की जांच के लिए गठित एसआईटी हर बिंदु पर गहनता से जांच कर रही है। गुरुवार को जोगसर पुलिस ने डॉक्टरों की टीम से पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ली। 27 अप्रैल को अभिनेत्री का शव आदमपुर के एक फ्लैट में फंदे से लटका मिला था। परिजनों ने पुलिस को बयान दिया था कि डिप्रेशन में अमृता ने खुदकुशी कर ली थी। एक परिजन ने दवाई के ओवरडोज की वजह से मौत की बात कही थी। लेकिन उसे बाहर ही रोक दिया गया।

प्रेमी से बात करने पर पत्नी की पीट-पीटकर हत्या

बांका। में प्रेमी से बात करने पर पति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। ये घटना शुक्रवार की सुबह उस वक्त हुई जब पति मुन्ना राम ने पत्नी अंजलि देवी (30) को प्रेमी के साथ मोबाइल पर बात करते देख लिया। बताया जा रहा है कि अंजली उस युवक के साथ मोबाइल पर प्यार भरी कुछ बातें कर रही थी। इसी बात से गुस्सा होकर पति ने पत्नी की पिटाई कर दी। जिसके बाद जब महिला बेहोश हो गई तो पति उसे सीएचसी ले गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। मुन्ना का कहना है कि उसे नहीं पता था कि पत्नी की मौत हो जाएगी। बताया जा रहा है कि जिस युवक से पत्नी बात करती थी, वो भी उसी के गांव का रहने वाला था। फिलहाल महिला की मौत के बाद वह फरार है। घटना शंभूगंज थाना क्षेत्र के रामचुआ पंचायत स्थित बड़ी खजुरी गांव की है। दोनों ने 10 साल पहले लव मैरिज किया था। दो साल पहले पत्नी का किसी रितेश नाम के युवक से प्रेम-प्रसंग हो गया। देखते-देखते दोनों में नजदीकियां बढ़ने लगी। दोनों अक्सर फोन पर बात करते थे, जो उसके पति मुन्ना राम को पसंद नहीं था। पति बार-बार मना करता था कि उसकी पत्नी रितेश से बात नहीं करे। पत्नी भी कहती थी, अब बात नहीं करूंगी, लेकिन फिर भी वो अपने प्रेमी से बात करती थी। पिछले दिन यानी शुक्रवार को पति काम पर गया था। शाम में आया तो पत्नी अपने प्रेमी से बात कर रही थी। जिसके बाद गुस्से में पति ने पत्नी की पिटाई कर दी। मिली जानकारी के मुताबिक, मुन्ना राम और पत्नी अंजली (मृतका) के चार बच्चे हैं। दो बेटी और दो बेटे। मां की मौत के बाद चारों अपने नाना-नानी के पास हैं।

नाबालिग की शादी को रुकवाने गई टीम पर हमला

सीतामढ़ी। में नाबालिग की शादी रुकवाने गए बचपन बचाओ आंदोलन की टीम पर परिजनों ने हमला कर दिया। घटना में संस्था की टीम जख्मी हो गई। हालांकि, इस दौरान स्थानीय थाना की पुलिस ने किसी तरह माहौल को शांत किया। बताया गया कि टीम एक शादी को रुकवाने गई थी। पता चला कि 28 अप्रैल को भी इसी तरीके की शादी हुई है। इसके बाद शादी करने वाले दूल्हे को गिरफ्तार कर लिया। वही, लड़की का भी रेस्क्यू कर लिया गया है। तीन मई को सीतामढ़ी के परिहार प्रखंड अंतर्गत बेला थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की का बाल विवाह होना था। इसकी गुप्त सूचना बचपन बचाव टीम को मिली। सूचना पर मामले की जानकारी अनुमंडल पदाधिकारी सह बाल विवाह निषेध पदाधिकारी को दी गई। बेला थाना की पुलिस और बचपन बचाओ आंदोलन की संयुक्त टीम गांव में बाल विवाह रुकवाने गई। गांव में बाल विवाह रुकवाने गई टीम पर नाबालिग बालिका के पिता और स्थानीय वार्ड सदस्य के पति द्वारा भीड़ एकत्रित कर हंगामा शुरू कर दिया गया। प्रमाण मांगने पर बचपन बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता के साथ गाली गलौज की गई। बाल विवाह रुकवाने पर जान से मारने की धमकी दी। हालांकि, बाल विवाह रुकवा दिया गया और बाल विवाह को लेकर कार्रवाई करते हुए दूल्हे भी गिरफ्तार कर लिया गया। नाबालिग बालिका को मुक्त करवाया गया। टीम ने पुलिस के सहयोग से बीते 28 अप्रैल को इसी गांव में हुए बाल विवाह के मामले में लड़की को उसके ससुराल से रेस्क्यू कर लिया। साथ ही पुलिस ने दूल्हा मुदस्सिर को भी गिरफ्तार किया है। मौके पर बेला थाना के बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी पंकज कुमार, बचपन बचाओ आंदोलन के सहायक प्रोजेक्ट अधिकारी मुकुंद कुमार चौधरी, शिव शंकर ठाकुर, बेला थाना की प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक प्रियंका कुमारी, चाइल्ड हेल्पलाइन सीतामढ़ी टीम की रेखा कुमारी, प्रमशीला कुमारी एवं बेला थाना के पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे और गांव में जाकर बाल विवाह रोकने की करवाई की।

5 गांवों के ग्रामीणों की मौके पर जुटी भीड़ मृतक के बेटी ने चाचा पर लगाया हत्या का आरोप

जमुई। किउल-जसीडीह रेलखंड के बीच लाहाबन रेलवे फाटक संख्या स्पेशल 33 के पास अप ट्रैक पर पोल संख्या 336/5- 336/7 के बीच शुक्रवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक 32 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सिमुलतला थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी स्व. कारू यादव का 32 वर्षीय पुत्र पवन यादव के रूप में हुई है। रेलवे ट्रैक पर शव होने की सूचना पर कल्याणपुर, पियारफेड, बक्सा, खोनाडाबर और लाहाबन गांव के ग्रामीणों को लगी। ले लोग घटना स्थल पर शव देखने के लिए जमा हो गए। मृतक का दोनों पैर रेलवे ट्रैक के किनारे व शरीर करीब आधा किमी दूर तक बिखरा था। आसनसोल रेल डिवीजन के अप ट्रैक के बीचों-बीच शव पड़ा रहा और शव के ऊपर से ट्रेनें दौड़ती रही। स्थानीय लोग रेलवे के इस रवैया से काफी नाराज थे। यादव और बड़ी मां ने मिलकर मेरी मां और पापा के साथ मारपीट की थी। जिसे लेकर आज सरपंच के कचहरी में पंचायत होने वाली थी। मेरे पिताजी ने आत्महत्या नहीं की है। शव को रेलवे लाइन पर फेंक दिया है।

बेगूसराय के डीएम ने 45 कर्मियों पर एफआईआर करने का दिया आदेश

बेगूसराय। के कुछ सरकारी कर्मचारी निर्वाचन आयोग के काम को भी गंभीरता से नहीं लेते हैं। ऐसे ही 45 कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का आदेश जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-डीएम रोशन कुशवाहा ने दिया है। डीएम रोशन कुशवाहा ने बताया कि बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र में 13 मई को होने वाले मतदान को लेकर बीपी इंटर उच्च विद्यालय एवं एमआरजेडी कॉलेज में 2380 मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण चल रहा है। प्रशिक्षण के दौरान दो एवं तीन मई को 45 कर्मी अनुपस्थित पाए गए हैं। इन लोगों पर प्राथमिक की दर्ज कराई जाएगी। डीएम ने बताया कि अभी प्रशिक्षण चल रहा है, एक बार फिर छह मई को प्रशिक्षण में उपस्थित होने का अल्टीमेटम दिया गया है। अगर यह लोग छह को भी उपस्थित नहीं हुए तो सभी पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। निर्वाचन कार्य में लापरवाही किसी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रमेश कुमार पासवान, ऋषिदेव कुमार, दीपमाला कुमारी एवं दिनेश कुमार अनुपस्थित पाए गए थे। उस दिन बीपी स्कूल प्रशिक्षण केंद्र से अमरेश कुमार अंशु, मृत्युंजय कुमार ठाकुर, संगीता कुमारी एवं मोहम्मद इफ्तिकार वासी अनुपस्थित पाए गए थे।

दो पाटीदारों के बीच मारपीट 9 घायल

भोजपुर। के शाहपुर थाना इलाके के गोपालपुर गांव में शुक्रवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पाटीदारों के बीच जमकर लाठी-डंडे से मारपीट हुई। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक दूसरे को दौड़ा दौड़ा कर पीटा। जिसमें एक पक्ष के दंपति समेत चार लोग जबकि दूसरे पक्ष के पति-पत्नी समेत पांच लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। मामला शांत होने के बाद दोनों पक्षों के जख्मियों को इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मियों में एक पक्ष के शाहपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी स्वर्गीय राजगृह पांडेय के 67 वर्षीय पुत्र रामनारायण पांडेय उनकी पत्नी मुनारिका देवी (65) दो पुत्र कृष्ण कुमार पांडेय(30) एवं हरेश कुमार पांडेय(35) जबकि दूसरे पक्ष के स्वर्गीय राजगृह पांडेय के 54 वर्षीय पुत्र रामदेव पांडे उनकी पत्नी शैला देवी (50) दो पुत्र मुकेश पाण्डेय(25) एवं राकेश पांडेय(30) और उनका भाई राजगृह पांडेय के 45 वर्षीय पुत्र गणेश जी पांडेय शामिल हैं। इधर एक पक्ष के जख्मी राकेश कुमार पांडेय ने बताया कि पिछले 14 वर्षों से 10 कट्ठा जमीन को लेकर पाटीदारों से विवाद चल रहा था। जब भी इस जमीन के बंटवारे की बात कही जाती थी तब पाटीदार गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते थे। आज मेरा भाई मुकेश पाण्डे उस जमीन पर बैठा था। तभी वो लोग वहां आ धमके और गाली-गलोज करने लगे। इसी बात को लेकर मुकेश ने इन लोगों का विरोध किया तो मारपीट करने लगे। वहीं दूसरे पक्ष के ललन कुमार पांडेय ने बताया कि पिछले 14 सालों से 16 बिगहा जमीन को विवाद को लेकर विवाद चल आ रहा है। इस जमीन पर आधा से ज्यादा हिस्सा मेरा है। पाटीदारों के द्वारा पूरे जमीन पर कब्जा जमाने की हमेशा कोशिश करते आए हैं। उन लोगों के द्वारा धमकी दी गई की तुम लोग इस जमीन को छोड़ दो और चले जाओ नहीं तो जान से मार देंगे। इस बीच मेरी भाभी मुनारिका देवी ने कहा कि शांति से बैठकर बात कर ली जाए। तभी उक्त पाटीदार आक्रोशित हो गए और भाभीझभैया समेत पांच लोगों की लाठी डंडे से बेहरमी से पिटाई कर दी । मामला शांत होने के बाद दोनों पक्षों ने इसकी शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से की है । बहरहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है।

योग...100 दिन, 100 शहर और 100 संगठन

मुकुंद

पिछले साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूयॉर्क से संदेश जारी कर देश को संबोधित किया था। उन्होंने कहा था कि भारत की अपील पर 180 देशों का योग को लेकर साथ आना, ऐतिहासिक है। योग ने हमें एकजुट किया। योग एक स्वस्थ और शक्तिशाली समाज का निर्माण करता है जहां सामूहिक ऊर्जा बहुत अधिक होती है। योग एक विचार था, जिसे आज दुनियाभर ने अपनाया है। आज योग ग्लोबिल स्पिरट बन गया है। योग ने हमेशा से जोड़ने का काम किया है। हमारे आदर्श हों, भारत का दर्शन हो या दृष्टि हो हमने हमेशा जोड़ने, अपनाने और अंगीकार करने वाली परंपरा को पोषित किया है। हमने नए विचारों का स्वागत किया है।

देश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। दो मई को भव्य उत्सव ह्ययोग महोत्सवह्न के दौरान सूरत योग के आनंद से ओत-प्रोत रहा। सूरत के अठवालाइंस के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इस भव्य आयोजन में सात हजार से अधिक लोग सुबह 7.00 बजे से सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के अभ्यास में शामिल हुए। इनके उत्साह और सक्रिय जुड़ाव ने व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय ने इस महोत्सव की व्यापक चर्चा की है।

इस आयोजन में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, उप महानिदेशक सत्यजीत पॉल, नई दिल्ली के अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र और बेंगलुरु स्थित अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र (योग विज्ञान) के निदेशक प्रो.अविनाश चंद्र पाण्डेय और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक वैद्य डॉ. काशीनाथ समागंडी शामिल हुए। इन विभूतियों की उपस्थिति ने इस अवसर को काफी महत्वपूर्ण बनाया। यह योग को बढ़ावा देने, व्यक्तियों व समुदायों के लिए समान रूप से कल्याण के लिए साझा समर्पण को प्रदर्शित करता है। इस सहभागिता ने योग के अभ्यास के माध्यम से समग्र कल्याण को बढ़ावा देने की सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

वैद्य राजेश कोटेचा ने संबोधन में इस बात को रेखांकित किया कि सूरत ने देश के विकास में अपना अद्भुत योगदान दिया है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि सूरत को देश के सबसे स्वच्छ शहर का सम्मान मिला है। कोटेचा ने सूरत के शांत वातावरण के बीच 'योग महोत्सव' के लिए लोगों की उपस्थिति को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने प्रतिभागियों की अनुशासित उपस्थिति के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि योग ने विश्व का ध्यान अपनी ओर खींचा है और आईडीवाई-2023 के तहत पूरे विश्व में 23.5 करोड़ से अधिक लोगों ने योग किया। इस वर्ष यह भागीदारी निश्चित रूप से काफी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आईडीवाई-2024 की 25वीं उलटी गिनती के अवसर पर बोधगया में विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साल 2015 में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की गई थी, जब संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया था। यह दिवस शारीरिक व मानसिक कल्याण, दोनों के लिए योग का अभ्यास करने के कई लाभों के बारे में जागरुकता बढ़ाने और विभिन्न संस्कृतियों व समाजों में इसकी सार्वभौमिक अपील को बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है। साल 2015 में शुरूआत के बाद से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को पूरे विश्व में विभिन्न कार्यक्रमों, संगठ्ठियों, कार्यशालाओं और प्रदर्शनों के साथ मनाया जाता रहा है, जिसका उद्देश्य व्यक्तियों और समुदायों पर योग के गहरे प्रभाव को रेखांकित करना है।

उन्होंने कहा कि मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने हजारों कुशल योग गुरु तैयार करके देश में योग के परिदृश्य को आकार देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) के निदेशक डॉ. काशीनाथ समागंडी ने योग के सार्वभौमिक अभ्यास को बढ़ावा देने में इसके महत्व का उल्लेख किया। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस- 2024 (आईडीवाई-2024) की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में आयोजित योग महोत्सव की भूमिका को रेखांकित किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का यह 10वां संस्करण स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने वाले इस वैश्विक आंदोलन की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को दिखाता है।

इस कार्यक्रम के तहत सामान्य योग प्रोटोकॉल का सीधा प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में 5,000 से अधिक योग उत्सुक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और सामूहिक रूप से सामान्य योग प्रोटोकॉल में उल्लिखित निर्धारित योग अभ्यासों में शामिल हुए। यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय, गुजरात योग बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और कई अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और विशेषज्ञों की उपस्थिति से समृद्ध हुआ। इसके अलावा योग गुरुओं के संदेशों ने कार्यक्रम को उत्कृष्टता प्रदान की। इस साल के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के साथ मिलकर आयुष मंत्रालय ह्य100 दिन, 100 शहर और 100 संगठनह्न अभियान के तहत सामूहिक योग प्रदर्शनों और सत्रों की शृंखला की शुरूआत की है।

पिछले साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूयॉर्क से संदेश जारी कर देश को संबोधित किया था। उन्होंने कहा था कि भारत की अपील पर 180 देशों का योग को लेकर साथ आना, ऐतिहासिक है। योग ने हमें एकजुट किया। योग एक स्वस्थ और शक्तिशाली समाज का निर्माण करता है जहां सामूहिक ऊर्जा बहुत अधिक होती है। योग एक विचार था, जिसे आज दुनियाभर ने अपनाया है। आज योग ग्लोबिल स्पिरट बन गया है। योग ने हमेशा से जोड़ने का काम किया है। हमारे आदर्श हों, भारत का दर्शन हो या दृष्टि हो हमने हमेशा जोड़ने, अपनाने और अंगीकार करने वाली परंपरा को पोषित किया है। हमने नए विचारों का स्वागत किया है। उन्हें संरक्षण दिया है। हमने विविधताओं को समृद्ध किया है। उन्हें सेलिब्रेट किया है। ऐसी हर संभावना को योग प्रबल से प्रबलतम करता है। योग हमारी अंतदृष्टि को विस्तार देता है। योग हमें उस चेतना से जोड़ता है, जो हमें एकता का अहसास कराता है। हमें योग के जरिए हमारे अंतर्विरोधों को खत्म करना है। हमें योग के जरिए विरोधों और प्रतिरोधों को खत्म करना है। हमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को विश्व के सामने उदाहरण के रूप में पेश करना है।

संपादकीय

पाकिस्तान के बहाने

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कांग्रेस पर हमले के अभियान में पाकिस्तान एक नया कनेक्शन है। हालांकि शुरू आती चुनाव से ही पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध खतरे के रूप में चिह्नित किया जाता रहा है। ताजा आरोप है कि पाकिस्तान 'शहजादे' यानी राहुल गांधी की ताजपोशी के लिए बहुत उछल रहा है। यह 'चुनाव को प्रभावित करने' का एकरेखीय आरोप नहीं है, जैसा कि चीन-रूस के बारे में अमेरिका का होता है। प्रधानमंत्री मोदी पाकिस्तान की राहुल में दिलचस्पी के दुष्परिणामों को आंतरिक और बाह्य, दोनों स्तरों पर दिखाते हैं। इससे देश में इस्लामिक जेहाद-आतंकवाद जोर पकड़ेगा, राष्ट्रीय एकता-अखंडता खंडित होगी, सुरक्षा-व्यवस्था कमजोर पड़ेगी और नागरिकों को भुगतना पड़ेगा। यह कांग्रेसी राज का दुर्भाग्यपूर्ण फिनोमिना रहा है। इससे भारत की चहुंदिस जारी वैश्विक प्रगति भी थम जाएगी। रिकॉर्ड्स पर टिके मोदी के इस आकलन से शायद ही असहमति होगी। पाकिस्तान से दो-दो लड़ाइयां जीतने के बावजूद कांग्रेसी हुकूमत के बनिस्बत मोदी की सुरक्षा व्यवस्था निस्संदेह पुख्ता है-कश्मीर में आतंकवाद की छिटपुट वारदात के बावजूद। 'घर में घुस कर मारने' की बात अब चेतावनी नहीं होती। इसलिए दुश्मन में दहशत पैदा करती हैं। पर क्या पाकिस्तान वास्तव में इस हालत में रह गया है कि वह आज के भारत को नुकसान पहुंचा सके? आतंक के मोर्चे पर यह आज भी सही है। इसलिए ही, पाकिस्तान आम भारतीयों में अलगाववाद और खून-खराबे के जेहाद का नाम है। इसका केवल चुनाव के समय ही नहीं, बाकी दिनों में भी किया गया उल्लेख अधिकतर भारतीयों के विचारों को ध्रुवीकृत कर देता है। ऐसे में इंडिया गठबंधन की सपा प्रत्याशी की वोट जेहाद की अपील, जो एक सांप्रदायिक विचारों की लामबंदी से है, बहुसंख्यक मतों का ध्रुवीकरण कर सकती है। मोदी इन मुद्दों का फायदा उठाना चाहते हैं। आरक्षण और संविधान, जो चुनाव में अंडरकरंट मुद्दे हैं, उनमें भी मत-विभाजन का लाभ चाहते हैं। इस मामले में बैकफुट पर चल रहे मोदी को कांग्रेस पर हमले के नये तर्क मिल गए हैं। वे उसके अल्पसंख्यक-प्रेम को ओबीसी कोटे की हकमारी बताते हैं। अब ऐसा नहीं होगा, इसकी वे कांग्रेस से लिखित गारंटी चाहते हैं। यह भय का वैसा ही तर्क है, जैसा कांग्रेस जनमानस में बिठा रही है कि 'मोदी आए तो लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण कुछ भी नहीं बचेगा।'

सूक्ति

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है।

- अज्ञात

जब आप दो बुराइयों में से छोटी बुराई को चुनते है, तो याद रखें कि वह अभी एक बुराई ही है।

- मैक्स लर्नर

चिंतन-मनन

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ?सा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम्-पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती उत्पादों की मांग

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज भी लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है एवं अपने जीवन यापन के लिए मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र पर ही आश्रित रहती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार किये जा रहे विकास कार्यों के चलते इन क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत व्यय की जाने वाली राशि में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। इससे, ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर निर्मित होने लगे हैं एवं ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कुछ कम हुआ है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के खंडकाल में शहरों से ग्रामीण इलाकों की ओर शिफ्ट हुए नागरिकों में से अधिकतर नागरिक अब ग्रामीण क्षेत्रों में ही बस गए हैं एवं अपने विशेष कौशल का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को प्रदान कर रहे हैं।

हाल ही में जारी किए गए कुछ सर्वे प्रतिवेदनों के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग की एक नई कहानी लिखी जा रही है क्योंकि अब विभिन्न उत्पादों की मांग ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। उपभोक्ता वस्तुओं एवं ऑटो निमार्ता कम्पनियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में हाल ही के समय में उपभोग की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं एवं दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों (ट्रैक्टर सहित) की मांग में तेजी दिखाई दे रही है, जो कि वर्ष 2023 में लगातार कम बनी रही थी। यह संभवतः रबी फसल के सफल होने के चलते भी सम्भव हो रहा है।

उक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी हाल ही में सम्पन्न अपनी द्विमासिक मोनेटरी पॉलिसी की बैठक में रेपो दर में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की है, ताकि बाजार, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के बाजार में, उत्पादों की मांग विपरीत रूप से प्रभावित नहीं हो, ताकि इससे अंततः वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के आर्थिक विकास की दर भी अच्छी बनी रहे।

भारत में पिछले कुछ समय से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादों की मांग, शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध मांग की तुलना में कम ही बनी रही है। परंतु, वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही के बाद से इसमें कुछ परिवर्तन दिखाई दिया है एवं अब ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग में तेजी दिखाई देने लगी है। यह तथ्य विकास के कुछ अन्य सूचकांकों से भी उभरकर सामने आ रहा है। जनवरी-फरवरी 2024 माह में दोपहिया वाहनों की बिक्री में, पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान की बिक्री की तुलना में, 30.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है, जो हाल ही के कुछ वर्षों में अधिकतम वृद्धि दर मानी जा रही है। दोपहिया वाहनों की बिक्री ग्रामीण इलाकों (लगभग 10 प्रतिशत) में शहरी इलाकों (लगभग 7 प्रतिशत) की तुलना में अधिक रही है। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले रोजगार के अवसरों की मांग में भी फरवरी-मार्च 2024 माह के दौरान 9.8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है क्योंकि ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर अन्य क्षेत्रों में उपलब्ध हो रहे हैं। इसी प्रकार, ट्रैक्टर की बिक्री में भी जनवरी-फरवरी 2024 माह के दौरान 16.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में कुल 892,313 ट्रैक्टर की बिक्री हुई है जो पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है।

भारत के मौसम विभाग द्वारा जारी की गई भविष्यवाणी के अनुसार, वर्ष 2024 के मानसून मौसम के दौरान भारत में मानसून की बारिश के सामान्य से अधिक रहने की प्रबल सम्भावना है। इससे भारत के किसानों में हर्ष व्याप्त है क्योंकि मानसून के अच्छे होने से खरीफ की फसल के भी बहुत अच्छे रहने की सम्भावना बढ़ गई है। मौसम विभाग के सोचना है कि इस वर्ष अल नीनो के स्थान पर ला नीना का प्रभाव दिखाई देगा। अल नीनों के प्रभाव में देश में बारिश कम होती है एवं ला नीना के प्रभाव में देश में बारिश अधिक होती है। साथ ही, भारतीय किसान अब तिलहन, दलहन एवं बागवानी की फसलों की ओर भी आकर्षित होने लगे हैं। दालों, वनस्पति, फलों एवं सब्जियों के अधिक उत्पादन से किसानों की आय में वृद्धि दृष्टिगोचर है। केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न खाद्य उत्पादों की बिक्री के लिए ई-पोर्टल के बनाए जाने के बाद से तो भारतीय किसान अपनी फसलों को वैश्विक स्तर पर सीधे ही बेच रहे हैं और अपने मुनाफे में वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। भारतीय खाद्य पदार्थों की मांग अब वैश्विक स्तर पर भी होने लगी है एवं खाद्य पदार्थों के निर्यात में भी नित नए रिकार्ड बनाए जा रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग सामान्यतः अच्छे मानसून के पश्चात अच्छी फसल एवं विभिन्न सरकारों, केंद्र एवं राज्य सरकारों, द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों पर किए जा रहे खर्चों में बढ़ौतरी के चलते ही सम्भव होती है। केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की गई विकास की विभिन्न योजनाओं पर व्यय में लगातार वर्ष दर वर्ष वृद्धि की जा रही है एवं इसके लिए केंद्रीय बजट में भी बढ़े हुए व्यय का प्रावधान प्रति वर्ष किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं इन इलाकों में विभिन्न उत्पादों की मांग भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

नीलसन द्वारा किए गए एक सर्वे के यह बताया गया है कि जनवरी एवं फरवरी 2024 माह में भारत में विभिन्न उत्पादों की शहरी क्षेत्रों में मांग 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग 2.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। विशेष रूप से फरवरी 2024 के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग में वृद्धि लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। रबी की फसल के भी अच्छे रहने की सम्भावना बलवती हुई है जिसके कारण किसानों की मनोदशा भी सकारात्मक बन रही है और यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश की आर्थिक वृद्धि दर को बलवती करने के मुख्य भूमिका निभाने जा रही है। आज देश की लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है यदि ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों की मनोवृत्ति सकारात्मक हो रही है तो निश्चित ही वित्तीय वर्ष 2024-25, आर्थिक विकास की दृष्टि से अतुलनीय परिणाम देने वाला वर्ष साबित होने जा रहा है। (सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

विश्व हंसी दिवस : हंसी ही दुनिया को एकजुट करने में सक्षम

विश्व हास्य दिवस एक उपहार है एवं बिना खर्च के खुशियाँ मनाने एवं हंसकर तनाव दूर करने का विलक्षण एवं अद्भुत दिन है। यह हमें एकजुट करता है, जीवन को बेहतर बनाता है। मई महीने के पहले रविवार को मनाये जाने वाला यह दिन हंसने-हंसाने के बहुत सारे अवसर प्रदत्त कर अच्छे स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं समग्र विकास को सुनिश्चित करता है। हंसने-हंसाने से तन-मन में उत्साह का संचार होता है, वहीं दिल से हंसना भी किसी दवा से कम नहीं है। अध्ययन के मुताबिक, जो लोग अक्सर हंसते हैं वे अधिक समय तक जीवित रहते हैं, बेहतर, समृद्ध और खुश रहते हैं साथ ही उनकी ऊर्जा भी काफी सकारात्मक होती है। दूसरे आप पर हंसकर आपको दुःखी करें, तनाव दें, उससे पहले खुद पर हंसना सीखें। आप खुद अपनी कमियों पर हंसकर उसे अवसर के रूप में देखें। ज्यादातर लोग दूसरों की हंसी को काफी गंभीरता से लेते हैं और दुखी हो जाते हैं। जबकि खुद पर हंसना आपको अधिक संवेदनशील, जुझारू, जीवट वाला, स्वस्थ और अधिक प्रामाणिक होने में सक्षम बनाता है।

विश्व हास्य दिवस मुस्कुराने का बहाना ही नहीं, एक प्रेरणा एवं जिजीविषा है। इस दिन को अमल में लाने का क्रेडिट हास्य योग आंदोलन के संस्थापक डॉ. मदन कटारिया को जाता है। जिन्होंने ही मुंबई में पहली बार 11 जनवरी 1998 को विश्व हास्य दिवस को मनाया था। जिसका खास उद्देश्य समाज में बढ़ते तनाव, अशांति, चिन्ता एवं परेशानियों को कम करके उन्हें सुखी जीवन जीने की सीख देना था। क्योंकि हँसना सभी के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं बौद्धिक विकास में अत्यंत सहायक है। हंसी हमारे जीवन की सफलता की चाबी है, वह अनेक समस्याओं का समाधान भी है। हंसी दुखी दिल के घावों को भरने वाला मलहम है। हमारे चेहरे का व्यायाम है और मन का आराम। शोध कहते हैं कि जैसे-जैसे हम बड़े हो रहे हैं, हमारा हंसना कम हो रहा है। इसी पर लेखक मिशेल प्रिटचार्ड कहती हैं, 'हम इसलिए कम नहीं हंसते कि हम बूढ़े हो गए हैं। हम बूढ़े ही इसलिए हुए कि हमने हंसना बंद कर दिया है।'

आज का इंसान अपनी मुस्कुराहट व हँसी को भूलता जा रहा है, फलस्वरूप तनावजन्य बीमारियाँ, जैसे- उच्च रक्तचाप, शुगर, माइग्रेन, हिस्टीरिया, पागलपन, डिप्रेशन आदि को निमंत्रण दे रहा है। हँसने से ऊर्जा और ऑक्सीजन का संचार अधिक होता है। शरीर में से दूषित वायु बाहर निकल जाती है। हमेशा खुलकर हँसना शरीर के सभी अवयवों को ताकतवर और पुष्ट करता है। साथ ही शरीर में रक्त संचार की गति को बढ़ाता है। इसके अलावा पाचन तंत्र अधिक कुशलता से कार्य करता है। इसलिये डॉक्टर भी हर बीमारी के रोगी के लिये हास्य को उपयोगी बताते हैं। जो लोग हमें हंसाते हैं, वे हमारी स्मृतियों में रच-बस जाते हैं। हम किसी को पसंद या नापसंद कई कारणों से कर सकते हैं। पर लंबे समय तक हमारे प्रेम के हकदार वे लोग बनते हैं, जो हमें हंसाते हैं और हमारे चेहरे की हंसी बन जाते हैं। शायद इसीलिए विक्टर बोर्ग कहते हैं, 'हंसी दो लोगों के बीच की दूरी को पार करने का सबसे छोटा पुल है।' हंसना एक ऐसा बेशकीमती उपहार है, जो कुदरत ने केवल मनुष्य को ही बख्शा है। हास्य एक सार्वभौमिक भाषा है। इसमें जाति, धर्म, रंग, लिंग से परे रहकर मानवता को समन्वय करने की क्षमता है। यह इंसान से इंसान को जोड़ने का उपक्रम है। हंसी विभिन्न समुदायों को जोड़कर नए विश्व का निर्माण करने में सक्षम हैं। यह विचार भले ही काल्पनिक लगता हो, लेकिन लोगों में गहरा विश्वास है कि हंसी ही दुनिया को एकजुट कर सकती है। इसीलिये मार्टिन लूथर ने कहा है कि यदि मुझे स्वर्ग में हंसने की आज्ञा न हो तो मैं स्वर्ग नहीं जाऊंगा।

उदासी और बेचैनियों के बादल छाए रहते हैं, हंसी की धूप खिल नहीं पाती। लेखिका एमिली मिचेल कहती हैं, 'हंसी के बिना बीता दिन, अंधेरे में रहने जैसा है, आप अपना रास्ता ढूंढने की कोशिश तो करते हैं, पर उसे साफ-साफ नहीं देख पाते।' हंसना एक ऐसा सकारात्मक भाव एवं ऊर्जा है जो व्यक्ति के न केवल आंतरिक बल्कि बाहरी स्वरूप को प्रभावी, समृद्धिशाली एवं तेजस्वी बनाता है। हास्य एक शक्तिशाली भावना है जिसमें व्यक्ति को ऊर्जावान और संसार को शांतिपूर्ण बनाने की क्षमता हैं। यह व्यक्ति के विद्युत-चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित करता है और व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। जब व्यक्ति समूह में हंसता है तो उसकी हंसी से सकारात्मक ऊर्जा सम्पूर्ण परिवेश में व्याप्त हो जाती है। दुनिया में सुख एवं दुःख दोनों ही धूप-छाँव की भाँति आते-जाते हैं। यदि मनुष्य दोनों परिस्थितियों में हँसमुख रहे तो उसका मन सदैव काबू में रहता है व वह चिंता से बचा रह सकता है। हंसने से आत्मा खिल उठती है। इससे आप तो आनंद पाते ही हैं दूसरों को भी आनंदित करते हैं। हास-परिहास पीड़ा का दुश्मन है, निराशा और चिंता का अचूक इलाज और दुःखों के लिए रामबाण औषधि है। हंसी एक उत्तम टॉनिक का काम करती है। लंदन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सोफी स्कॉट कहती हैं कि, ह्यहंसी के द्वारा हमारा अवचेतन मन ये संकेत देता है कि, हम सुकून में हैं और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

जापान में भगवान बुद्ध के शिष्य थे होतेई। वह बड़े अलमस्त स्वभाव के भिक्षुक थे। वह बेहद निर्लिप्त और निरपेक्ष भाव से जीवन जीने में विश्वास रखते थे। वह जिस कार्य को करते, उसमें पूरी तरह डूब जाते थे, तन्मय हो जाते। जापान में ऐसी मान्यता है कि एक बार होतेई मेडिटेशन करते-करते इतने रोमांचित हो गए कि ध्यानावस्था में जोर-जोर से हंसने लगे। इस अद्भुत घटना के उपरांत ही लोग उन्हें लाफिंग बुद्धा के नाम से संबोधित करने लगे। घूमना-फिरना, देशाटन करना, लोगों को हंसाना व खुशी प्रदान करना लाफिंग बुद्धा का ध्येय बन गया। चीन में लाफिंग बुद्धा को पुताई के नाम से भी जाना जाता है। चीनी लोग उन्हें एक ऐसे भिक्षुक के नजरिए से देखते हैं, जो एक हाथ में धन-धान्य का थैला लिए, चेहरे पर खिलखिलाहट बिखेरे अपना बड़ा पेट और थुलथुल बदन दिखाकर सभी को हंसाते हुए सकारात्मक ऊर्जा देते हैं। वे समृद्धि व खुशहाली के संदेशवाहक और घरों के वास्तुदोष निवारण के प्रतीक भी माने जाते हैं। जापान जैसे देशों में लोग अपने बच्चों को प्रारंभ से ही हँसते रहने की शिक्षा देते हैं, ताकि उनकी भावी पीढ़ी सक्षम एवं तेजस्वी हो।

- ललित गर्ग

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

A fearless arbiter of justice

DISGUSTED as I am by the invectives, jibes and mostly false accusations hurled at each other by leaders of the BJP, the Congress and even smaller parties, I venture to write about a judge who has made me proud of being an Indian.Justice Gautam S Patel retired last week from the Bombay High Court. The farewell function was held in the Chief Justice's court, with all judges present. The protocol followed on this occasion was not the usual one, where the retiring judge sits with the Chief Justice to hear a case and the litigants and lawyers present constitute the audience. For Justice Patel, the protocol was shunned. The courtroom was packed to capacity with all judges of the High Court in attendance. Lawyers, too, were present in large numbers.

Justice S Muralidhar got a grand send-off when he was peremptorily shifted from the Delhi High Court to the Punjab and Haryana High Court overnight in March 2020. Lawyers lined the staircases from the Chief Justice's court to the ground floor to show a truly just and fearless judge that he was appreciated and that he would always be remembered with love and respect. Public servants loved and respected by their colleagues, staff members and the people at large are becoming a rarity. That is why we should celebrate the life and times of Justice Patel.

He was a true servant of the people. I first met him during a lecture by retired Supreme Court judge Sujata Manohar on the High Court premises. It's an annual affair in commemoration of her late father (Justice KT Desai). Justice Patel was the Secretary of the Bar Association at that time, and in that capacity had taken on the task of welcoming the guests.I learnt that he is the son of Shirish Patel, a well-known engineer and builder from Mumbai who is widely respected by members of my generation for his unfaltering concern for the wellbeing of the citizens of my city and his own. Only last year, Shirish had asked me to endorse a public appeal made by him to the local authorities to review their plan to redevelop the Bombay Development Department chawls in the heart of the city. He appealed for more open spaces for the residents, mainly the young who wanted playgrounds, another rarity today.

I was delighted when Gautam accepted his elevation to the Bench. Many successful lawyers prefer the lakhs of rupees they make in private practice to the public service of dispensing justice to litigants. He accepted the honour and the accompanying responsibility. He took the oath of office in 2013 and became an instant success with his unshakeable sense of fair play and compassion.My daughter, Ana, who uncannily picks up stories of good deeds that benefit the poor and the defenceless, recounted a story she had heard in Goa. There was Poonam, a backward-class girl in a Goan village who was the only member of her community who was educated. She had appeared in a test for a seat in the Goa Medical College, but had missed her chance by a whisker. Two months later, the student who was the last to squeeze in was debarred for submitting false documents. The college decided to keep the seat vacant because of the lapse of time between the start of the semester and the debarment.Justice Gautam S Patel retired last week from the Bombay High Court. The farewell function was held in the Chief Justice's court, with all judges present. The protocol followed on this occasion was not the usual one, where the retiring judge sits with the Chief Justice to hear a case and the litigants and lawyers present constitute the audience. For Justice Patel, the protocol was shunned. The courtroom was packed to capacity with all judges of the High Court in attendance. Lawyers, too, were present in large numbers.Justice S Muralidhar got a grand send-off when he was peremptorily shifted from the Delhi High Court to the Punjab and Haryana High Court overnight in March 2020. Lawyers lined the staircases from the Chief Justice's court to the ground floor to show a truly just and fearless judge that he was appreciated and that he would always be remembered with love and respect. Public servants loved and respected by their colleagues, staff members and the people at large are becoming a rarity. That is why we should celebrate the life and times of Justice Patel.another rarity today.

Decriminalisation of more offences the way forward

Many laws impinge upon individuals' freedom of action and are often either unenforceable or too costly to enforce.

IT was reported recently that the Haryana Government will take a final call on the decriminalisation of offences under about 235 Acts. These will be treated as civil offences and covered by administrative measures and other non-criminal penalties.Criminal sanctions have been traditionally viewed as society's moral condemnation of the defendant's behaviour and its "hatred, fear and contempt for the convict" (Henry M Hart, The Aims of Criminal Law). Criminal sanction has thus a stigmatising quality. In view of the proliferation of criminal laws, it is strongly felt by some criminologists and law-enforcement experts that laws should be reviewed with the objective of decriminalisation of many aspects of human behaviour. Apart from crimes against persons and property, there are several offences which fall in the realm of immorality, such as gambling, liquor consumption, and sexual pursuits like pornography and prostitution.

It is also seen that many of these laws impinge upon individuals' freedom of action and are often either unenforceable or too costly to enforce.

Norval Morris and Gordon Hawkins, in their book The Honest Politician's Guide to Crime Control, referred to the 'overreach' of the criminal law. They argued that the criminal justice system should be stripped of moralistic excrescences so that it can concentrate on the essential. Some criminologists opine that it is obligatory on the part of society to enforce morality through criminal sanctions. Conservative criminologists like HLA Hart (Law, Liberty and Morality) and Patrick Devlin, however, believe that public morality is the 'cement of society', which must be maintained in order to prevent social disintegration. It is difficult to consider some kinds of behaviour as immoral when there is no consensus about their harmfulness.

It is also felt that decriminalisation, in a large measure, is necessary to reduce the workload on the police. The police are working under great stress and are plagued by the shortage of manpower and other material resources.

There is considerable substance in the argument of advocates of decriminalisation that when the police are not able to devote adequate time to the investigation of important cases, they should not be burdened with probes into 'victimless' crimes. The police are indeed devoting an enormous amount of time and energy to the investigation of such cases without getting proportionate results.It is seen that many laws are criminogenic. Sometimes, laws create crimes by labelling and encouraging 'secondary deviance'. According to the labelling theory, the person who is arrested, prosecuted and convicted internalises the label of the criminal and proceeds to act out the role and commit crimes. The law also creates 'secondary deviance'. For instance, a drug addict takes to crime to keep up his habit because the drug is illegal and expensive.ecriminalisation has been proposed in certain areas of criminal law. Some criminologists and law enforcement experts are of the view that sexual activities between consenting adults in private should not be the subject of criminal law in cases of adultery, homosexuality, pornography and obscenity. The Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), which will soon replace the Indian Penal Code (IPC), has omitted adultery as an offence. The Supreme Court decriminalised adultery in a landmark judgment in Joseph Shine vs Union of India (2018). The IPC's Section 497, which exempts the woman from culpability as an abettor and puts the entire blame on the man, is not part of the BNS. However, the new statute's Clause 84 has retained the IPC's Section 498, which penalises a man for enticing the wife of another man so that she may have intercourse with any person.Under Section 377 of the IPC, homosexuality was both a non-cognisable and punishable offence. However, the apex court struck down Section 377 and decriminalised same-sex relations between consenting adults.The BNS has dropped Section 309 (attempted suicide) of the IPC. However, attempted suicide with the intent of preventing a public servant from carrying out his/her duty is still a punishable offence.

Sections 292 and 293 of the IPC state that by itself, possession of obscene material is no offence unless it is so possessed for the purpose of sale, hire, distribution, public exhibition and circulation. Section 293 prohibits the sale of obscene material to any person under the age of 20. In 1969, Denmark became the first country in the world to legalise pornography. Initially, there was a great rush for obscene material, but soon the craze faded and people did not pay much attention to pornographic books and other material freely available for purchase.

Similarly, perhaps, the time has come to think about decriminalisation of gambling by permitting it under licence. In Japan, law enforcement authorities focus on the activities of professional gamblers. No action is taken against betting for small sums of money. While decriminalising gambling, there should be essential safeguards; for example, no attempt must be made by people who indulge in gambling to use force or violence on anybody or entice juveniles into their group to further their activities.The drug menace has become a malaise afflicting many countries. Like a tidal wave, illegal drugs are invading the global market. In the US, there is a growing feeling that criminalisation of heroin has done more harm than good. Advocates of decriminalisation acknowledge that the drug is a destructive commodity which requires control. Decriminalisation means the removal of criminal penalties for the use of heroin, but narcotic trafficking would remain a crime. Drug addiction should be viewed as a health-related rather than a criminal problem.Similarly, cases registered under the liquor laws significantly increase the work on the police without solving the problem itself. There is a growing realisation that criminalisation is not an appropriate response to social and medical problems. Constant efforts are needed to decriminalise unenforceable laws to ease the pressure on the justice delivery system.

Delhi bomb scare

Need to crack down on cybercriminals

THE bomb threat emails received by about 200 schools in Delhi-NCR on Wednesday turned out to be a hoax, but the perpetrators succeeded in creating mass panic and disturbing public order. The emails sent students, parents and the authorities of schools into a tizzy, with the police and fire departments receiving a flurry of phone calls from the institutions. The campuses were swiftly evacuated and the premises were thoroughly searched, but nothing suspicious was found.

The incident has demonstrated the sheer audacity and expertise of cybercriminals, who are using the dark web — encrypted online content that allows users to hide their identity and location — for their nefarious purposes. It is suspected that the hoax is the handiwork of elements from across India's borders. Even as a probe is in progress, what has made things more difficult for the police are the false messages or fake news being circulated on WhatsApp. The police have requested the citizens to be wary of rumours or misinformation. This is the second such incident in less than a month. More than 20 schools in Kolkata had received bomb threat emails in early April.

Declaring that 'our aim is bloodbath', the senders had claimed that bombs had been placed in classrooms in various schools and would explode during the morning hours. That warning had proved to be a hoax, too.

The fact that several airports across the country received threatening emails earlier this week clearly shows that a pattern is being followed to cause nationwide pandemonium. With India in the midst of a General Election, security agencies and cybercrime cells need to work in close coordination and thoroughly probe every case to nail the miscreants. At the same time, there is a need for all to avoid panic and desist from mindlessly forwarding content on social media. Most importantly, criminal elements must not be allowed to disrupt the poll process in any way.

Autocratisation poses a threat to democracy

The theory of autocratisation alerts us to the fact that political practices and policies cannot be divided into neat compartments.

AROUND 35 years after the fall of the Berlin Wall and the collapse of socialist societies — when Francis Fukuyama triumphantly declared that the future belonged to liberal democracy and the West proceeded to mandate global norms of democracy — we are witnessing waves of autocratisation in the Netherlands, Hungary, Italy, Burundi, Israel, Russia and India.The V-Dem (Varieties of Democracy) Institute, based at the University of Gothenburg, Sweden, stated in its 2024 democracy report that India was one of the worst autocratisers. The country had been downgraded by V-Dem to the status of an 'electoral autocracy' in 2018. Democracy in the country, stated the report, has declined even further on multiple metrics. V-Dem reports categorise countries into four regime types based on their score on the liberal democratic index: liberal democracy, electoral democracy, electoral autocracy and closed autocracy. The report states that 71 per cent of the world's population (5.7 billion people) lives in autocracies. This represents a sharp increase from 48 per cent 10 years ago. A major decline in democracy has taken place in eastern Europe and South and Central Asia. The level of liberal democracy enjoyed by the average Indian is now reportedly down to the levels of 1975, ie, the Emergency.According to the report, a country falls into the category of liberal democracy when it institutionalises free and fair elections, ensures judicial independence, establishes robust constraints on executive overreach, rigorously safeguards civil liberties and upholds equality before the law. The government in India has occasionally used laws on sedition, defamation and counterterrorism to silence critics. A third electoral term for the BJP government "could lead to further autocratisation, given the already substantial democratic decline under Modi's leadership and the enduring crackdown on minority rights and civil society," the V-Dem report says.Autocratisation is diametrically opposite to democratisation or the process of deepening democracy. It signifies that today, democracy does not die in military coups, as in Chile in 1973, or through election malpractices. Autocrats now consider sudden takeovers of power politically imprudent. The use of violence to take over the government and the consequent loss of lives provoke outbreaks of outrage and resistance, or, at the least, simmering discontent. Democracy dies when governments slowly but surely subvert institutions that realise and protect democracy to a point where only elections remain. Multi-party elections are held, but under conditions that are palpably unfair. Above all, autocratisation implies a massive concentration of power in the chief executive. Elected executives weaken checks and balances and implement measures to prevent the Opposition from challenging power.Crucially, the substantial decline of core institutions and practices of democracy takes place under the guise of legal proprieties. The process is prolonged, measured and opaque. Contemporary autocrats have perfected the art of eroding democratic institutions while maintaining democratic façades. Piecemeal changes are cloaked in appeals to hyper-nationalism and majoritarianism and through anti-minority and anti-immigrant rhetoric.Autocratisation is a process, not a predestined end to full-blown authoritarianism. The outcome of the process cannot be predicted. We cannot assume whether there will be a complete democratic breakdown or a return to democracy.

Politics is chancy, contingent and unpredictable. Miracles can happen, perhaps. Elections, even if held under unfair conditions, can either kindle the democratic spirit, or spur the stabilisation of authoritarian regimes.

What is crucial is the ability of citizens to comprehend the gradual withering away of democracy to the point where the vote is the only weapon available to them. Nevertheless, the power of the vote gives us hope. Perhaps competition between different agendas might enable us, once again, to become what we are meant to be — Aristotle's Zoon Politikon (political animal). Perhaps the autocrat will be deterred by the fact that the idea and ideals of democracy have become the standard for judging existing regimes. After all, after the end of the Cold War, democracy, as a global norm, has been increasingly shaping expectations.Finally, the theory of autocratisation alerts us to the fact that political practices and policies cannot be divided into neat compartments: democracy vs authoritarianism or dictatorship or fascism. There are elements of authoritarian rule in a democratic government. And autocrats or aspiring autocrats hesitate to adopt policies that draw international condemnation or lead to an uprising within the country.India, despite the whittling away of democratic norms and institutions, has seen at least two major social movements in recent times that have challenged political power. There were massive protests led by university students against the Citizenship Amendment Act in December 2019. In the year that followed, farmers assembled at the borders of the national capital to protest against laws that allegedly favoured the corporate sector. Today, Adivasis are opposing the transfer of their land by the government to corporates. The crucial issue of who owns land in the country is being fought in the apex court. Activists and eminent legal personalities won a court battle against electoral bonds. And thousands of Indians wrote to the Election Commission to call out the objectionable language used by the PM to describe our fellow citizens amid the Lok Sabha elections. India has been and will continue to be a home for a million mutinies. We have experienced the process of autocratisation. Whether the powers that be will or will not achieve their objective of establishing a closed autocracy depends on our vote.

Elon Musk's Tesla files trademark infringement case against Gurugram-based Tesla Power

Tesla is incorporated in Delaware, United States and has accused the Indian company of using trade names "Tesla Power" and "Tesla Power USA".

NEW DELHI. Elon Musk's electric vehicle (EV) maker Tesla Inc filed a trademark infringement case against Gurugram-based Tesla Power India Ltd amid discussions of Tesla's entry into India, a Delhi High Court record showed on Friday.sla is incorporated in Delaware, United States and has accused the Indian company of using trade names "Tesla Power" and "Tesla Power USA".In its defence, Tesla Power told the court that the company has no intention to manufacture EVs "at all" and will not market other entities' EVs as well under their trademark and tradename 'Tesla Power USA' or any other brand deceptively similar or use the word 'Tesla'.The carmaker told the court that it discovered the Indian company was using its brand name in 2022 and tried to stop it from doing so, forcing it to file the lawsuit."..a cease-and-desist notice was sent on 18th April 2022 to the defendant (Tesla Power)..since defendants continued to advertise and market their goods, the present suit was filed," Tesla Inc told the court as per the record copy. The Delhi High Court judge allowed the Indian firm three weeks to submit written responses after it handed over a set of documents in support of its defence, the court record showed. The next hearing of the case has been set for May 22.The case comes after Musk cancelled his much awaited visit to India on April 21 to meet Prime Minister Narendra Modi. A week later, Musk made a surprise visit to China to push for an advanced driver assistance package.

Quoting a Tesla Power representative, Reuters reported that it has been present in India much before Musk's Tesla and had all government approvals.To attract investments into the EV space, the Centre has lowered import duties to 15 per cent from 100 per cent for models of electric cars with a combined cost, insurance, freight prices of $35,000 or above for five years, a key precondition for Tesla's entry to test out the "market potential" in India.

RBI lowers margin funding limits to 30% from 50%

MUMBAI. Following the stock exchanges reducing the trade settlement time from two days to one day, (T+1) and now in select equities T+0, the Reserve Bank on Friday reduced the maximum risk to the custodian banks issuing irrevocable payment commitments (IPCs) to 30% from the existing 50%.The monetary authority in a notification to all commercial banks said the move is on the assumption of downward price movement of the equities bought by foreign institutional investors/mutual funds on the two successive days from the trade date.The notification further said the risk mitigation measures prescribed in the December 2011 circular were based on T+2 rolling settlement for equities. But since stock exchanges have now introduced T+1 rolling settlement, the extant guidelines on IPC issuance have been reviewed.

Henceforth, all IPCs issued by custodian banks under the T+1 settlement cycle the clause giving banks an inalienable right over securities to be received as payout in any settlement will not be insisted if the transactions are pre-funded.The notification further said, "the maximum intraday risk to banks issuing IPCs will be reckoned as capital market exposure at 30% of the settlement amount assuming 20% downward price movement of the equities on T+1, with an additional margin of 10 per cent for further downward price movement."In the margin money is paid in cash, the exposure will be reduced by the amount of the margin paid.

Adani Green net profit declines 39 per cent to Rs 310 crore

NEW DELHI. Adani Green Energy Ltd (AGEL) on Friday reported a 38.85% fall in consolidated net profit to Rs 310 crore for the March quarter, mainly on account of increased expenses.Net profit stood at Rs 507 crore in the January-March period of the preceding 2022-23, the company said in an exchange filing. During the fourth quarter of FY24, the company's total income fell to Rs 2,806 crore from Rs 2,977 crore a year ago

Expenses increased to Rs 2,379 crore during the period under review, as against Rs 2,053 crore in the year-ago period. In a separate statement, the company said its operational capacity grew at 35% YoY to 10,934 MW with greenfield addition of 2,848 MW renewable capacity, including 2,418 MW solar and 430 MW wind projects. With this, AGEL became the first company in India to cross the 10,000 MW renewable energy capacity.

Titan reports 5 per cent rise in net profit to Rs 771 crore

NEW DELHI. Titan Company on Friday registered a 5% rise in consolidated profit after tax to Rs 771 crore for the March quarter.The company posted a profit after tax (PAT) of Rs 736 crore in the year-ago period. Total income rose to Rs 11,472 crore during the period under review from Rs 9,419 crore in the fourth quarter of the 2022-23 financial year. For the year ended March 31, 2024, the company posted a consolidated PAT of Rs 3,496 crore as compared with Rs 3,274 crore in FY23.

Total income for FY24 stood at Rs 47,501 crore as compared with Rs 38,675 crore in the 2022-23 fiscal.

"As we look forward to FY25, all businesses of the company are single-mindedly continuing to focus on satisfying the ever-evolving needs of our lifestyle consumers," Titan Company MD C K Venkataraman said.

Follow The New Indian Express channel on WhatsApp

MRF net profit increases 16 per cent to Rs 396 crore

NEW DELHI. Tyre maker MRF on Friday reported a 16% rise in its consolidated net profit at Rs 396 crore for the fourth quarter ending March 2024. The company had reported a net profit of Rs 341 crore for the January-March quarter of the preceding fiscal.

Revenue from operations rose to Rs 6,349 crore in the last fiscal as against Rs 5,842 crore in 2022-23. For the entire financial year ended March 2024, the tyre maker said its net profit stood at Rs 2,081 crore as compared to Rs 769 crore in FY23.Revenue from operations increased to Rs 25,169 crore in FY24 as compared to Rs 23,008 crore in FY23. The company said its board has recommended a final dividend of Rs 1,941 per share of Rs 10 each. The company has already paid two interim dividends of Rs 31 per share each time for the financial year ended March 2024.

Forex reserves fall for 3rd week, decline $2.4 billion

MUMBAI. India's forex reserves dropped $2.4 billion to $637.9 billion as on April 26, the third consecutive weekly decline in reserves, RBI said on Friday. In the previous reporting week, overall reserves had declined $2.3 billion to $640.3 billion.For the week ended April 5, reserves had hit an all-time high of $648.6 billion following multiple weeks of increases. The earlier high of $642.5 billion achieved in Sept 2021 got surpassed in March this year.

For the week ended April 26, foreign currency assets — a major component of the reserves — decreased $1.2 billion to $559.7 billion, the data showed. Expressed in dollar terms, foreign currency assets include the effect of appreciation or depreciation of non-US units like euro, pound and yen held in the foreign exchange reserves. Gold reserves decreased $1.3 billion to $55.5 billion during the week, RBI said. The special drawing rights were up $15 million to $18 billion, RBI said.

State-run BSNL loses 18 million customers in FY24

NEW DELHI. State-owned telecom service provider Bharat Sanchar Nigam Limited (BSNL) lost 18 million customers in the last financial year (FY24), bringing its customer base to 88.06 million.

According to the Telecom Regulatory Authority of India (TRAI), BSNL lost 2.3 million customers in March 2024 alone. With this loss, the state-owned telecom service provider becomes the second telecom operator in the country after Vodafone Idea Limited (VIL), which has not been able to arrest its subscriber depletion. Industry experts attribute this decline to a lack of investment in network upgrades, as BSNL is yet to roll out its high-speed 4G and 5G networks for its customers.

BSNL lost 2.3 million customers in March 2024, followed by Vodafone Idea Limited (VIL), which lost 0.68 million in the same month. On the other hand, both Reliance Jio and Bharti Airtel gained customers, with 2.14 million and 1.76 million new customers, respectively.The market share of BSNL has also come down to 7.57% as of March 2024, while its competitors, private telecom service providers, are cementing its position. According to TRAI, Reliance Jio becomes the largest telecom service provider with a 40.30% in the country, followed by Bharti Airtel with a 33.10% and Vodafone Idea with an 18.86% of the telecom market share.

Throughout the year, the staeowned telecom service provider was not able to stop its subscriber loss.

TRAI data reveals that in April 2023, BSNL experienced its highest-ever customer loss, with 2.99 million subscribers leaving its network, followed by 2.81 million in May 2023.

India's Forex Reserves Fall $2.41 Billion to $637.92 Billion; 3rd Consecutive Weekly Decline

NEW DELHI. In the third consecutive weekly decline, India's forex reserves dropped $2.412 billion to $637.922 billion during the seven days ended April 26, according to the RBI data. In the previous reporting week, the overall foreign exchange reserves had declined $2.28 billion to $640.33 billion.

For the week ended April 5, the forex reserves had hit an all-time high of $648.562 billion following multiple weeks of increases. The earlier high of $642.453 billion achieved in September 2021 got surpassed in March this year.

For the week ended April 26, the foreign currency assets — a major component of the reserves — decreased $1.159 billion to $559.701 billion, the data released on Friday showed.

Expressed in dollar terms, the foreign currency assets include the effect of appreciation or depreciation of non-US units like the euro, pound and yen held in the foreign exchange reserves.

Gold reserves decreased $1.275 billion to $55.533 billion during the week. The special drawing rights (SDRs) were up $15 million to $18.048 billion, said the RBI.India's reserve position with the IMF was also up $8 million to $4.639 billion in the reporting week, the apex bank data showed.Amit Goel, co-founder and chief global strategist at Pace 360, said, "In late April, India's foreign exchange holdings declined by $2.41 billion, mostly due to the downward revaluation of gold and foreign currency assets. Gold reserves decreased by $1.28 billion, while foreign currency assets dropped by $1.16 billion."Foreign institutional investors (FIIs) have been selling Indian equities, with net sales of more than $4 billion in April. This has been largely offset by Foreign Direct Investment (FDI) inflows and inflows from Foreign Portfolio Investors (FPIs) in the Indian bond market, he added.Sanjeev Agrawal, president of PHD Chamber of Commerce and Industry, said "Amid the geopolitical challenges and uncertain global economic climate, India's foreign currency reserves stand intact at $637 billion bolstered by strong economic growth trajectory, attractiveness to international investors and robust export growth trajectory."

Sensex, Nifty decline one per cent as investors book profit at peak

NEW DELHI: Domestic equity market fell sharply on Friday, ending deep in the red amid broad-based profit booking at record high level. Benchmark index BSE Sensex shed 733 points, or 0.98%, to end at 73,878 while Nifty50 closed the session 173 points or 0.76% lower at 22,476.

The Sensex had plunged 1,143 points intraday to hit the day's low of 73,468, while the Nifty50 fell below the 22,350 mark. "Profit booking and a degree of caution ahead of the release of the US non-farm payroll resulted in selling pressure in the market. However, the absence of significant negative surprises in Q4 earnings thus far, along with a decline in oil prices, might help to mitigate the downside," said Vinod Nair, head of research, Geojit Financial Services.

Nair added that though the correction was broad-based, the large-cap stock was the key underperformer due to the moderation of FII's exposure to the domestic market. Foreign institutional investors' net sales from local

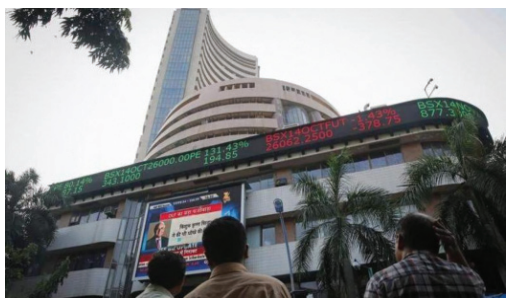

equities stood at 2,392, as per provisional NSE data.Twenty-four of the 30 Sensex stocks, and 35 of the 50 Nifty shares closed in the red on Friday, led by L&T, Maruti Suzuki, Reliance Industries, Nestle India, JSW Steel, and Bharti Airtel. In the broader markets, BSE MidCap and SmallCap indices declined 0.2% and 0.55%, respectively. The overall market capitalisation of BSE-listed firms fell more than Rs 2.3 lakh crore to nearly Rs 406.2 lakh crore.Prashanth Tapse of Mehta Equities said geopolitical tension would make headlines again giving traders an option to go short on markets."Overall, the Q4 earnings are ranging from neutral to positive and are not particularly impressive. There are some reports indicating that Foreign Institutional Investors (FIIs) have decreased their holdings in large-cap stocks such as HDFC Banks andITC. In the short term, the trend remains cautious, with the focus shifting towards new geopolitical developments. Hence, we advise traders to remain light on positions," added Tapse.

'Apple logs double-digit revenue growth in India'

NEW DELHI. Strong growth in India continued to reap rich dividends for Apple as CEO Tim Cook said the company is "very, very pleased" after scoring a double-digit revenue growth here.

Cook spoke about Apple's growing engagement in India across retail functions and developer ecosystem as he pointed to sustainability efforts initiated by the company in water conservation.

On growth in India, Cook said, "We did grow strong double-digit. And so, we were very, very pleased about it. It was a new March quarter revenue record for us. As you know, as I have said before, I see it as an incredibly exciting market and it's a major focus for us."Apple is growing sales channels in the country, apart from engaging deeper with the developer ecosystem, says Cook. He had visited India last year to inaugurate two company-owned stores. He also met PM Narendra Modi and other partners.

"We just opened a couple of stores last year, as you know, and we see (an) enormous opportunity there. We're continuing to expand our channels, and also working on the developer ecosystem as well. And we've been very pleased that there is a rapidly-growing base of developers there. And so, we're working on entire ecosystem from developer to market to operations, the whole thing. And I just — I could not be more excited and enthusiastic about it."

Apple has seen fast adoption of its products in India as the company sells across channels — both offline and online. The adoption has been enabled by growing product finance opportunities, as well as lucrative buybacks, at the level of retail.

he company is also helped by higher production within India where Foxconn, Tatas and Pegatron are manufacturing locally. This makes the products competitive. "In terms of the operational side or supply chain side, we are producing there, from a pragmatic point of view, you need to produce there to be competitive," Cook said.As Apple moves production out of China, India seems to be a clear beneficiary. The company is understood to have had a record production of $14 billion in India last year, with a bulk of the output being exported. Apple said it is also working with partners in India and US to replenish 100% of water it uses in places that need it most, "with the goal of delivering billions of gallons of water benefits over next two decades." Globally, Apple posted a quarterly revenue of $90.8 billion, down 4% year-on-year. For second quarter, iPhone sales fell 10% to $45.9 billion.

No relief from intense heat in Andhra Pradesh, Bihar, Odisha as mercury soars

▸Intense heatwave spell affecting east India and parts of the southern peninsular region continued unabated, with temperatures settling above 44 degrees Celsius in at least 13 places.

New Delhi: Parts of the country are reeling under intense heat with the temperature rising to 43 to 46 degrees Celsius in many places, prompting the government to issue health warnings.Intensely hot conditions prevailed in parts of Gangetic West Bengal, Odisha, Telangana, Andhra Pradesh and Tamil Nadu.The India Meteorological Department has said the ongoing heatwave spell in east and south peninsular India will continue until May 5-7 and abate thereafter.

"Maximum temperatures settled in the range of 43-46 degrees Celsius in parts of Andhra Pradesh, Telangana, Odisha, Vidarbha, Madhya Maharashtra and 40-43 degrees in parts of Gangetic West Bengal, Marathwada and north interior Karnataka, Rajasthan, Uttar Pradesh, Jharkhand, Chhattisgarh, Madhya Pradesh and Gujarat," the IMD bulletin read.The weather office on Wednesday said above-normal maximum temperatures are likely over most parts of the country in May and a significantly high number of heatwave days expected over the northern plains, central region and adjoining areas of peninsular India.April witnessed record-smashing maximum temperatures in east, northeast and southern peninsular India, prompting health warnings from government agencies and some states to suspend in-person classes in schools.IMD data shows that heat waves this April were far worse than in 2023, the warmest year on record so far.This trend is likely to continue in May, with around eight to 11 heatwave days predicted over south Rajasthan, west Madhya Pradesh, Vidarbha, Marathwada and the Gujarat regions.India witnessed two spels of heat waves in April - from April 5 to 7 and April 15 to 30.The IMD attributed the prolonged heatwave spell over east, northeast and south peninsular India in April to the absence of thunderstorms and an anticyclone at lower levels over the west central Bay of Bengal and the adjoining eastern coasts of India.This caused the sea breeze to cut off over Odisha and West Bengal on most days.

Telangana top cop questions Rohith Vemula closure report, hints at further probe

New Delhi: Hours after the Telangana Police's closure report on Hyderabad student Rohith Vemula's sucide case, the state's Director General of Police (DGP), Ravi Gupta, alleged discrepancies with the report and said he would request the court's intervention in the case.He also said he would request the magistrate to permit further investigations.Speaking exclusively to India Today TV, the official said, "There are some doubts with the report. We will request the court to look into the case."

"We will find out if the investigation officer did not bring other information to the notice of the higher authorities," he said.On Friday, the Telangana Police, in its closure report in the case, claimed Vemula was not a Dalit and died by suicide in 2016 as he feared that his "real caste" would be discovered.In its closure report, the police also gave a clean chit to the accused, citing a lack of evidence.Meanwhile, Rohith Vemula's family on Friday said it will legally contest the Telangana Police's closure report in his 2016 suicide case.His brother Raja Vemula claimed the district collector had to decide on the family's Scheduled Caste (SC) status, prompting the police to say that they would conduct a further investigation.Raja Vemula also said that they plan to meet Telangana Chief Minister A Revanth Reddy on the matter, news agency PTI reported.Police chief Gupta said the investigation officer in the case was the Assistant Commissioner of Police, Madhapur, and that the final closure report was prepared before November, based on the investigation conducted.The final closure report was officially filed in the jurisdictional court on March 21 by the investigation officer, he said in the statement, the report said.

Eye on modernising submarine fleet, Indian Navy floats Rs 60,000 Crore tenders

New Delhi: With the aim of modernising the country's existing conventional submarine fleet, the Indian Navy has kicked off trials for making highly advanced submarines by floating a Rs 60,000 crore tender.The Indian Navy has started trials of the competing teams including Larsen and Toubro and Mazagaon Dockyard Limited.The Rs 60,000 crore contract is to build six stealth submarines equipped with Air Independent Propulsion (AIP) technology, enabling prolonged underwater operations.

The trials of the German submarine's Air Independent Propulsion system were conducted in Kiel in the last week of March in Germany, defence officials informed India Today.The German side has tied up with the Defence Ministry owned MDL, they said. The competition is to construct stealth submarines for India's programme in collaboration with Germany and Spain.The next series of trials would be held in June at the Spanish Navy facility.Spanish Navantia and India's Larsen and Toubro are partners for this mega project.

India intends to build these submarines under the Make In India programme and Indian firms are expected to get over Rs 30,000 crore worth of business thanks to the defence project.

Delhi Court Orders Action Against Spurious Oxytocin Use In Dairy Colonies

New Delhi: The Delhi High Court has issued directives to combat the use of spurious Oxytocin hormone in the dairy colonies across the national capital, stressing the need to address animal cruelty and public health concerns.A division bench comprising Acting Chief Justice Manmohan and Justice Manmeet P.S. Arora ruled that administering Oxytocin without proper authorisation constitutes an offence under the relevant legislation.

The bench was dealing with a plea alleging violations of various laws in Delhi's dairy colonies, filed by Sunayana Sibal, Asher Jessudoss, and Akshita Kukreja.

The court asked the Department of Drugs Control, GNCTD, to conduct regular inspections and ensure that cases of spurious Oxytocin usage or possession are registered under the pertinent laws.Moreover, the Intelligence Department of the Delhi Police has been tasked with identifying the sources of Oxytocin and taking legal action against the offenders.The plea pointed to the necessity of relocating dairies to areas with adequate infrastructure and sanitary conditions to safeguard public health and prevent animal cruelty.Expressing concern over the dairies located near the landfill sites, the court stressed the urgency of relocating such facilities due to potential health hazards posed by contaminated feed and milk.While acknowledging the need for relocation, the court deferred issuing binding directives pending further consultation with the relevant officials. The court also directed the key officials from the municipal bodies, veterinary departments, and food safety authorities to participate in the proceedings on May 8.Officials have been tasked with exploring suitable relocation sites and coordinating efforts to address the complex issues surrounding dairy operations in Delhi.

Lok Sabha Polls: 1st Third Gender Candidate Files Nomination From Delhi

New Delhi: The first third gender candidate so far in the Lok Sabha polls in the national capital, filed his nomination papers from the South Delhi constituency on Friday.26-year-old Rajan Singh, wearing a dhoti, cap and gold jewelleries, reached alone for filing nomination papers at the office of the returning officer of South Delhi in "I am contesting this election to draw the attention of people as well as the authorities towards the problems faced by the third gender persons due to lack of separate civic amenities for them and also for their social acceptance and rights," Rajan Singh told PTI.

Rajan Singh, a native of Bihar, lives in Sangam Vihar area of the city."I want the government to set up a national trans-gender commission so that our basic needs and necessities, such as separate washrooms and queues at government offices and service providers, and also at least one per cent reservation in jobs and education could materialise," Rajan Singh said.Rajan Singh has declared assets of ? one lakh cash in hand and total movable assets worth ? 15.10 lakh, including 200 gm gold and more than ? 10,000, in a bank account.Rajan Singh declared no immovable assets in the poll affidavit."My father was an electrician when we shifted to Delhi from Bihar in 2010. Life is tough for everyone, but for us it is tougher as we also have to fight for our identity, acceptance and equal rights." Rajan Singh claimed it took three years to have an identity certificate because of lengthy procedure and said males and females do not have to provide any gender proof.

The filing of nomination papers for the Lok Sabha polls is an effort to make the presence of a third gender felt by the people and draw attention of the voters towards their rights, Rajan Singh said."If I win, I will address basic needs for the third gender," Rajan Singh said pointing there are even animal welfare boards for their protection but there is no such arrangement for the third gender people.The third gender have been recognised on official papers but they are yet to be accepted by the society, Singh said questioning why there were no leaders in any major political.

Consider Changes In Law To Avoid Misuse Of 'Cruelty Against Women' Clauses: Supreme Court

New Delhi: The Supreme Court on Friday asked the Centre to consider making necessary changes in sections 85 and 86 of the Bharatiya Nyaya Sanhita to avoid its misuse for lodging false or exaggerated complaints after taking into consideration the pragmatic realities.Section 85 of the Bharatiya Nyaya Sanhita states, "Whoever, being the husband or the relative of the husband of a woman, subjects such woman to cruelty shall be punished with imprisonment for a term which may extend to three years and shall also be liable to fine." Section 86 expands the definition of "cruelty" to encompass both mental and physical harm to a woman.The top court said it had asked the Centre 14 years ago to have a relook at the anti-dowry law as exaggerated versions of the incident are reflected in a large number of complaints.A bench of justices JB Pardiwala and Manoj Misra said it looked into sections 85 and 86 respectively of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, which is to come into force with effect from July 1, so as to ascertain whether the Legislature has seriously looked into the suggestions of the court."The aforesaid is nothing but verbatim reproduction of Section 498A of the IPC. The only difference is that the Explanation to Section 498A of the IPC, is now by way of a separate provision, i.e., Section 86 of the Bhartiya Nyaya Sanhita, 2023," the bench said."We request the Legislature to look into the issue as highlighted above taking into consideration the pragmatic realities and consider making necessary changes in Sections 85 and 86 respectively of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, before both the new provisions come into force," it added.The observation from the court came while quashing a dowry harassment case filed by a woman against her husband.According to the FIR lodged by his wife, the man and his family members allegedly demanded dowry and caused mental and physical trauma to her.The FIR said the woman's family had spent a large sum at the time of her wedding and also handed over her "streedhan" to the husband and his family.However, shortly after the wedding, the husband and his family started harassing her on the false pretext that she had failed to discharge her duties as a wife and daughter-in-law and pressuring her for more dowry.The bench said a plain reading of the FIR and the charge sheet indicates that the allegations levelled by the woman are quite vague, general and sweeping, specifying no instances of criminal conduct.The top court directed the registry to send a copy each of this judgment to the Union law and home secretaries, to the government.

In Pics: Crisis-Hit Manipur's Meitei Community Holds Solidarity Meet In Delhi, Seeks Justice

The community appealed to all the elected representatives of Manipur to work together with the people by taking steps towards reconciliatory efforts with the sole mission of bringing a lasting peace

New Delhi: The Meitei community of violence-hit Manipur held a protest demanding justice in Delhi's Jantar Mantar on Friday, the day ethnic violence broke out with the Kuki-Zo tribes last year.The community appealed to all the elected representatives of Manipur to work together with the people by taking steps towards reconciliatory efforts with the sole mission of bringing a lasting peace and harmonious co-existence in Manipur.lence has shown that intimidation and bloodshed cannot solve any problem. It is only through dialogue that lasting peace can be achieved. But peace has to come hand in hand with justice. We have to strive for just peace. Otherwise we cannot have lasting peace," professor Bhagat Oinam said.

Rohan Philem, a social activist, said, "Yes to peace, but no to separate administration. Yes to solidarity, but no to the so-called Kukiland. I stand with Christians, but not with the Kukiland war mongers."Members of the Meitei community maintain they do not seek any control of the hills where the Kuki tribes are settled.

The influx of foreign infiltrators, however, has caused massive unnatural growth of villages in Kuki-dominated hill districts where Meeteis are not granted land rights and controls, they said.

Poppy plantation of tens of thousands of acres of forest reserves has caused irreversible deforestation in an uncontrolled manner and the poppy trade has infused tens of thousands of crores of narcotics-funded activities that affect Manipur and the rest of India, the organisers of the solidarity gathering said in a statement."Through the call for justice cry, we seek justice from both the state and central government for those who have suffered immensely from the year-long crisis," they said."The propaganda of lies has unfairly portrayed the Meiteis who are the real victims of cross-border terrorism as culprits. They have been misrepresented, humiliated, targeted, unprotected, and denied timely justice," the organisers said.The organisers comprised DeMaS, Delhi Meetei Coordinating Committee, Global Manipur Federation, Karnataka Meitei Association, Meetei Yaipha Lup, Meitei Alliance, Meitei Diaspora in America, Meitei Heritage Society, NUPI, Souls Offered Unitedly for a Lustrated Society, ?Team Meitei Personalities, and World Meetei Council.

NEWS BOX

Star Wars' actor Mark Hamill drops by White House to visit 'Joe-bi-Wan Kenobi'

Washington Star Wars' actor Mark Hamill dropped by the White House on Friday for a visit with President Joe Biden and walked away with a pair of the President's aviator sunglasses and a greater respect for the office.

"I love the merch," he said, taking off his glasses during a quick appearance at the White House daily press briefing following his visit with Biden.Hamill, 72, famous for playing Luke Skywalker, kidded with reporters that he'd take a few questions, as long as they weren't about "Star Wars"."I was honoured to be asked to come to the White House to meet the president," he said. He's been to the White House before, during the Carter and Obama administrations, but he'd never checked out the Oval Office, and that was quite something, he said.Biden showed off photographs and other Oval Office items, Hamill said.Hamill said Biden told him to call him "Joe", to which Hamill offered an alternative suggestion: "Can I call you Joe-bi-Wan Kenobi?""He liked that," said Hamill, who also voiced the Joker in 'Batman: The Animated Series'.

Both Hamill and the White House were vague about his reason for visiting. But Hamill, a Democrat and Biden supporter with a huge social media following, has been posting about the president's re-election campaign this week.May The First Not Quench Your Thirst For Biden's Re-election!" he wrote on May 1.

On Friday he posted, "May The Third Be Absurd That The Guy Who Tried To Steal A Fair Election Is Allowed To Run Again", a reference to Donald Trump and his efforts to overturn the 2020 presidential election.May 4th is unofficially "Star Wars" Day, in part because of the famous Jedi phrase "May the force be with you". The pun goes, "May the fourth be with you."Hamill also lent his voice to "Air Alert", a downloadable app linked to Ukraine's air defence system. His voice urges people to take cover whenever Russia unleashes another aerial bombardment on Ukraine.

Clash at Gaza stir at University of Chicago, counter-protesters chant 'USA'

World Police officials entered the University of Chicago on Friday to separate protesters after two groups clashed on campus. The development came hours after pro-Palestine protesters at the University of Chicago were asked to remove their encampments.

As per local media reports, the university president had said the encampment had run afoul of university policies.The clashes were reported on the Main Quad of the Hyde Park campus.According to CBS News, the protesters are part of a nationwide movement calling for immediate divestment from countries profiting from Israeli business amid the war in Gaza.

A video shared on X showed protesters at the University of Chicago chanting 'Born in the USA' as they waved the flags of their country.The sloganeering reportedly took place while Muslims had gathered for prayers.The Chicago Maroon student newspaper reported several Chicago Police squad cars were parked on Ellis Avenue, about a few hundred yards west of the quad, on Friday afternoon.

Following reports of some 'physical alterations', the university community received a warning advising all on campus to avoid the Main Quad.

No injuries were reported.

Anti-war demonstrations ceased this week at a small number of US universities after school leaders struck deals with pro-Palestinian protesters, fending off possible disruptions of final exams and graduation ceremonies.

Agree to Gaza truce in a week or face Rafah op, Israel warns Hamas

World In its latest warning to Hamas, Israel has given the Palestinian Islamist group one week to agree to a Gaza ceasefire deal or else it will go ahead with the Rafah military operation, Egyptian officials told The Wall Street Journal on Friday. Egypt along with Qatar and the US are leading efforts to mediate between Israel and Hamas, and reach a deal for a Gaza truce, in an attempt to bring to an end the war ongoing since October 7.

Hamas, meanwhile, said on Friday it was sending a delegation to Egypt's capital Cairo to discuss a ceasefire deal and the release of hostages held in Gaza, hours after US CIA director William Burns arrived in the city, news agency Reuters reported, citing Egyptian sources.

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu has vowed to conduct a military operation in Rafah, despite constant warnings from US President Joe Biden and other western officials that it would lead to more civilian deaths and a worse humanitarian crisis.Here are the top 5 developments in the Israel-Hamas war:

Hamas and CIA officials will meet Egyptian mediators on Saturday, an Egyptian source told news agency Reuters. The Palestinian Islamist group said its delegation were rravelling to Cairo in a "positive spirit" after studying the latest proposal for a Gaza truce agreement. "We are determined to secure an agreement in a way that fulfils Palestinians' demands," Hamas said in a statement.

A US official said the country believed there had been some progress in ceasefire and hostage release talks but was still waiting to hear more. Furthermore, Israel this week briefed US President Joe Biden's administration on a plan to evacuate Palestinian civilians ahead of a potential Rafah assault, The Associated Press reported.

Axios reported, citing senior Israeli officials, that they saw "early indications" of Hama agreeing to the first stage of the truce deal. This involves the release of women, children, the elderly and sick hostages - even without an Israeli commitment to end the war, but with fewer hostages to be freed in exchange for more Palestinian security prisoners.However, another senior Israeli official told The Times of Israel that Israel has yet to hear that Hamas has agreed to retreat from its "maximalist positions".The United Nations has warned that an Israeli military operation in Gaza could be a "slaughter of civilians and an incredible blow to the humanitarian operation" in the Strip since it's mainly run out of the southern Gazan city. Aid operations in Rafah include medical clinics, warehouses filled with humanitarian supplies, food distribution points and 50 centres for acutely malnourished children, the UN added.A top UN official said on Friday that northern Gaza was now in "full-blown famine" after over six months of war and severe Israeli restrictions on food deliveries to the Palestinian territory. "It's horror," Cindy McCain, the American director of the UN World Food Program told NBC.

Donald Trump's ex-aide testifies he told her to deny affair with porn star

Hope Hicks, a former top aide to Donald Trump, testified on Friday that he told her in the final days of the 2016 presidential election to deny that he had a sexual relationship with porn star Stormy Daniels.

World Hope Hicks, a former top aide to Donald Trump, testified on Friday that he told her in the final days of the 2016 presidential election to deny that he had a sexual relationship with porn star Stormy Daniels.Hicks' testimony gave jurors an inside look at the campaign's damage-control efforts when Trump faced multiple accusations of unflattering sexual behavior in the waning weeks of his successful White House campaign.Trump has pleaded not guilty to charges of falsifying business records to cover up a $130,000 payment made at that time to Daniels, who was threatening to go public with her story of their 2006 sexual encounter.Hicks testified that she told Trump four days before the November 8, 2016, election that the Wall Street Journal would publish details of Daniels' story."He wanted to make sure that there was a denial of any kind of relationship," said Hicks, who served as campaign press secretary.She said Trump did not want his wife Melania to see the story, which also included allegations that he had an affair with former Playboy model Karen McDougal. Trump has denied having sex with either woman"He was concerned about how it would be viewed by his wife, and he wanted me to make sure the newspapers

weren't delivered to the residence that morning," Hicks said.Prosecutors in the first criminal trial of a former US president argue that the payment to Daniels corrupted the election by suppressing news that could have influenced voters as they decided whether to back the Republican Trump or Hillary Clinton, then his Democratic rival.

Prosecutors say Trump falsified records to cover up election-law and tax-law violations, which elevates the 34 counts he faces from a misdemeanor to a felony punishable by up to four years in prison.

Hicks' testimony could help Trump's lawyers make their case that he paid off Daniels to keep his wife, not voters, from hearing the adult film star's allegations.

She said Trump told her that his personal lawyer, Michael Cohen, paid off Daniels to "protect him from a false allegation" out of the "kindness of his own heart."

Hicks said she thought that would have been out of character for Cohen. "I didn't know Michael to be an especially charitable person or selfless person," she said.Hicks teared up briefly during her testimony.Trump, the Republican candidate for president again this year, sat expressionless at the defendants' table during the testimony by Hicks, the first person who worked for Trump's campaign to appear as a witness in the 11-day-old trial.

UK PM Rishi Sunak on shaky ground after his party's collapse in local polls

World Britain's governing Conservative Party suffered heavy losses in local election results on Friday, further cementing expectations that the Labour Party will return to power after 14 years in a UK general election that will take place in the coming months.Labour won control of councils in England that the party hasn't held for decades, and was successful in a special election for a seat in Parliament.If those results are repeated in the general election, it would lead to one of the Conservatives' biggest-ever defeats.Though the results overall, admittedly on a low turnout, make for grim reading for Prime Minister Rishi Sunak, he was able to breathe a sigh of relief when the Conservative mayor of Tees Valley in the northeast of England was reelected, albeit with a depressed share of the vote. The victory of Ben Houchen, who ran a very personal campaign, may be enough to cushion Sunak from any revolt by Conservative lawmakers.For Labour leader Keir Starmer, it's generally been a stellar set of results, though in some areas with large Muslim populations, such as Blackburn and Oldham in northwest England, the party's candidates appear to have suffered as a result of the leadership's strongly pro-Israel stance in the war in Gaza.Perhaps most important in the context of the general election, which has to take place by January but could come next month, Labour won back the parliamentary seat of Blackpool South in the northwest of England. The seat had gone Conservative in the last general election in 2019, when then Prime Minister Boris Johnson made big inroads in Brexit-supporting parts of the country.In the contest, triggered by the resignation of a Conservative lawmaker following a lobbying scandal, Labour's Chris Webb secured 10,825 votes, against the second-placed Conservative opponent's 3,218. The swing from Conservative to Labour, at 26%, was one of the biggest since World War II — more than enough to see the party return to power for the first time since it was ejected in 2010.Starmer went to Blackpool, a coastal resort town, to congratulate Webb and urged Sunak to call a general election. Sunak has the power to decide on the date, and has indicated that it will be in the second half of 2024.

"This was directly to Rishi Sunak to say we are fed up with your decline, your chaos and your division, and we want change," Starmer said.

Thursday's elections in large parts of England were important in themselves, with voters deciding on who runs many aspects of their daily lives, such as garbage collection, road maintenance and local crime prevention, in the coming years. But with a national election looming, they are being viewed through a national prism.John Curtice, professor of politics at the University of Strathclyde, said that the Conservatives are losing around half of the seats they are defending."We are probably looking at certainly one of the worst, if not the worst.

Houthis offer education to students suspended in US Gaza protests crackdown

World Yemen's Iran-aligned Houthi militia, which has disrupted global shipping to display its support for Palestinians in the Gaza conflict, is now offering a place for students suspended from US universities after staging anti-Israeli protests.Students have rallied or set up tents at dozens of campuses in the United States in recent days to protest against Israel's war in

Gaza, now in its seventh month.

Demonstrators have called on President Joe Biden, who has supported Israel's right to defend itself, to do more to stop the bloodshed in Gaza and demanded schools divest from companies that support Israel's government.Many of the schools, including Ivy League Columbia University in New York City, have called in police to quell the protests.We are serious about welcoming students that have been suspended from US universities for supporting Palestinians," an official at Sanaa University, which is run by the Houthis, told Reuters. "We are fighting this battle with Palestine in every way we can."

Sanaa University had issued a statement applauding the "humanitarian" position of the students in the United States and said they could continue their studies in Yemen."The board of the university condemns what academics and students of US and European universities are being subjected to, suppression of freedom of expression," the board of the university said in a statement, which included an email address for any students wanting to take up their offer.

The US and Britain returned the Houthi militia to a list of terrorist groups this year as their attacks on vessels in and around the Red Sea hurt global economies.he Houthi's offer of an education for US students sparked a wave of sarcasm by ordinary Yemenis on social media. One social media user posted a photograph of two Westerners chewing Yemen's widely-used narcotic leaf Qat.

Pakistan journalist among three killed in bomb blast in restive Balochistan

Karachi Three people, including a senior journalist, were killed and eight others injured in a bomb blast that targeted his vehicle in Pakistan's restive Balochistan province on Friday, police said.A remote-controlled roadside bomb was planted near Chomrok Chowk on the outskirts of Khuzdar town and when Maulana Siddique Mengal, a senior journalist and also the president of the Khuzdar Press Club, reached the spot, the bomb was set off, a senior police official said.

"Maulana Mengal and two other passersby were killed in the blast, while eight others were injured and taken to the hospital," he said.

Mengal was also a provincial office-bearer of the Jamiat Ulema-e-Islam (JUI-F) party. He also used to write for a local newspaper, "Watan". The attack

on the senior journalist happened on a day when World Press Freedom Day was observed.A police official said that it is still too early to say whether Mengal was targeted because of his media work or because of his work as a provincial office bearer of the JUI-F.Balochistan Chief Minister Mir Sarfaraz Bugti strongly condemned the attack and directed the Inspector General of Police to arrest the culprits.The Balochistan Union of Journalists (BUJ) also staged a demonstration against the killing of Mengal and demanded that the provincial government should arrest the killers at the earliest.Balochistan has been witnessing a series of terrorist activities for several years.Most recently, on Thursday, at least one died and 20 others were injured in twin landmine blasts that occurred near Thaikedar Naddi in the Duki district of Balochistan.The first explosion occurred when a truck hit a landmine, followed by a second blast as people gathered at the scene.On Friday, unknown assailants opened fire in the Kali Tarata area of Pishin district and injured two senior police officers, including a DSP and SHO.

39 dead due to heavy rain in Brazil, death toll expected to rise

Authorities in Rio Grande do Sul said 68 people were still missing and at least 24,000 had been displaced as the storms affected more than half of the 497 cities in the state, which borders Uruguay and Argentina.

Brasilia, Heavy rain battering Brazil's southernmost state of Rio Grande do Sul has killed 39 people, local authorities said on Friday, and the death toll is expected to rise as dozens still have not been accounted for.

Rio Grande do Sul's civil defence authority said 68 people were still missing and at least 24,000 had been displaced as the storms affected more than half of the 497 cities in the state, which borders Uruguay and Argentina."These numbers

can still materially change over the following days as we gain access to more regions", Rio Grande do Sul Governor Eduardo Leite told reporters.In several towns, streets have been essentially turned into rivers, with roads and bridges destroyed. The storm also triggered landslides and the partial collapse of a dam structure at a small hydroelectric power plant.

A second dam in the city of Bento Goncalves is also at risk of collapsing, authorities said, ordering people who live nearby to evacuate.In Porto Alegre, the capital of Rio Grande do Sul, the Guaiba river broke its banks, and flooded streets blocked access to the city's historic central neighbourhoods.The state is at a geographical meeting point between the tropical and polar atmospheres, which has created a weather pattern with periods of intense rains and others of drought.Local scientists believe the pattern has been intensifying due to climate change.Heavy rains had already hit Rio Grande do Sul last September, as an extratropical cyclone caused floods that killed more than 50 people.That came after more than two years of a persistent drought due to the La Nina phenomenon, with only scarce showers.President Luiz Inacio Lula da Silva travelled to the state on Thursday to visit affected locations and discuss rescue efforts with the governor.

Back in Brasilia, Lula vowed on Friday that his government would support local rescue and reconstruction efforts.

NEWS BOX

Hardik Pandya has failed MI: Irfan Pathan slams captain after KKR defeat

New Delhi, Former India cricketer Irfan Pathan launched a sensational rant against MI captain Hardik Pandya after the team's loss against KKR on Friday 3 May. Playing at the Wankhede Stadium, MI failed to chase down 170 runs and were bowled out for just 145 in the second innings. Pathan criticised Hardik Pandya for his captaincy acumen after the game and tore into the MI captain for losing the grip of the match.Speaking on his Instagram channel after the conclusion of the match, Pathan said that there was not need for MI to bowl 3 overs of Naman Dhir when KKR were reeling at 57/5 in the 7th over of the match. Pathan said that MI could have easily restricted KKR to 150, but they let the match slip by giving 20 extra runs."Mumbai Indians' story is finished in the IPL 2024. They were a very good team

on paper but they have not been managed well. Questions on Hardik Pandya's captaincy are absolutely valid. Today when KKR were 57/5, you bowled 3 bowlers of Naman Dhir. You bowled your 6th bowler, let KKR form a crucial partnership between Manish Pandey and Venkatesh Iyer. The 83-run partnership took KKR to 170 when they should have only got to 150 and that turned out to be the point of difference," Irfan Pathan said on Instagram.Pathan argued that in cricket the value of a captain mattered and the biggest talk of the season for MI was that the players probably had not accepted the captaincy change. Pathan argued that MI were not playing as unit which could be an indication that there were groups forming in the team."Cricket is a game where captaincy and management is crucial and MI at the moment are not playing as a team and that's the biggest talking point of the season for MI. It is important for the players to accept their captain and I don't think it has happened for MI this season," Pathan further added. similar argument was made by Australia's Michael Clarke as well just ahead of MI's KKR game."Yeah, I don't know they will make it to the playoffs. I think it's wishful thinking for Mumbai this entire IPL. "I think there's a lot more going on than what we are seeing on the outside, and you can't have that many good players and perform this inconsistently," Clarke had said on Star Sports.

Big player' Mitchell Starc stood up at a big moment for KKR: McClenghan after MI win

New Delhi, Mitchell McClengahan feels that Mitchell Starc stood up during a big moment for KKR after their win over MI on May 3, Friday. Starc was bought for a record fee by Kolkata during the IPL 2024 auction but failed to live up to the billing so far. Starc had 7 wickets from 8 matches before the MI game.

The Aussie pacer would deliver a sensational performance with the ball on Friday at Wankhede as KKR won the match by 24 runs. Starc picked up the wicket Ishan Kishan in his first over before getting the win with three wickets in the end to seal the win. Speaking to Cricinfo, McClenaghan said that Starc has repaid the faith KKR has put in him in the final few matches.The former MI pacer said that Starc did look a bit deflated after his first over but bounced back at the right time to finish off the tail and

take away any chance MI had of getting a win.

"We have talked a lot about Mitchell Starc throughout this campaign for Kolkata. They would persist with him. I think the last few outings, he has kind of rewarded them for sticking with him. Even after the first over today, I think he was a little bit deflated. But in big moments, big players step up."Get the wicket firstly of Ishan Kishan and to finish off that last over with three wickets just to clean up the tail, and take away any opportunity Mumbai had. It was high quality. He bowled well to Tim David as well. Did a really good job. He would be pleased with that, and he was pumped as well," said McClenaghan.

What are Starc's stats in IPL 2024?

Starc would enter double digits for the wicket column with his 4 for 33 against MI. The Aussie pacer now has a total of 11 wickets in the season, two behind KKR's leading wicket-taker Sunil Narine. Starc's economy has been a concern at 11.40 and his average at the moment is 33.

Mauricio Pochettino slams 'stupid rumours' of his exit from Chelsea

Chelsea manager Mauricio Pochettino has slammed the "stupid rumours" swirling around his Stamford Bridge future and said it is up to the Premier League club's hierarchy to decide if he will continue beyond this season.

New Delhi, Chelsea manager Mauricio Pochettino has slammed the "stupid rumours" swirling around his Stamford Bridge future and said it is up to the Premier League club's hierarchy to decide if he will continue beyond this season

Since his appointment in May last year, the former Tottenham Hotspur and Paris St Germain coach has taken Chelsea to the final of the League Cup, which they lost 1-0 to Liverpool, as well as the semis of the FA Cup, where they were beaten 1-0 by Manchester City.Chelsea, who have spent around 1 billion pounds ($1.25 billion) on new players since a U.S.-led takeover in 2022, are eighth in the league standings with four matches to go."I wanted to say that it is enough with this type of rumours, that if I have one year more (under) contract here and no-one says nothing (to me), (I) suppose I'm going to be here," Pochettino told reporters ahead of Sunday's Premier League clash against West Ham United.Only if then the season finishes and someone says to me 'ciao'... Because we don't know at the moment. I suppose that I have one more year contract and that I am going to be here. Enough about the stupid rumours.

"You need to ask the club if they want me to keep going or not."With several players out with injuries, Chelsea on Thursday dented Spurs' hopes of qualifying for next season's Champions League with a 2-0 home win.

After hosting London rivals West Ham, Chelsea's remaining fixtures include relegation-threatened Nottingham Forest, Brighton & Hove Albion and Bournemouth, and Pochettino said his young side will have to build on their recent performance."These are the most dangerous games because now we have to keep the same mentality. West Ham are a strong team, with great physicality, and they have had a fantastic season," he said."They have been competing well in Europe and for us, we need to recover and maybe add some fresh legs to our squad because West Ham have had a whole week to prepare — that is why these are the most dangerous games."

Kuldeep Yadav, Yuzvendra Chahal will be very handy in T20 World Cup: Piyush Chawla

- **Piyush Chawal talks about Kuldeep Yadav and Yuzvendra Chahal**
- **Both spinners have been picked in the 15-member squad**
- **This is Chahal's comeback into the Indian team**

New Delhi, The Indian team has picked two wrist spinners for the T20 World Cup 2024, set to be played in the United States of America and West Indies in the month of June. Both Yuzvendra Chahal and Kuldeep Yadav have been named in the side - which has been focused around the spinners. MI spinner Piyush Chawla is excited about the team's combination and has said that both will come handy in the ICC tournament.Speaking about the role of spinners in T20 cricket after MI loss vs KKR in the Indian Premier League, Chawla said that batters are quite adept at hitting pace these days. Chawla argued that it is the spinners that have started making a

difference in the game, and that's why a spin heavy side for the World Cup was a good choice from the selection panel - led by Ajit Agarkar.

"When the T20 format came, nobody preferred spinners that much but if you now see around the world, the spinners are doing the damage. All the batters want the ball to come fast at their bat, but when the ball is slowed down, they have to generate the energy," Chawla said in the post-match press conference."Looking at Kuldeep Yadav and Yuzvendra Chahal, Chahal started off brilliantly in the IPL. Kuldeep also has been doing well for the last one and a half years. It will be a great combination if both of them get to play together. In West Indies and USA, wickets will be on the slower side and they will be quite useful there," he further added.INDIA's T20 World Cup Squad

Batters: Rohit Sharma (captain), Virat Kohli, Yashasvi Jaiswal, Suryakumar Yadav.

Wicketkeepers: Rishabh Pant, Sanju Samson.

All-ronders: Hardik Pandya (vice-captain), Shivam Dube, Axar Patel, Ravindra Jadeja.

Bowlers: Yuzvendra Chahal, Kuldeep Yadav, Jasprit Bumrah, Arshdeep Singh, Mohammed Siraj.

IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full ScheduleMany have raised concerns about India's choice of picking four spinners. Some have called it an overkill after Rinku Singh lost his spot in the World Cup side. India captain Rohit Sharma has said that there might be games where India will play both wrist spinners. India have till 25 May to make changes to their side.

Mitchell Starc takes sly dig at critics: Not the only bowler getting hit for runs

Mumbai. KKR pacer Mitchell Starc had a good day out in the Indian Premier League against MI on Friday. Playing at the Wankhede Stadium in Mumbai KKR defended a target of 170 runs against the Hardik Pandya side and Starc was crucial to that victory. Starc picked 3 wickets in his final spell, dismissing Tim David Piyush Chawla and Gerald Coetzee to bowl out MI for just 145 runs.The fast bowler has copped a lot of criticism this season for his tendency to go for runs. In fact, Starc has been quite expensive this season with an economy of 11.40, his worst in the tournament. The fast bowler however was unperturbed by the same and said in the post-match press conference that he was not the only bowler that was being hit for runs in the Indian Premier League.There's not been many bowlers go for runs, has there? (laughs). Look, it's been it's been fantastic. We are sitting second, So we're doing We're doing really well," Mitchell Starc said after the game.

"It is T20 cricket, things do not always go the way you want it to go. Obviously, I would

have liked to do better at the start, but it is what it is, we are sitting second, that's all that matters," he further added.The fast bowler lauded the young bowling group of KKR and said that the team was learning from each other. Starc said that had not played T20 cricket a lot in recent times and was trying to learn few of the tricks from the other bowlers.

"I'm a bit more experienced and a bit older, and at the same time, I haven't played a lot of T20 cricket, So, sort of working off each other in a way. But, yeah, we've got a really exciting bowling group. And they've shown that in the games they've played, they've taken some big wickets. The guys that haven't had an opportunity yet they're working really hard in the background. I'm certainly not there to tell people what to do. I'm happy to answer questions if they have and probably look to sort of lead more by example of training and whatnot, and get my work in and that sort of thing," Starc further added.

After the win, KKR firmed their place in the 2nd spot in the Indian Premier League table.

Hardik Pandya looks drained: Aaron Finch feels for MI skipper after loss to KKR

IPL 2024, MI vs KKR: Aaron Finch said that Hardik Pandya has been going through a turbulent phase as the captain of the 5-time champions. On Friday, Mumbai lost to Kolkata by 24 runs at the Wankhede Stadium.

New Delhi, Aaron Finch said that Hardik Pandya has run out of steam amid MI's challenging campaign in the Indian Premier League (IPL) 2024. Although still in with a mathematical chance, Mumbai are all but of the competition after losing to Shreyas Iyer's KKR by 24 runs on Friday, May 3 at the Wankhede Stadium.With their eighth defeat this season, MI kept struggling at ninth in the table with 6 points and a net run rate of -0.356. Hardik's own performance

has not been top-notch either. Against KKR, Hardik picked up 2 wickets, but leaked 44 runs in his quota of 4 overs.With the bat, the 30-year-old scored 1 run off 3 balls before he spooned a simple catch to Manish Pandey off Andre Russell's bowling.He looks flat at the moment, he looks drained. He looks like someone who is feeling the pressure. I feel for him as I know what it feels like to be in that situation. Everything that you try doesn't seem to work and when the team is not performing well, that's a really difficult place," Finch told Star Sports.It's one thing when you are not performing, but your team is winning. That's something you take pride in as a captain. But you wear all the responsibilities of your own performance and also of the team and it's an incredibly hard place to be in, particularly in this competition," Finch said.

'MI should have chased 170'

Finch also said that the home team should have gone past the finish line in favourable batting conditions in Mumbai. Chasing a target of 170, MI were bowled out for 145 in 18.5 overs."You would expect them to chase 170 when dew is forming in at the Wankhede. It's a beautiful place to bat generally. Yes it was a bit uncharacteristic in the way it turned a bit more, and was a little bit more two paced than what we have seen in the past," Finch added.

RCB under no extra pressure regarding IPL 2024 qualification scenario: Will Jacks

RCB batter Will Jacks believes the team is under no extra pressure thinking about the IPL Playoffs qualification scenario. RCB need to win all their remaining matches to stand a chance of making it to the Playoffs.

New Delhi RCB batter Will Jacks believes that the side is under no extra pressure when it comes to trying and winning all their remaining matches to make it to the IPL 2024 playoffs. RCB are in a tough spot at the moment, as they're currently 10th on the points table. However, they still have a mathematical chance of making it to the playoffs, but need to win their remaining 4 matches and hope a few results would go their way.Jacks has been at the centre of the recent resurgence for RCB as he scored a hundred that got them the win against GT, who they will be facing on May 4. The RCB batter, at the press conference, said that the batting unit has been told to play with freedom and they're trying to keep things simple. The England batter feels that RCB are moving in the right direction at the moment.

"What we have spoken about as a batting unit, is playing with freedom. At the beginning of the competition, we were probably behind the other teams in terms of run rate and not getting the results we desired," he said. "We spoke long and hard about how to get to those 200-plus scores that we have seen across the competition. And we have been doing that well, taking risks at the right time and putting bowlers under pressure. I wouldn't say it adds more pressure. We just know what we have to do and we are keeping it simple and that's what has been working for us recently.We are moving along in the right direction. It is a shame it didn't happen a few games earlier but there is still a chance for us. We have four games left. We are going to try and give our best, one by one," said Jacks.We are moving along in the right direction. It is a shame it didn't happen a few games earlier but there is still a chance for us. We have four games left. We are going to try and give our best, one by one," said Jacks.

Jacks has been a hit at No.3 for RCB this season but the England batter admitted that he is still adapting to the role, having done it for England in the Caribbean. Jacks said that the toughest thing is to come out and bat outside the powerplay overs.

"It is definitely something that I am adapting to," Jacks said. "I started doing it in November in the Caribbean for England, so I have probably done it in ten or a few more times. It is different. The hardest thing I found is coming in outside the powerplay. Normally when you face the first ball, you get a few to look at, and you can get your easy boundaries away and get yourself rolling whereas outside the powerplay, you have to play yourself in and it is harder to be 17 or18 off ten balls."I think it is more of a mental thing. It is what can I do best to help the team's chances from this position. It is something that I think I have been getting better at.

Sonakshi Sinha

Reveals She Will Not Join Dad Shatrughan In Politics: 'Don't Have The Aptitude For It

Sonakshi Sinha has revealed that she is not interested in joining politics, unlike her actor-turned-politician father Shatrughan Sinha. In a recent interview with Raj Shamani, Sonakshi was asked about her plans to join politics when she joked, "No, fir vahan bhi tum nepotism nepotism karoge."

The 36-year-old actress further explained that one has to be a "people's person" to join politics but contrary to this, she is a very private person. She also admitted that she lacks "aptitude" to be a politician and therefore, there is no point in joining a political party just for the sake of doing it.

Sonakshi Sinha is currently enjoying the success of Sanjay Leela Bhansali's Heeramandi: The Diamond Bazaar.

"All jokes aside, I don't think I would because I've seen my dad do it. I don't think I have the aptitude for it. My dad is a very people's person. I am a very private person, and you've to be a people's person, you've to be there for them and this could be anyone strangers from every part of the country, and I've seen my dad do that, so I don't think I have that in me," Sonakshi added.

Meanwhile, on the work front, Sonakshi Sinha is currently enjoying the success of Sanjay Leela Bhansali's Heeramandi: The Diamond Bazaar. In Bhansali's OTT debut, Sinha played the role of Fareedan, who is formidable, shrewd and sardonic. She essays the role of the daughter of Mallikajaan's elder sister, who had a catastrophic end. She's a doppleganger of her mother and poses the biggest threat to Mallikajaan, who worries that this new Heeramandi entrant will raze her to the ground. Her only ambition is to avenge the injustice meted out to her mother and is single-handedly fighting the battle.

Besides Sonakshi, Heeramandi also stars Manisha Koirala, Richa Chadha, Sanjeeda Shaikh, Aditi Rao Hydari, Sharmin Segal Mehta, Farida Jalal, Shekhar Suman, Fardeen Khan and Adhyayan Suman in key roles. It explores the various aspects of a woman's trials and tribulations.

Showsha's review of Heeramandi reads, "With Heeramandi, Sanjay Leela Bhansali creates a world that's exquisite and is rich and vibrant in its culture and texture. Inhabiting this realm are some characters that are as unapologetic, complex and imperfect as a human can be. Here, the women call their own shots and is unafraid of what the civil society might think of them. They're pitted against each other, sometimes one even wishing for and conspiring against another's downfall and shattering their self-worth, pride and ego. They can tear apart and even love like tigresses. And when the right time comes, they don't bat an eyelid before fiercely protecting one another.

Shah Rukh Khan To Begin Filming Next Project Soon, Says 'I Felt Ki Thoda Rest Kar Leta Hu'

Shah Rukh Khan was occupied throughout 2023 and has yet to start filming for his upcoming project this year. During an interview for Knight Club's King Khan Rules on Star Sports, the actor shared insights on his return to the shooting schedule for the year.Shah Rukh mentioned that last year, he had three movie releases (Pathaan, Jawan, and Dunki), which kept him constantly engaged. Considering the physical demands of his roles, he opted to take a break and focus on his IPL cricket team Kolkata Knight Riders (KKR).

He expressed, "I just felt ki main thoda rest kar sakta hoon. Teen filmein kar chuka hoon, it took a lot of physical work also. So I said maybe I'll take some time off. I told the whole team ki, main matches ko aaunga. Fortunately, meri shooting ab August main hain, ya July… we plan in June, to June se shuru hojayegi. So, I am absolutely free to come to all the matches. Main khushi se aata hoon. (I felt I could rest. I did three physically demanding films. I told the whole team I'll come to their matches. Fortunately, I don't shoot my next till August or June, we plan in June. It makes me happy to be here)."

In a recent interview on the same channel, Shah Rukh referred to Virat Kohli as Bollywood's 'damaad', acknowledging his marriage to actor Anushka Sharma. He shared, "I spent a lot of time with him, I just love him. We say that he is our son-in-law, he is our fraternity's 'daamad'. I have known him the most compared to other players. I have known Virat and Anushka for a long time, spent a lot of time with them. I know him since his dating period was going on and I was shooting the film with Anushka. So, he spent many days with us, and became very friendly."Meanwhile, If a new report is to be believed, Shah Rukh will be playing a Don in his film with his daughter Suhana Khan. Much like his OG Don role, Shah Rukh will have shades of grey in the film. It is widely reported that SRK and Suhana are working together in a film by Sujoy Ghosh. The film is allegedly titled King. It is co-produced by Pathaan maker Siddharth Anand and Gauri Khan's Red Chillies Entertainment.A source told Pinkvilla, "Shah Rukh Khan is making films for the audience and is well aware about their urge to see him in shades of grey. King is his passion project and he has been meticulously working on all aspects of the project with Siddharth Anand and Sujoy Ghosh. They have collectively carved a very cool full of attitude and swag character with shades of grey for SRK in King."

A source told Pinkvilla, "Shah Rukh Khan is making films for the audience and is well aware about their urge to see him in shades of grey. King is his passion project and he has been meticulously working on all aspects of the project with Siddharth Anand and Sujoy Ghosh. They have collectively carved a very cool full of attitude and swag character with shades of grey for SRK in King."

Meanwhile, speaking about this look, the insider added that Shah Rukh will sport 'long hair with a faint beard.' We are already having Don 2 Deja vu. The source added, "While the character designing is already done, Siddharth Anand is presently working on the action blocks with international stunt teams. Sujoy, on the other hand, is getting the dialogue draft ready, whereas SRK is overseeing the creative process and training with Suhana on some new-age action sequences."Shah Rukh, Sujoy, Siddharth and Suhana are yet to react to the claims. It was previously claimed that the filming of 'King' is scheduled to commence in May, over a span of five months, with plans to premiere the movie in the latter half of 2025.

Mom-To-Be Deepika Padukone Flaunts Pregnancy Glow As She Poses With Co-actors On Singham Again Set

Mom-to-be Deepika Padukone is currently shooting for Singham Again. While on set, Deepika posed with the junior artists working with her. Deepika Padukone's pregnancy glow caught everyone's attention in the photo. Deepika, who is expecting her first baby with Ranveer Singh, is working through her pregnancy. In Singham Again, she will be playing the role of Lady Singham.

Recently, a junior artist who worked with Deepika dropped a selfie on Instagram with the actress. She also shared a sketch she made for Deepika and a bouquet of flowers with a note that read, "To our hero, Lady Singham". The bouquet and note were also shared by Deepika on her Instagram account.

The artist also penned a heartfelt note for Deepika and wrote, "@deepikapadukone The Only Lady Singham? Glad to meet you ma'am? One of the best days of my life Felt so lucky to work with you, still remember the day you smiled at me and the way you appreciated and became happy after seeing the sketch. I pray that we meet many more times in future…..??? Lots of love from us!! Always and forever ma'am ???? Love Love????."

Deepika Padukone has a prominent role in the movie. Back in 2023, Rohit Shetty had said that Singham Again would feature Deepika as one of the heroes. He said, "She is like one of the heroes and what we are doing with it is that we will go with her story. We will make a film which has only Deepika…it is her story… Like Sooryavanshi, Singham and Simmba, the films had already been made and people knew about them but with Singham Again we are introducing these characters and then we will tell their stories."

The film features Ajay Devgn in the lead role, along with Ranveer Singh, Akshay Kumar and Kareena Kapoor Khan. Other than Deepika Padukone, Tiger Shroff will also be introduced into Rohit's cop-verse through Singham Again.

Meanwhile, Deepika is expecting her first child with Ranveer. The couple announced their pregnancy in February this year. Deepika shared an adorable poster with "September 2024? written on it. The poster also had children's clothes, toys and balloons as the border.

Dharmendra and Hema Malini Get Married AGAIN After 44 Years? Couple's Pics Spark Rumours

Hema Malini and Dharmendra celebrated their 44th wedding anniversary on Thursday and it seems like the couple got married yet again. The veteran actress sparked rumours of a possible second marriage ceremony after she shared pictures of her and Dharmendra's intimate celebrations. Taking to X, Hema Malini shared a picture in which she and Dharmendra were seen sporting massive garlands while they posed for pictures. The Sholay actress was seen wearing a bright traditional saree and sindoor while Dharmendra sported a peach-coloured shirt.

She also shared a photo in which Dharmendra was seen planting a kiss on Hema's cheek while she blushed. The couple was joined by their daughter Esha Deol. Sharing the photos, Hema wrote, "Photos from today at home." Esha also shared one of the pictures from the intimate celebrations and wrote, "That's pretty much what I'm made of Hema Malini and Dharmendra first met in 1970 when they were shooting for their film Tum Haseen Main Jawaan. Fans loved their pairing. But when they decided to get married, even Hema's parents were not in favour. However, life had different plans for the couple and after many difficulties, they got married in 1980. They have two daughters – Esha Deol and Ahana Deol.

Before Bollywood's Dream Girl, Dharmendra was married to Prakash Kaur with whom he has two sons – Sunny Deol and Bobby Deol. Meanwhile, Dharmendra was last seen in Shahid Kapoor and Kriti Sanon's Teri Baaton Mein Aisa Uljha Jiya. He will soon be seen in Sriram Raghavan's 'Ikkis', which will star Amitabh Bachchan's grandson, Agastya Nanda in the lead. On the other hand, Hema Malini is currently busy with the Lok Sabha elections. The actress is contesting from the Mathura constituency on the BJP ticket. Recently, Hema was also joined by her daughters Esha and Ahana for the campaign in Mathura.